नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 14
अंक : 22
सोमवार, 01 से 07 जुलाई 2024
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

शिक्षकों के तबादले पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश 03
बाबाओं के मायाजाल में फंसती भीड़ 08

# NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

भारत की टी20 विश्व चैंपियन टीम स्वदेश लौटी 10
सेहत सुधारती है पढ़ने की आदत... 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

सामंथा ने स्तन कैंसर का इलाज करा रही हिना को बताया योद्धा 12

# गुजरात में गरजे राहुल गांधी

## 'अयोध्या की तरह गुजरात में भी भाजपा को हराएगी कांग्रेस'

एनसीआर समाचार

**अहमदाबाद।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन ने अयोध्या में भाजपा को हराकर राम मंदिर आंदोलन को पराजित कर दिया है जिसे लालकृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले चुनाव में भाजपा का गुजरात में भी यही हश्र होगा।

गांधी ने कहा कि कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनौती दी गई है और धमकी दी गई है, लेकिन वह गुजरात में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को उसी तरह हराएगी, जिस तरह उन्हें अयोध्या में हराया गया।

गांधी यहां पार्टी कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और भाजपा के बीच गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जीपीसीसी) कार्यालय के बाहर झड़प हुई थी, जब भाजपा के कार्यकर्ता हिंदुओं पर उनकी (गांधी की) टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन करने वहां गए थे।

गांधी ने कहा, उन्होंने (भाजपा) हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाकर हमें चुनौती दी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिलकर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है। यह लिखकर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में जीतेगी और इस राज्य से वह एक नई शुरूआत करेगी।

गांधी ने उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा की हार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। अयोध्या फैजाबाद में ही स्थित है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, अयोध्या में भाजपा को हराकर, इंडिया गठबंधन ने राम मंदिर आंदोलन को हरा दिया है, जिसे भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। मैं जो कह रहा हूं वह बहुत बड़ी बात हैङ्ककांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन ने उन्हें अयोध्या में हराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में भाजपा को हराएगी क्योंकि मोदी के विजन का गुब्बारा फूट चुका है। उन्होंने सवाल किया, संसद में मैंने प्रधानमंत्री से पूछा कि क्या वह मनुष्य हैं, क्योंकि उन्होंने खुद कहा था कि वह 'नॉन बायोलॉजिकल' हैं और उनका भगवान से सीधा संबंध है। अगर आप सीधे भगवान से जुड़े हैं, तो अयोध्या में आप कैसे हार गए?

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री का मानना है कि बाकी सभी लोग जैविक हैं- गुजरात के लोग, गांधीजी, भारत के किसान और मजदूर जैविक हैं, जबकि नरेंद्र मोदी अजैविक हैंङ्कजो व्यक्ति सोचता है कि वह अजैविक है और देश के लोग जैविक हैं, वह गुजरात के लोगों को कैसे दर्शन दे सकता है, जब वह मजदूरों और हीरा उद्योग में काम करने वालों का दर्द नहीं समझ सकता?

उन्होंने कहा, आपने कभी सोचा भी नहीं होगा कि भाजपा अयोध्या में हार जाएगी या मोदी वाराणसी में मामूली अंतर से जीतेंगे। वे गुजरात में भी उसी तरह पराजित होने जा रहे हैं, जैसे अयोध्या में हुए। आपको बस इतना करना है कि गुजरात के लोगों से कहें कि वे डरें नहीं।

उन्होंने कहा कि अगर गुजरात के लोग बिना डरे लड़ेंगे तो भाजपा उनके सामने टिक नहीं पाएगी। फैजाबाद से नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनके सर्वेक्षकों ने उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी और कहा कि इससे उनकी हार होगी और उनका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। गांधी ने कहा, इसीलिए उन्होंने (मोदी) अयोध्या से चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि वाराणसी से चुनाव लड़ा। वाराणसी में हमने कुछ गलतियां कीं, वरना हम उन्हें वहां भी हरा सकते थे।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अयोध्या के लोग मोदी से इसलिए नाराज हैं, क्योंकि उन्होंने उन्हें उनकी जमीन, दुकानों और घरों के लिए मुआवजा नहीं दिया।

उन्होंने कहा, अयोध्या के सांसद ने मुझे बताया कि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए जिन किसानों की जमीन ली गई थी, उन्हें आज तक उचित मुआवजा नहीं मिला है।

### अहमदाबाद में हिंदू संगठनों ने फूंका राहुल का पुतला

**अहमदाबाद।** विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार दोपहर करीब 1 बजे अहमदाबाद पहुंचे। राहुल के पहुंचने से पहले ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल कार्यकताओं ने उनके पुतले जलाए। दोनों दलों के कार्यकर्ता संसद में राहुल के कथित हिंदू विरोधी बयान का विरोध कर रहे हैं।

**पुलिस ने हिंदू संगठनों के कार्यकताओं को लिया हिरासत में**

अहमदाबाद में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर इस विरोध के बाद पुलिस ने हिंदू संगठन के कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया है।

इसके साथ ही इलाके में रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी गई है। आसपास के एरिया में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। विरोध के बीच राहुल गांधी अहमदाबाद में गुजरात प्रदेश कार्यालय पहुंचे।

# कश्मीर में सुरक्षाबलों ने मार गिराए 4 आतंकवादी, 2 जवान शहीद

एनसीआर समाचार

**श्रीनगर।** जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए हैं। इस मुठभेड़ में दो सैनिक शहीद हो गए। जिले में दो जगहों पर मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कुलगाम के फ्रिसल चिन्नीगाम इलाके में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किए जाने के दौरान आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हो गई। चार अन्य आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में अब तक चार आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल की ड्रोन फुटेज में चार शव पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन गोलीबारी अभी भी जारी रहने के कारण शव अभी बरामद नहीं किए जा सके हैं। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थल का दौरा करने वाले कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) वी.के. बिरधी ने कहा कि अभियान जारी रहेगा।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, कुछ शव (आतंकवादियों के) देखे गए हैं, लेकिन मुठभेड़ अभी समाप्त नहीं हुई है। बिरधी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के नजदीक नहीं बल्कि जिले के अंदरूनी इलाकों में है। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया कि कुलगाम जिले के मोडरगाम गांव में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई।

पिछले महीने की शुरूआत में, पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट के दो शीर्ष कमांडर पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक घर में फंस गए थे, जिसे वे छिपने के लिए इस्तेमाल कर रहे थे।

# नीट मामले में सफेद झूठ बोल रही है सरकार: खड़गे

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 के मामले में केंद्र सरकार के हलफनामे को लेकर शनिवार को कहा कि लाखों युवाओं से सफेद झूठ बोला जा रहा है तथा उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा है।

दरअसल विवादों में घिरी नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने की बढ़ती मांग के बीच, केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि इसे रद्द करना बेहद प्रतिकूल होगा और व्यापक जनहित के लिए, विशेष रूप से इसे उत्तीर्ण करने वालों के करियर की संभावनाओं के लिए, काफी हानिकारक होगा।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय को बताया है कि नीट-यूजी में कोई पेपर लीक नहीं हुआ है ! लाखों युवाओं से ये सफेद झूठ बोला जा रहा है। उनके भविष्य को बर्बाद किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि ह्यकेवल कुछ जगहों पर अनियमितताएं/चीटिंग हुई हैं'। यह गुमराह करने वाली बात है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरी शिक्षा प्रणाली को अपने कब्जे में रखकर शिक्षा माफिया को बढ़ावा दिया है।

# रेलवे ने कहा कि राहुल गांधी ने की बाहरी ट्रेन चालकों से मुलाकात, रेल यूनियनों ने दिया जवाब

नई दिल्ली। ट्रेन चालक संघों ने रेलवे के इस दावे का खंडन किया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन लोको पायलटों से मुलाकात की, जो दिल्ली मंडल से नहीं थे बल्कि बाहर से लाये गये थे।

गांधी ने शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों से मुलाकात की थी, जिसके बाद उत्तर रेलवे (एनआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि गांधी ने जिन लोको पायलटों से मुलाकात की है, वे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की 'क्रू लॉबी' (लोको पायलटों के लिए निर्धारित स्थल) से नहीं थे। दिल्ली मंडल उत्तर रेलवे के अंतर्गत आता है।

एनआर के सीपीआरओ दीपक कुमार ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि वे (लोको पायलट) बाहर से लाए गए थे।

गांधी स्टेशन ने 'क्रू लॉबी' पहुंचकर कुछ लोको-पायलटों से बात कर-के उनकी समस्याओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल की थी।

विभिन्न लोको पायलट संघों के सदस्य गांधी के साथ लॉबी में मौजूद रहे थे। इन संघों ने सीपीआरओ के बयान का विरोध करते हुए कहा कि लोको पायलटों की शिकायतें समान हैं, ऐसे में उनके मंडलों और कार्य क्षेत्रों को अलग-अलग करके देखना अप्रासंगिक है।

'ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन' के दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष आर. कुमारेसन ने गांधी और लोको पायलटों के बीच इस बातचीत के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# NCR समाचार के दफ्तर में हुई चोरी

## CCTV में कैद हुए चोर फिर भी गोविंदपुरी प्रशासन के हाथ खाली

नमिता चौहान

दिल्ली के तुगलकाबाद एक्स. में स्थित NCR समाचार राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र के दफ्तर में 5 जुलाई की रात करीब 2:30 बजे 2 अज्ञात व्यक्ति ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान चोरों ने सबसे पहले ठउफ समाचार के दफ्तर के गेट का ताला तोडा और फिर अंदर घुसने से पहले दरवाजे के पास लगे CCTV को ऊपर की तरफ मोड़ दिया।

दफ्तर के अंदर घुसकर चोरों ने खूब उत्पात मचाया। NCR समाचार के मैनेजिंग डायरेक्टर के केबिन में लगे टेबल दराज सबसे तोड़फोड़ की और केबिन में रखा लैपटॉप चुरा लिया। इसके बाद पूरे दफ्तर के चक्कर काटे और सारे सामान को तहस नहस कर दिया।

### फिर भी गोविंदपुरी प्रशासन के हाथ खाली

इस सबसे भी जी नहीं भरा तो बाथरूम का नहाने और शौच के लिए इस्तेमाल किया और अपने कपड़े वहीं छोड़ दिए। इसके बाद चोरों ने इसी बिल्डिंग के तीसरे माले पर भी धावा बोला और वहां से भी लैपटॉप और मोबाइल चोरी कर लिया।

अगले दिन सुबह करीब 9:30 बजे पुलिस प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस के साथ साथ फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचे जांच पड़ताल की और आश्वासन देकर चले गए। CCTV में चोरों के चेहरे स्पष्ट दिखाई देने के बावजूद भी गोविन्द पूरी थाना पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई।

# हाथरस भगदड़: मुख्य आरोपी देव प्रकाश समेत दो अन्य गिरफ्तार

**हाथरस/नई दिल्ली।** हाथरस भगदड़ मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन और लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस भगदड़ में सत्संग के बाद 121 लोगों की जान चली गई थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) हाथरस निपुण अग्रवाल ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए आज बताया, मुख्य आयोजक और मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को हाथरस पुलिस के विशेष अभियान समूह ने शुक्रवार देर शाम दिल्ली के नजफगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि शनिवार को सिकंदराराऊ पुलिस ने दो और आरोपियों राम प्रकाश शाक्य और संजू यादव को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि एडीजी आगरा जोन ने देव प्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का नकद इनाम घोषित किया है। एसपी ने बताया कि 2 जुलाई को फुलराई मुगल गढ़ी गांव में भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा, उसी दिन सिकंदराराऊ थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मुख्य आयोजक देव प्रकाश और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और जांच डिप्टी एसपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई थी।

पुलिस ने छह आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी को भी पुलिस हाथरस ले आयी है।

उन्होंने कहा, देव प्रकाश की गिरफ्तारी के असफल प्रयासों के बाद एडीजी आगरा जोन ने 4 जुलाई को उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

एसपी ने कहा कि मुख्य आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि वह 2010 से एटा में मनरेगा के तहत जूनियर इंजीनियर के पद पर संविदा पर काम कर रहा था। वह पिछले कई वर्षों से संगठन से जुड़ा हुआ है और मुख्य रूप से कार्यक्रमों के आयोजन और धन एकत्र करने के लिए जिम्मेदार था।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि देव प्रकाश ने 2 जुलाई को फुलारी मुगल गढ़ी गांव में आयोजित कार्यक्रम के लिए अनुमति ली थी।

# गृह मंत्री ने की पीएम की तारीफ, 'कई सालों की मांग को प्रधानमंत्री ने किया पूरा'

**नई दिल्ली।** अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर गुजरात में सहकार से समृद्धि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। अपने संबोधन में गृह और सहकारिता मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कई सालों से अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन की मांग की जा रही थी। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा करना उचित नहीं समझा। वहीं हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता विभाग की जरूरत को समझा और एक अलग मंत्रालय का गठन किया। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि हम सभी इसके लिए करतल ध्वनि से प्रधानमंत्री को साधुवाद दें।

**'सहकारिता मंत्रालय से करोड़ों लोगों को हुआ फायदा'**

गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह आगे कहा कि सहकारिता मंत्रालय के अस्तित्व में आने से लेकर आज तक 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के साथ यह मंत्रालय देश के करोड़ों सहकारी बहनों-भाइयों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। इस मंत्रालय ने सहकारी क्षेत्र को तकनीक संपन्न बनाकर न केवल अत्याधुनिक बनाया है, बल्कि 54 से अधिक इनिशिएटिव्स से सहकारिता के पूरे तंत्र को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा का महत्त्वपूर्ण भागीदार बनाया है। देश के सहकारी तंत्र को मंत्रालय की स्थापना से नया जीवन देने के लिए मैं सभी सहकारी बहनों-भाइयों की ओर से मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं।

**'नैनो यूरिया और नैनो डीएपी पर 50% की सब्सिडी'**

वहीं गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री ने नैनो यूरिया को लेकर बहुत महत्वपूर्ण फैसला लिया है। नैनो यूरिया और नैनो डीएपी पर 50 प्रतिशत की सब्सिडी दी गई है। मैं किसानों से अपील करना चाहता हूं कि अपनी फसलों पर नैनो यूरिया छिड़कने के बाद, आपको दानेदार यूरिया छिड़कने की जरूरत नहीं है। अब आपकी फसलों के स्वास्थ्य और उत्पादकता बढ़ाने के लिए लिक्विड नैनो यूरिया और लिक्विड नैनो डीएपी पर्याप्त हैं। सरकार ने इसकी कीमतें भी कम कर दी हैं, इसलिए कृपया उनका उपयोग करें।

**'ड्रोन दीदी योजना के लिए महिलाओं को करें प्रशिक्षित'**

102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर गांधीनगर में आयोजित 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ड्रोन दीदी योजना' शुरू की है, इसलिए कृपया अपनी महिलाओं को खाद छिड़कने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित करें।

# केजरीवाल की जमानत याचिका पर उच्च न्यायालय का सीबीआई को नोटिस

एनसीआर समाचार

**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सीबीआई को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया।

एकल पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तारीख मुकर्रर की है। इसी दिन केजरीवाल की गिरफ्तारी और उन्हें सीबीआई की हिरासत में सौंपने के विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर भी सुनवाई होनी है। इस मामले में पीठ ने आरोपी की याचिका पर दो जुलाई को केंद्रीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर मामले को 17 जुलाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

मुख्यमंत्री केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए एकल पीठ ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने सीबीआई के इस मुकदमे में पहले निचली अदालत का रुख करने के बजाय और सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा क्यों खटखटाया, इस सवाल पर बाद में विचार किया जाएगा।

केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने न्यायिक हिरासत तिहाड़ जेल में बंद श्री केजरीवाल से अदालत की अनुमति पर 25 जून को पूछताछ की और अगले दिन 26 जून को गिरफ्तार किया, जबकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से संबंधित कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले मामले में उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। आरोपी मुख्यमंत्री दोनों मामले में न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद हैं।

**एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में**

## आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

**अतः** भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

## गुजरात पुलिस के हत्थे चढ़ा वीआईपी चोर, कई राज्यों की पुलिस कर रही थी तलाश

वलसाड । दक्षिण गुजरात के वापी से वलसाड एलसीबी ने एक वीआईपी चोर को दबोच लिया है, जिसकी देश की आधा दर्जन राज्यों की तलाश थी। गिरफ्तार शातिर शख्स चोरी करने फ्लाइट में जाता था और घटना को अंजाम देकर रात ही अपने घर लौट आता था। ऑडी कार में घूमने वाला शख्स जिस शहर में चोरी करने जाता वहां की फाइव स्टार होटल में ठहरता था। वलसाड एलसीबी के हत्थे चढ़े चोर की पूछताछ में देश के विभिन्न राज्यों के 27 जितने मामलों का खुलासा हुआ है। मुंबई के मुंब्रा क्षेत्र में एक करोड़ कीमत के किराये के घर में रहनेवाला रोहित दया सोलंकी उर्फ रोहित चेतन शेट्टी उर्फ अरहान शेट्टी को वलसाड की एलसीबी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वलसाड के वापी में घरफोड़ चोरी के मामले में रोहित के गिरफ्तार होने के बाद उसकी पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस ने आरोपी के पास एक चमचमाती ऑडी कार, सोने-चांदी के आभूषण, नकद समेत कुल रु. 12 लाख का माल-सामान जब्त किया है। रोहित चोरी के लिए उस शहर को चुनता जहां एयरपोर्ट हो या आसपास हो। चोरी करने के लिए फ्लाइट में जानेवाला रोहित शहर की पांच सितारा होटल में ठहरता था और दिन के दौरान पॉश इलाकों की रेकी करता और रात को चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद उसी रात फ्लाइट में अपने घर लौट आता। इस प्रकार रोहित अब तक गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली समेत देश के आधा दर्जन जितने राज्यों में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। इन राज्यों की पुलिस को रोहित की तलाश है। वलसाड पुलिस की पूछताछ में पता चला कि रोहित ने एक मुस्लिम युवती के साथ शादी की थी और उसके साथ ठाठ से जिंदगी गुजार रहा था7 ड्रग्स का आदी है और इस पर हर महीने 2 लाख रुपए खर्च करता है। ऐसे महंगे शौक पूरे करने के लिए रोहित अब तक कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

## 1.91 करोड़ की लाल चंदन की लकड़ियाँ जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

कडप्पा । आंध्र प्रदेश पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार कर 1.91 करोड़ मूल्य की 158 लाल चंदन की लकड़ियाँ जब्त कीं। उन्होंने एक मिनी लॉरी, एक ट्रैक्टर और एक दोपहिया वाहन भी जब्त किया। खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने कडप्पा जिले के पोटलादुर्थी गांव के पास प्रोड्डुटुरु-येरागुंटला रोड पर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परिवहन के लिए तैयार लाल चंदन की लकड़ियाँ लदी एक छोटी लॉरी को रोका। एसपी ने कहा, पुलिस ने अब तक 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस अपराध के मास्टरमाइंड और अन्य आयोजकों की भी पहचान कर ली है। हम उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार करने वाले है। इस साल की शुरुआत में मार्च में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लाल चंदन तस्कर बादशाह माजिद मलिक और विजय सुब्बान्ना पुजारी सहित उनके सहयोगियों की 72.45 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली थी। जांच एजेंसी ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों में स्थित कंपनियों के जाली दस्तावेज जमा करके लाल चंदन की तस्करी के लिए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा बादशाह, विजय और अन्य के खिलाफ दायर एक शिकायत के आधार पर जांच शुरू की।

## इंतजार खत्म... आज नयन उत्सव में श्रीहरि देंगे भक्तों को दर्शन

आगरा । भक्तों का इंतजार खत्म होने को है। क्योंकि, 6 जुलाई शनिवार को कमला नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर (इस्कॉन) में आयोजित नयन उत्सव में श्रीहरि 15 दिन बाद भक्तों को दर्शन देने वाले है। 7 जुलाई को बल्केश्वर महालक्ष्मी मंदिर से भव्य रथयात्रा का आयोजन होगा। जिसमें विभिन्न शहरों के हजारों भक्तजन भाग लेने वाले हैं। इतना ही नहीं रशिया के भक्त भी हिस्सा लेने पहुंच रहे है। ढोलक, मृदंग, मंजीरों संग श्रीहरि के भक्त हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे, हरे कृष्णाज्कीर्तन करते हुए बल्केश्वर, कमला नगर क्षेत्र का भ्रमण किया और भक्तों को रथयात्रा के लिए निमंत्रण दिया। श्री जगन्नाथ भगवान की भक्ति में झूमते नाचते भक्तों का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलराम के विग्रह स्वरूपों के दर्शन को हर कोई उत्साहित और लालायित है। अरविन्द प्रभु ने बताया कि सभी भक्त भक्ति भाव के साथ रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों में जुटे हैं। भक्तों के घर में छप्पन भोग के लिए पकवान बन रहे हैं, कहीं श्रीहरि की पोशाक तैयार की जा रही है। 6 जुलाई को नयन उत्सव में श्री जगन्नाथ भगवान भक्तों को 15 दिन बाद दर्शन देने वाले है। 7 जुलाई को बल्केश्वर स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर से भव्य रथयात्रा का आयोजन होगा।

## आगरा के एयरफोर्स स्टेशन में तैनात अग्निवीर ने की खुदकुशी

आगरा। आगरा के एयरफोर्स स्टेशन में तैनात अग्निवीर ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अग्निवीर जवान श्रीकांत कुमार चौधरी (22) ने सरकारी इंसास से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। श्रीकांत मूलत : नारायणपुर, बलिया के निवासी थे। डेढ़ साल पहले अग्निवीर योजना के तहत संतरी पद पर भर्ती हुए थे। पुलिस ने बताया कि जवान ने माथे के बीच में खुद को गोली मारी है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उनके जीजा और रिश्तेदार शव लेकर चले गए। परिजनों ने इसबारे में कोई लिखित शिकायत नहीं की है। पचरुखिया नई बस्ती (नारायणपुर) निवासी श्रीकांत वर्ष 2022 में एयरफोर्स में अग्निवीर भर्ती के तहत संतरी के पद पर शामिल हुए थे। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग आगरा के एयरफोर्स स्टेशन पर थी। जवानों ने घरवालों को फोन कर श्रीकांत के मौत की खबर दी। इसके बाद चंडीगढ़ में नौकरी करने वाले श्रीकांत के बड़े भाई सिद्धांत बुधवार को आगरा पहुंच गये। इधर, जानकारी होने के बाद से ही गांव-घर में मातम पसरा था। पिता मनजी चौधरी भी कोलकाता से गांव पहुंच गये थे। श्रीकांत के घरवालों ने मौत के सही कारणों की जानकारी लेने का प्रयास किया, लेकिन अधिकारियों ने बताने से परहेज कर दिया। घटना की जांच के लिए बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया गया है।

**यह दूसरी खुदकुशी**- वर्ष 2019 में एयरफोर्स परिसर स्थित आवास में हिमांशु सिंह (32) का शव फंदे पर लटका मिला था। वह स्क्वाड्रन लीडर के पद पर कार्यरत थे। वह मूलत : मुरादाबाद के निवासी थे।

## अगले 24 घंटों में राज्य के 14 जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान, ऑरेंज अलर्ट जारी

अहमदाबाद । अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात के 14 जिलों में भारी से अतिभारी बारिश का मौसम विभाग का पूर्वानुमान है। जिसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम के मुताबिक दक्षिण गुजरात, मध्य गुजरात और उत्तर गुजरात में भारी बारिश की संभावना है। राज्य के बनासकांठा, साबरकांठा, अरवल्ली, महीसागर, पंचमहल, दाहोद, नर्मदा, छोटाउदेपुर, भरुच, तापी, डांग, सूरत, नवसारी और वलसाड के अलावा केन्द्र शासित प्रदेश दमण और दादरा नगर हवेली में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य के अमरेली, भावनगर, बोटाद, सुरेन्द्रनगर, मोरबी, राजकोट, पाटण, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद, खेडा, आणंद और वडोदर में हलके से मध्यम बारिस की संभावना है। राज्य में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए मछुआरों को अगले 5 दिनों तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का पूर्वानुमान है। जिसमें राजकोट, जामनगर, अमरेली, भावनगर, मोरबी, जूनागढ़ में अतिभारी बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश को देखते हुए 14 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में 7 जुलाई तक बारिश का जोर बढ़ सकता है। अहमदाबाद और मध्य गुजरात में बादल छाये रहेंगे और पूर्व गुजरात में बारिश होगी।

## छत्तीसगढ़ में जहरीली गैस से पांच की मौत, एसडीआरएफ टीम मौके पर मौजूद

जांजगीर चाम्पा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाम्पा में जहरीली गैस के रिसाव से पांच लोगों की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू के लिए टीमों को बुलाया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक यह घटना किकिरदा गांव की है। यहां एक व्यक्ति लकड़ी निकालने के लिए कुएं में उतरा था। जैसे ही कुएं में अंदर पहुंचा तो जहरीली गैस की वजह से उसे सांस लेने में दिक्कत हुई। इसके बाद उसे बचाने के लिए रमेश भी कुएं में उतर गया, लेकिन रमेश का भी दम घुटने लगा। इन दोनों के बाद रमेश के बेटे राजेंद्र और जितेंद्र अपने पिता को बचाने के लिए कुएं में उतरे, लेकिन जहरीली गैस के कारण उनका भी दम घुट गया। इसके बाद टिकेश चंद्र भी कुएं में उतरा और उसकी भी दम घटने से मौत हो गई।

# मैंने पार्टी नहीं बदली, मेरे खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप कभी साबित नहीं हुए : अजित पवार

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने लोगों से विकास के लिए उनका समर्थन करने की अपील की है और उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राजनीति में आने के बाद से वह अपनी पार्टी के साथ हैं तथा उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप कभी साबित नहीं हुए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''केवल जनता ही मेरी पार्टी है। जनता का कल्याण ही मेरी प्राथमिकता है। मैं हमेशा सोचता हूं कि जनता का भला कैसे होगा।''

लोगों से समर्थन की अपील वाला पवार का वीडियो संदेश, राज्य में लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर असंतोष की अटकलों के बीच आया है। महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राकांपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना शामिल हैं। इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में महायुति को राज्य की 48 सीट में से सिर्फ 17 सीट मिलीं, जबकि भाजपा की सीट की संख्या 23 (वर्ष 2019 में) से घटकर नौ रह गईं। शिवसेना ने नौ और राकांपा ने सिर्फ एक सीट हासिल की। इसके विपरीत, महाविकास आघाड़ी ने 30 सीट जीतीं जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राकांपा (शदरचंद्र पवार) शामिल हैं। पिछले सप्ताह राज्य विधानसभा में पेश किए गए बजट के संदर्भ में पवार ने कहा कि उनके विरोधी उन्हें अपशब्द बोल रहे हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते

कि विकास का लाभ नागरिकों तक पहुंचे।

उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप अभी तक साबित नहीं हुए हैं। उन्होंने विरोधियों पर ''ओछी राजनीति'' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आरोप कभी साबित भी नहीं होंगे। पवार ने लोगों से आग्रह किया कि वे भाषणबाजी करने वाले नेताओं कोनजरअंदाज करें और काम करने वाले नेताओं को ही वोट दें। उन्होंने कहा कि जो लोग काम करते हैं उनकी ज्यादा आलोचना की जाती है। जुलाई 2024 में, पवार ने अपने चाचा और राकांपा संस्थापक शरद पवार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था और भाजपा तथा शिवसेना के साथ गठबंधन कर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बन गए।

## तेलंगाना में बीआरएस को झटका... विधान परिषद सदस्य कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद । लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतने वाली कांग्रेस को अब तेलंगाना में भी मजबूती मिली है। तेलंगाना में विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को बड़ा झटका देकर उसके 6 विधान परिषद सदस्य मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हो गए। पिछले साल विधानसभा चुनाव में बीआरएस की हार के बाद छह विधायकों सहित कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि पार्टी में शामिल हुए बीआरएस के छह विधान परिषद सदस्य दांडे विट्ठल, भानु प्रसाद राव, एम एस प्रभाकर, बोग्गरापु दयानंद, येग्गे मल्लेशम और बसवाराजू सरैया हैं। बीआरएस पार्टी के छह विधान परिषद सदस्य मुख्यमंत्री रेड्डी के आवास पर कांग्रेस में शामिल हुए। इस दौरान तेलंगाना में पार्टी मामलों की एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी और अन्य नेता भी मौजूद थे। 40 सदस्यीय विधानपरिषद में चार मनोनीत सदस्य भी हैं, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दो, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पीआरटीयू के एक-एक और एक निर्दलीय सदस्य भी हैं, जबकि दो सीट रिक्त हैं। सीएम रेड्डी के दिल्ली की दो दिवसीय यात्रा से लौटने के तुरंत बाद ये सदस्य कांग्रेस में शामिल हुए। बीआरएस के छह नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने से तेलंगाना विधान परिषद में कांग्रेस सदस्यों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी विधायक सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

## मोबाइल फोन यूजर से 34824 करोड़ की मुनाफा वसूली

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस ने तीन बड़ी टेलीकॉम कंपनियों द्वारा, 109 करोड़ मोबाइल फोन यूजर पर 34824 करोड़ रुपए का बोझ डालने पर केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस ने ट्राई की रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कहा है, कि सेल कंपनियां हर फोन ग्राहक से 152 रुपये 55 पैसे प्रतिमाह कमाती हैं। उसके बाद भी टेलीकॉम कंपनियों ने साजिश करके सुनयोजित रूप से अपने प्लान के रेट बढ़ाए हैं।

यहां शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उल्लेखनीय है 27 जून को रिलायंस जिओ ने 12 से लेकर 27 फ़ीसदी तक रेट बढ़ा दिए हैं। वहीं 28 जून को एयरटेल ने 11 से लेकर 21 फीसदी तक तथा 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने 10 से लेकर 24 फीसदी तक प्लान के रेट बढ़ाकर उपभोक्ताओं के साथ 35000 करोड रुपए की वसूली की जा रही है। तीनों टेलीकॉम कंपनियों ने सरकार ओर ट्राई की मोन सहमति मिलने के बाद सेल उपभोक्ताओं के ऊपर 34824 करोड रुपए का बोझ डाला है। यह टेलीकॉम कंपनियों की खुले आम लूट है।

कांग्रेस ने मोदी सरकार से सवाल किया है। नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम की खरीद होने वाले असर का अध्ययन करने के लिए सरकार ने कोई कमेटी बनाकर अध्ययन किया है? मोदी सरकार ने इसके पहले भी टेलीकॉम कंपनियों को 102000 करोड रुपए के स्पेक्ट्रम भुगतान की छूट देकर टेलीकॉम कंपनियों को फायदा पहुंचाया है। कांग्रेस ने चुनाव तक टेलीकॉम कंपनियों को दरें बढ़ाने की अनुमति नहीं दी। चुनाव परिणाम आने के बाद टेलीकॉम कंपनियों ने उपभोक्ताओं के ऊपर 35000 करोड रुपए का बोझ डाला है। कांग्रेस ने कहा है, सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बाद भी भारत सरकार और ट्राई ने जिस तरह से टेलीकॉम कंपनियों की लूट पर चुप्पी साध रखी है। यह उपभोक्ताओं के साथ धोखा है।

## सत्ता विरोधी लहर, अवैध प्रवासन से लेकर पार्टी में गुटबाजी और वादाखिलाफी तक, इन वजहों से हारे सुनक

**ब्रिटेन ।** 'आखिरकार इस महान देश के कंधों से एक बोझ हट गया है। परिवर्तन अब शुरू होता है।' लंदन में शुक्रवार को सूरज उगते ही यह तीखा बयान कीर स्टार्मर ने विजय रैली में दिया। दरअसल, 4 जुलाई को हुए आम चुनाव में ब्रिटेन की सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी की बड़ी हार हुई है। बड़े विपक्षी दल लेबर ने 2005 के बाद ब्रिटिश चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज की है। लेबर पार्टी को भारी जीत दिलाने के बाद कीर स्टारमर आने वाले घंटों में देश के नए प्रधानमंत्री बन जाएंगे। निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही सुनक ने अपने इस्तीफे का भी एलान कर दिया है। आइये जानते हैं कि ब्रिटिश चुनाव में ऋषि सुनक को पार्टी क्यों हारी? कंजर्वेटिव सरकार के लिए कौन से मुद्दे भारी पड़ गए? ब्रिटेन चुनाव के नतीजे कैसे रहे?

4 जुलाई 2024 को ब्रिटेन में 650 संसदीय सीटों के लिए मतदान हुआ। ये चुनाव यूनाइटेड किंगडम के सभी हिस्सों इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में हुए। 5 जुलाई को ब्रिटेन चुनाव के नतीजे घोषित किए जा रहे हैं। इन चुनावों में कुल 392 पंजीकृत पार्टियां रहीं लेकिन मुख्य मुकाबला ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव और मुख्य विपक्षी नेता कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी के बीच हुआ।

अब तक 650 में से 648 सीटों के नतीजे घोषित हो गए हैं। पाटीवार नतीजे देखें तो विपक्षी लेबर पार्टी ने 412 सीटें जीत ली हैं। वहीं मौजूदा सत्ताधारी दल कंजर्वेटिव महज 121 सीटें जीती है। वहीं अन्य छोटे दलों की बात करें तो लिबरल डेमोक्रेट्स ने 71, स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) नौ, सिन फेन सात, डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी (डीयूपी) पांच और रिफॉर्म पार्टी ने चार सीटें जीती हैं। हालांकि, एक सीट पर पुनर्मतगणना के कारण चुनाव का अंतिम परिणाम शनिवार की सुबह तक घोषित नहीं किया जाएगा।

**सत्ता विरोधी लहर में बह गए दिग्गज कंजर्वेटिव...**ब्रिटेन में पिछले 14 साल से कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार है। हालांकि, ये वर्ष राजनीतिक दृष्टिकोण से उथल-पुथल से भरे रहे हैं और पिछले आठ वर्षों में पांच कंजर्वेटिव प्रधानमंत्रियों ने ब्रिटेन की सत्ता संभाली है। आज आए नतीजों से साफ पता चलता है कि कंजर्वेटिव के खिलाफ तीव्र सत्ता विरोधी लहर थी जिसमें बड़े-बड़े दिग्गज बह गए। इस चुनाव में सत्ताधारी कंजर्वेटिव ने काफी प्रचार किया था लेकिन नतीजों में इसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इन नतीजों ने टोरीज (कंजर्वेटिव पार्टी का चर्चित नाम) को विपक्ष में बैठा दिया है। कंजर्वेटिव के एक से बड़े एक नेता इस चुनाव में परास्त होते गए। उत्तरी इंग्लैंड और मिडलैंड्स क्षेत्र की सीटों पर लेबर और रिफॉर्म पार्टी के हाथों कंजर्वेटिव का सफाया हो गया। उधर दक्षिणी इंग्लैंड के समृद्ध क्षेत्रों में लिबरल डेमोक्रेट्स के हाथों पार्टी का सफाया हो गया, जहां पहले दशकों तक इसका कब्जा था।

कई हाई-प्रोफाइल हस्तियां और सत्ता के 14 साल के दौर के चेहरे अपनी सीटें खो बैठे। पेनी मोरडेंट, जैकब रीस-मोग, रॉबर्ट बकलैंड, एलेक्स चाक और अन्य को बड़े नेताओं को अपनी सीटों पर करारी हार मिली। निवर्तमान वित्त मंत्री जेरेमी हंट मुश्किल से ही अपनी सीट बचा सकीं। और सबसे सनसनीखेज हार आखिर तक बची रही। पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस अपनी पहले की अति-सुरक्षित सीट हार गईं। इस ब्रिटिश चुनाव से पहले, इस शताब्दी में केवल तीन कैबिनेट मंत्रियों ने अपनी सीट खोई थी और वे सभी लिबरल डेमोक्रेट के थे, जो कंजरवेटिव के साथ गठबंधन में सरकार का हिस्सा थे।

### पार्टी पर कब्जे के लिए लड़ाई बनी मुसीबत

शुक्रवार की सुबह आए नतीजों में अपनी सीट बचाने वाले कुछ कंजर्वेटिव सांसदों के बयान से लगा रहा है कि पार्टी में बहुत दिन से इस पर नियंत्रण की जंग चल रही है। अपनी सीट खोने के बाद निवर्तमान सांसद रॉबर्ट बकलैंड ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने इस चुनाव में पार्टी के भीतर बेहद आश्चर्यजनक अनुशासनहीनता देखी है।'
पार्टी का नेतृत्व हथियाने की लड़ाई पहले से ही चल रही है। इस पद के लिए हाल ही में हुए दो चुनावों में भाग लेने वाले वरिष्ठ सांसदों की महत्वाकांक्षाएं उनके भाषणों में दिखीं। यह लड़ाई अब बहुत कठिन हो सकती है। पिछली संसद के दौरान दो धड़ों ने पार्टी को विभाजित कर दिया था और अब वे इसे नियंत्रित करने की कोशिश करेंगे। पार्टी में उदारवादी माना जाने वाले धड़े ने प्रवासन के मुद्दे पर पर तीखी बयानबाजी की है।
कंजर्वेटिव की हार के बाद ब्रिटेन की पूर्व गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने भी पार्टी पर वादे ने निभाने के आरोप लगाए हैं।

## गुणवत्ता के साथ समझौता करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

### -बिहार में पुल गिरने की घटनाओं पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बोले

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में पिछले 15 दिनों में 11 पुल गिर गए। इसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव डबल इंजन की सरकार की विफलता पर हमला बोल रहे हैं तो सत्ताधारी दल भी पुराना इतिहास याद दिला रहा है।

पटना में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एक सवाल के जवाब में कहा, जो लोग ये कह रहे हैं कि एनडीए सरकार लूटने में लगी है। उनसे पूछना चाहूंगा कि ये निर्माण किसके समय में हुआ? निर्माण उसी समय हुआ है जिस वक्त राजद भी सरकार में थे। उन्होंने आगे कहा कि वह आरोप प्रत्यारोप की सियासत से ऊपर उठ कर काम कर रहे हैं और उनकी सरकार दोषियों के

खिलाफ सख्त कदम उठाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम आरोप प्रत्यारोप में नहीं जा रहे। इस बात को तय करने की जिम्मेदारी ले रहे हैं कि जिसने भी ऐसा किया है उसे बख्शा नहीं जाएगा। भ्रष्टाचार की वजह से गुणवत्ता के साथ समझौता किया है ऐसे हर एक दोषी को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार और डीईओ को निलंबित करने के सवाल पर चिरागा ने कहा कि जिस विभाग में भ्रष्टाचार हुआ है। मुख्यमंत्री कई बार इस बात को कह चुके हैं कि वह भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेंगे जिस तरह से किशनगंज की घटना सामने आई तुरंत उसके ऊपर कारवाई भी हुई है। तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में राज्य सरकार पर तीखा हमला किया। दिन में पुलों का गिरना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। जिस दिन से नीतीश कुमार सीएम बने हैं, सिर्फ 18 महीने को छोड़ दें तो पूरे समय ग्रामीण कार्य विभाग जेडीयू के पास ही है। बिहार में लगातार भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है, बिहार में लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं और सरकार चुप है।

## तमिलनाडु में वकीलों ने तीन आपराधिक कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन किया

**चेन्नई। (एजेंसी)।** तमिलनाडु में चेन्नई समेत अन्य शहरों में बड़ी संख्या में वकीलों ने एक जुलाई से देशभर में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के संस्कृतनिष्ठ हिंदी नामों के खिलाफ शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) अधिवक्ता प्रकोष्ठ ने सचिव आई एस इंबादुरई के नेतृत्व में तीन नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय के सामने प्रदर्शन किया।

पूर्व विधायक इंबादुरई ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि इन कानूनों को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए क्योंकि ये भ्रम पैदा करेंगे। द्रविड मुनेत्र

कषगम (द्रमुक) अधिवक्ता प्रकोष्ठ के सचिव एन आर एलंगो ने यहां इसी तरह के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। एलंगो ने आरोप लगाया कि ये तीनों आपराधिक कानून ''लोकतंत्र और संविधान विरोधी हैं क्योंकि इनका नाम हिंदी में है जो अनुच्छेद 348 के अनुसार नहीं किया जा सकता है।''

एलंगो ने संवाददाताओं से कहा, ''ये अपराध के आरोपी व्यक्तियों और अपराध के पीड़ितों के हितों के भी खिलाफ हैं। इसलिए, इन्हें लागू नहीं किया जा सकता। इन्हें समाप्त किया जाना चाहिए और इन पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद को इन कानूनों पर पुनर्विचार करने की कवायद शुरू करनी होगी, अन्यथा द्रमुक की कानूनी शाखा और तमिलनाडु के अधिवक्ता समुदाय शांत नहीं बैठेंगे।

## समलैंगिक विवाह के फैसले को चुनौती, याचिका पर 10 जुलाई को सुनवाई

**प्रयागराज (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट 10 जुलाई को अपने पिछले साल के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं पर विचार करने वाला है, जिसमें समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया गया था। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई 10 जुलाई की वाद सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ पिछले साल 17 अक्टूबर के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका पर चैंबर में विचार करेगी।

हालाँकि, शीर्ष अदालत ने समलैंगिक लोगों के अधिकारों के लिए एक मजबूत वकालत की थी ताकि उन्हें उन वस्तुओं और सेवाओं तक पहुँचने में भेदभाव का सामना न करना पड़े जो दूसरों के लिए उपलब्ध हैं, उन्हें आश्रय प्रदान करने के लिए सभी जिलों में सुरक्षित घर बनाए गए हैं जिन्हें %गरिमा गृह% के रूप में जाना जाता है। उत्पीड़न और हिंसा का सामना करने वाले समुदाय के सदस्यों और समर्पित हॉटलाइन नंबरों का उपयोग करें जिनका उपयोग वे परेशानी की स्थिति में कर सकें। विषमलैंगिक संबंधों में ट्रांसजेंडर लोगों को मौजूदा वैधानिक प्रावधानों के तहत शादी करने की स्वतंत्रता और अधिकार है, शीर्ष अदालत ने कहा था कि यह विवाह या नागरिक संघ के समान मिलन के अधिकार को कानूनी मान्यता देने या रिश्ते को कानूनी दर्जा प्रदान करने का अधिकार है। ऐसा केवल ÷अधिनियमित कानून÷ के माध्यम से ही किया जा सकता है। सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह के लिए कानूनी मंजूरी की मांग करने वाली 21 याचिकाओं के एक बैच पर चार अलग-अलग फैसले सुनाए थे।

# शिक्षकों के तबादले पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश

## शिक्षा मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को दिए तबादला प्रक्रिया की जांच कराने के आदेश

एनसीआर समाचार

**नई दिल्ली।** दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रातों रात तबादले करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने दिल्ली के मुख्य सचिव को दिल्ली सरकार के एक स्कूल में दस साल से ज्यादा समय से पढ़ा रहे शिक्षकों के अनिवार्य तबादले के आदेश पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही पूरी तबादला प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की जांच करने और किसी अफसर के शिक्षकों से रिश्वत लेने में शामिल होने पर उस पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा है। मालूम हो कि एक जुलाई को शिक्षा मंत्री द्वारा आदेश निरस्त करने के बावजूद शिक्षा निदेशालय द्वारा दो जुलाई देर रात को पांच हजार शिक्षकों का अनिवार्य तबादला ऑर्डर जारी कर दिया था। इस मामले को लेकर शिक्षा मंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 11 जून को दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में काम करने वाले वो शिक्षक जो एक ही स्कूल में 10 साल से ज्यादा समय से काम कर रहे हैं, उनका अनिवार्य तबादला होगा। शिक्षा मंत्री ने इस आदेश को गलत और शिक्षा विरोधी कहा। उन्होंने कहा कि मैंने इस आदेश को खारिज करने के लिए एक जुलाई को दिल्ली के शिक्षा सचिव और शिक्षा विभाग के निदेशक को निर्देश दिए थे। इसके बावजूद रातों रात शिक्षकों के तबादले के आदेश जारी कर दिए गए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षकों के लिए बार-बार तबादले की प्रक्रिया बड़े स्तर पर नहीं होनी चाहिए। शिक्षकों को एक स्कूल में ही होना चाहिए और जब तक बहुत विशेष परिस्थितियां न हो तब तक शिक्षकों को एक ही स्कूल में पढ़ाना चाहिए। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि मेरे आदेश के बावजूद दो जुलाई को देर रात 5000 शिक्षकों के तबादले का ऑर्डर निकाल दिया जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि शिक्षा मंत्री के आदेश के बावजूद शिक्षा प्रणाली पर इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के बावजूद दिल्ली सरकार के अधिकारी ऐसा ऑर्डर क्यों निकाल रहे हैं।

### भ्रष्टाचार की खबरों पर अपनाया सख्त रुख

उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि इस तबादले की प्रक्रिया में बहुत बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है तबादले के लिए कई अफसरों ने रिश्वत ली है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षकों का सम्मान करती है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार बच्चों की शिक्षा के साथ कोई भी समझौता नहीं करेगी। हमारी सरकार शिक्षकों का सम्मान करती है और हम हमेशा शिक्षकों के साथ खड़े हैं।

# दिल्ली नगर निगम के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार के चलते हर नागरिक परेशान : राजा इकबाल

एनसीआर समाचार

**नई दिल्ली।** दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने अभी हाल ही में हुई बारिश के चलते दिल्ली में बने बाढ़ जैसे हालातों के चलते दिल्ली नगर निगम की आम आदमी पार्टी की सरकार के ऊपर कड़ा हमला किया। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि अपने गैर जिम्मेदाराना रविये के चलते दिल्ली नगर निगम ने नालों की सफाई का कार्य समय से पूरा नही किया जिसके चलते एक ही बारिश में दिल्ली में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि नालों की सफाई का कार्य 15 जून से पहले पूरा हो जाना चाहिए लेकिन आम आदमी पार्टी का सारा ध्यान बेवजह के मुद्दों पर लगा हुआ है जिसके चलते मानसून के आरंभ से पहले यह जरूरी कार्य करने में यह लोग असफल रहे।

सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम की आप सरकार की नाकामी की वजह से दिल्ली के लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि बारापूला स्थित बड़े नाले की ढंग से सफाई न होने के कारण जोरबाग एवं आसपास के इलाकों में कई कई फीट पानी भर गया जिसके चलते नागरिकों को काफी नुकसान पहुंचा। इन इलाकों में स्थित बेसमेंटों में कई कई फीट पानी भर गया जिससे वहां से संचालित होने वाले प्रतिष्ठानों में रखा रिकॉर्ड और जरूरी दस्तावेज पूरी तरह से तबाह हो गए। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि मैं दिल्ली कि महापौर से पूछना चाहता हूं कि निगम की आम आदमी पार्टी की नाकामी की सजा दिल्ली की भोली भाली जनता क्यों भुगते। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि हम निगम की आप सरकार से कहना चाहते हैं कि दिल्ली के नागरिकों के नुकसान की भरपाई कौन करेगा।

सरदार राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली की महापौर द्वारा किए जा रहे दौरों पर चुटकी लेते हुए कहा कि आपका फील्ड में उतरकर नालों की सफाई के कार्य के निरीक्षण का समय था तब तो आप ओछी राजनीति करते रहे अब जब दिल्ली में हुए जलजमाव के कारण निगम की पूरे देश में फजीहत हो रही है तो आप दौरों का खेल खेल रही हो। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि कुआं आग लगने से पहले खोदा जाता है न कि आग लगने के बाद। सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार को अपनी नाकामयाबी के लिए दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

# जनता से जुड़े मुद्दों पर जवाब देने से बच रही हैं आतिशी : भाजपा

एनसीआर समाचार

**नई दिल्ली।** दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की लम्बे समय से दिल्ली सरकार की उपेक्षा एवं लोक निर्माण विभाग की अकर्मण्यता के चलते दिल्ली की सड़कों की बदहाली तो देखते ही बनती है पर जबसे बरसात शुरू हुई है तब से अनधिकृत कॉलोनियों की सड़कों की दुर्दशा के चलते वहाँ के नागरिकों का जीवन नारकीय हो गया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली भाजपा के मीडिया विभाग ने सोशल मीडिया के एक्स पर दिल्ली की सबसे बड़ी अनधिकृत कॉलोनी संगम विहार की सड़कों की दुर्दशा के चित्र एवं विडिओ पोस्ट कर लोक निर्माण मंत्री सुश्री आतिशी का ध्यान आकृष्ट कर मांग है की दिल्ली सरकार जवाब दे की अभी लोकसभा चुनाव के दौरान बनाई सड़क मात्र एक से दो बारिशों में कैसे ना सिर्फ दर्जनों जगह धंस गई पर साथ ही सड़कों के ऊपर का तारकोल बह भी गया। दर्जनों वाहन गड्ढों में फंस गये। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की संगम विहार में चुनाव को ध्यान में रख केजरीवाल सरकार ने सड़कें डलवाने की जल्दबाजी की पर पानी निकासी के लिए ना नालियाँ बनाई और नही जो सीवर डालने की बात की गई उसके कनेक्शन करने पर ध्यान दिया। श्री सचदेवा ने कहा है की खेदपूर्ण है की बुधवार शाम से सोशल मीडिया एवं मीडिया में संगम विहार की दुर्दशा की चर्चा है पर दिल्ली की लोक निर्माण मंत्री सुश्री आतिशी एवं स्थानीय विधायक प्रकाश जरवाल ने इस ओर बिल्कुल ध्यान नही दिया है। यह कहना अतिशयोक्ति नही होगा की बुधवार से भाजपा के पार्षद श्री चंदन चौधरी एवं श्रीमति अनिता सड़कों के गड्डे भरवाने से लेकर साफ सफाई करवाने के लिए काम कर रहे हैं पर संगम विहार आज केजरीवाल सरकार की उपेक्षा के चलते नारकीय स्थिती पर है।

# 10 लाख रुपए की हुई लूट में तीन आरोपी गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

**नई दिल्ली।** उत्तरी जिले के स्पेशल स्टाफ और थाना बाड़ा हिंदू राव की संयुक्त टीम द्वारा गिरोह के सरगना और दो शातिर लुटेरों की गिरफ्तारी के साथ 10 लाख रुपये की हुई लूट को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मोनू, हिमांशु उर्फ सोनू और तरुण सहगल उर्फ तन्नी है। पुलिस ने इनके पास से लूटी गई रकम में से 7,71,500 रुपये की नकदी, एक पिस्तौल और 03 कारतूस और एक बाइक बरामद की है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

उत्तरी जिला डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि थाना बाड़ा हिंदू राव थानाध्यक्ष बिशंबर दयाल व अन्य की टीम ने आरोपियों द्वारा अपनाए गए रास्ते की सीसीटीवी फुटेज से, अपराध में इस्तेमाल की गई गाड़ी के नंबर की पहचान की गई जोकि शकरपुर थाने के इलाके से चुराई गई थी और उसी दिन अपराध में इस्तेमाल की गई थी। टीम ने एक संदिग्ध की पहचान मनु के रूप में की। पूरे गिरोह के सदस्यों में एक तरुण सहगल भी शामिल था, जो पहले थाना सिविल लाइंस के 1.25 करोड़ रुपये की नकदी लूट में शामिल था और दूसरे की पहचान हिमांशु के रूप में हुई।

गुप्त सूचना के आधार पर अपराध शाखा द्वारा मोनू नामक एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी मोनू की पुलिस हिरासत के दौरान, उत्तरी जिले की टीमों ने शेष आरोपी तरुण सहगल और हिमांशु को भी गिरफ्तार कर लिया।

जांच में खुलास हुआ कि आरोपियों ने 20 जून को डीसीएम रोड पर बंदूक की नोक पर नकदी से भरा बैग छीना था। शिकायतकर्ता प्रवीण, निवासी सी-ब्लॉक, नांगलोई, दिल्ली ने बताया कि वह अपने नियोक्ता मनोज और पंकज के लिए कैश कलेक्शन एजेंट के रूप में काम करते हैं, जो पश्चिम विहार, दिल्ली के निवासी हैं शाम को जब वह डीसीएम मॉल गेट, डीसीएम रोड, बाड़ा हिंदू राव के पास पहुंचा, इसी बीच बाइक पर सवार दो अज्ञात व्यक्ति आए और अचानक बंदूक की नोंक पर उसका बैग छीन लिया था।

# यूपी कबड्डी लीग से पहले अभ्यास में जुटी टीमें, लगाए विशेष शिविर

**नोएडा, एजेंसी।** नोएडा इंडोर स्टेडियम में 11 जुलाई से 25 जुलाई तक होने वाले उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) मुकाबलों के लिए सभी टीमें अभ्यास में जुटी हुई हैं। वहीं लीग की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। सीजन एक में हिस्सा ले रहीं सभी 8 टीमों के ओनर्स ने खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए अलग-अलग शहरों में विशेष कैंप लगाए हैं। लीग के संस्थापक सम्भव जैन ने बताया कि उद्घाटन के अवसर पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव समेत कई नामी गिरामी हस्तियों के जुटने की संभावना है। इसके साथ ही विभिन्न स्पोर्ट्स एसोसिएशंस से जुड़े खिलाड़ी और पदाधिकारी भी इस ऐतिहासिक अवसर के गवाह बनेंगे। द ग्रेट खली भी यूपीकेएल को सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी टीमें नौ जुलाई को नोएडा पहुंच जाएंगी। हर टीम में 15-15 खिलाड़ी हैं। सभी खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी काफी ध्यान दिया गया है। लीग मुकाबलों से पहले खिलाड़ियों को स्टेडियम में भी अभ्यास का मौका मिलेगा। 11 जुलाई को पहला मैच यमुना योद्धा और लखनऊ के बीच शाम 5 बजे से शुरू होगा। लीग में अर्जुन देशवाल, विनय तेवतिया और साहुल कुमार जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मैचों के लिए कोई टिकट नहीं रखा गया है। यूपीकेएल सीजन एक सभी मैच फ्री में देखे जा सकेंगे, जिसके लिए पास के माध्यम से स्टेडियम में एंट्री मिलेगी।

# फरीदाबाद: छत के रास्ते कारोबारी के घर में घुसे चोर, 6 किलो सोना किया चोरी

**फरीदाबाद, एजेंसी।** बल्लभगढ़ की सुभाष कॉलोनी में एक कारोबारी के घर के अंदर सो रहे परिवार के कमरों को बंद कर-के चोर लाखों रुपये की नकदी, सोना व चांदी चोरी करके ले गए। आरोपित छत के रास्ते घर के अंदर घुसे थे। यह पूरी घटना घर के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। थाना आदर्श नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुभाष कॉलोनी निवासी विक्रम सिंह ने गुरुवार को बताया कि उनका बड़ी गाडि?ों के क्लच बनाने का कारोबार है। हर रोज की तरह उनका छोटा भाई बीती रात अपने परिवार के साथ अपने कमरे में सो रहा था। वहीं वह अपने परिवार के साथ दूसरे कमरे में सो रहे थे। इसके अलावा तीसरे कमरे में अलमारी रखी हुई थी। उस कमरे का रात के समय ताला लगाकर सोते है। गुरुवार को सभी परिवार के लोग अपने अपने कमरे में सो रहे थे। तभी डेढ़ बजे छत के रास्ते से एक अज्ञात व्यक्ति कमरे में घुसा और दोनों भाईयों के कमरे को बाहर से बंद कर दिया। बंद करने के बाद आरोपित ने बड़ी ही चालाकी से अलमारी वाले कमरे के बाहर लगे ताले को तोड़ा और अलमारी के अंदर रखे करीब दो लाख रुपये नकद व छह किलोग्राम सोना और 400 ग्राम चांदी के जेवर चोरी करके ले गए। इस दौरान एक आरोपित मुख्य गेट के बाहर था।

कमरा बंद होने पर फोन से परिवार के अन्य सदस्यों से बात की। विक्रम ने बताया कि कुछ दिन पहले कमरे में विंडो एसी लगवाने के लिए खिडकी को हटाकर जगह बनाई थी। रात को कमरा बंद होने के कारण उसी खिडकी के रास्ते कमरे से बाहर निकले और दूसरे कमरों को बाहर से खोला। तभी उनको चोरी की घटना के बारे में पता चला। थाना आदर्श नगर प्रभारी कृष्ण कुमार का कहना है कि चोरी बड़ी बता रहे हैं, लेकिन अभी तक हमें माल चोरी होने की सूची नहीं दी है।

# पलवल में मौसम हुआ सुहावना, मानसून की पहली बरसात से गर्मी में मिली राहत

**पलवल, एजेंसी।** लंबे इंतजार के बाद आखिर मानसून ने दस्तक दे दी है। भीषण गर्मी का दंश झेल रहे लोगों को मानसून की पहली झमाझम बारिश से बड़ी राहत मिली। इससे मौसम सुहावना हो गया। बारिश से किसानों के चेहरे भी खिल गए हैं। बारिश से शहर के नाले-नालियां व सड़कें जलमग्न हो गई। निचली बस्तियों व चौराहों पर पानी भर गया। अब धान रोपाई का कार्य तेज होगा। बीते कई दिन से भीषण गर्मी पड़ रही थी। गर्मी से लोग परेशान थे और बारिश का इंतजार कर रहे थे। बिना बारिश के फसलें सूख रही थीं।

बढ़ती गर्मी के बीच आखिर गुरुवार को पलवलवासियों ने राहत की सांस मिली है। सुबह तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई। मौसम के सुहावने होने से लोगों के चेहरे खिल गए हैं। साथ ही किसानों की बात की जाए तो किसानों ने भी राहत की सांस ली है, क्योंकि बारिश से उनकी फसल में नमी आएगी और पैदावार अच्छी होगी। इस वर्ष की पहली बारिश बुधवार शाम को हुई थी। हालांकि यह कुछ देर की रही, लेकिन इससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। हल्की बारिश के बाद मौसम ठंडा तो हो गया, लेकिन उमस के कारण लोग घरों में बिना एसी के नहीं बैठ पाए।

# वीआईपी नंबरों की बोली में फेक बिडरों की सेंधमारी

**नोएडा, एजेंसी।** यूपी 16 ईके सीरीज के वीआईपी नंबरों की बोली में फेक बिडरों ने सेंध लगानी शुरू कर दी है। इस सीरीज के 0001 नंबर के लिए 10 वाहन स्वामियों ने दावेदारी करते हुए 11 लाख रुपये की बोली लगाई है। लेकिन अब तक यह नंबर किसी को आवंटित नहीं किया गया है। बोली ज्यादा होने के कारण जो असली बोलीदाता हैं वह इससे ज्यादा की बोली लगाने से कतरा रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। बल्कि हर बार बोली प्रक्रिया में ऐसा आमतौर पर देखने को मिलता है। यहीं नहीं 0003, 0004 नंबर के लिए भी 10-10 वाहन स्वामियों ने छह से सात लाख रुपये तक की बोली लगाई है।

परिवहन विभाग हर माह 348 नंबरों को वीआईपी श्रेणी में रखकर बोली प्रक्रिया संचालित करता है। नियमानुसार नीलामी के लिए प्रत्येक नंबर पर कम से कम तीन-तीन लोगों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। यदि किसी नंबर पर तीन से कम बोलीदाता हैं तो वह नंबर नीलाम नहीं किया जा सकता है। इस बार 25 नंबरों की नीलामी में लोगों ने भाग लिया है।

**ऐसा चल रहा है खेल**

नीलामी प्रक्रिया ऑनलाइन है। एक ही ग्रुप, परिवार या कंपनी के कई लोग एक ही नंबर पर बोली लगाते हैं। इनमें एक व्यक्ति की बोली अधिक और दूसरों की उससे काफी कम होती है। अंतिम समय में सबसे अधिक बोली लगाने वाला राशि जमा नहीं करता तो दूसरे स्थान वाले को मौका दिया जाता है। यदि वह भी तय समय में राशि जमा नहीं करता तो तीसरे स्थान वाले व्यक्ति को नंबर आवंटित किया जाता है। उप संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ सियाराम वर्मा ने बताया कि कुछ लचीले नियमों का लोग लाभ उठा रहे हैं। इस संबंध में शासन से बात कर सख्ती कराई जाएगी। नीलामी प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है। किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

## एक नजर

### मानसरोवर पार्क में चलाया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान : जितेन्द्र महाजन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अन्तर्गत रामनगर वार्ड के मानसरोवर पार्क क्षेत्र के डीडीए फ्लैट्स में सैकड़ों पेड़ लगाए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर अमित शर्मा थे, इस अवसर पर अमित शर्मा ने सभी आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों तथा स्थानीय जनता से आवाहन किया की ऐसे कार्यक्रम जगह जगह होने चाहिए, जिससे पूरे क्षेत्र में पेड़ों की संख्या बढ़ सके। विधायक जितेंद्र महाजन ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री ने वृक्षारोपण को मां के साथ जोड़ कर एक भावनात्मक पहल की है हम सभी को मां को याद करके पेड़ लगाना चाहिए तथा इन पेड़ों की देखभाल भी करनी चाहिए, इस कार्यक्रम के आयोजक एवं रामनगर क्षेत्र के निगम पार्षद चन्द्र प्रकाश ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम पूरे वार्ड में सभी आरडब्ल्यूए, धार्मिक सामाजिक संगठनों के सहयोग से गली गली में किया जाएगा जिससे पर्यावरण को ठीक रखने में मदद मिलेगी, इस अवसर पर वार्ड में अच्छा कार्य कर रहे उद्यान विभाग के कर्मचारियों को अमित शर्मा एवं विधायक जितेंद्र महाजन द्वारा सम्मानित किया गया।

### महिला मेकअप आर्टिस्ट को चाकू मारकर लूटा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत नगर इलाके में गुरुवार रात को बदमाशों ने महिला को चाकू मारकर फोन एवं नगदी लूट ली। फिलहाल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया है। अभी तक बदमाशों का सुराग नहीं लगा है। इसी इलाके में सोमवार को एएसआई को चाकू मारकर लूट हुई थी। जानकारी के अनुसार मेकअप आर्टिस्ट राधा (30) परिवार सहित गुलाबी बाग इलाके में रहती है। वह गुरुवार रात को स्कूटी से अशोक विहार जा रही थी। जब वह स्वामी नारायण मार्ग पर पहुंची तब किसी का फोन आया। वह स्कूटी किनारे में खड़ी कर बात करने लगी। तभी दो-तीन युवक आए और उसका पर्स एवं फोन छीनने लगे। तब युवती ने विरोध किया तो दो- तीन बार चाकू से वार किया। फिर फोन एवं पर्स छीनकर फरार हो गये। पीड़िता ने राहगीर के फोन से परिजनों को कॉल कर घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को कॉल कर पीड़िता को दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया।

### पूर्वांचल विचार मंच ने अवधेश प्रसाद को बधाई दी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्वांचल विचार मंच और नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या, फैजाबाद से निर्वाचित लोक सभा के सांसद, श्री अवधेश प्रसाद से मुलाकात की। समाजवादी पार्टी के सांसद, श्री अवधेश प्रसाद को अयोध्या से जीत की जोरदार शुभकामनाएं दी गई। पूर्वांचल विचार मंच के अध्यक्ष, डॉ राकेश रमण झा ने अप्रैल माह में अपने अयोध्या दौरे का हवाला सांसद को दिया जिसमें श्री राम मंदिर के प्रवेश द्वार पर उनके स्वयं के व्हीलचेयर को सुरक्षा कर्मियों द्वारा मन्दिर में प्रवेश से मना करने की जानकारी दी। सुरक्षा कर्मियों ने प्रवेश द्वार पर मन्दिर प्रबंधन द्वारा रखे गए व्हीलचेयर पर शिफ्ट करने के लिए कहा। लेकिन डॉ झा ने इसमें अपनी असमर्थता व्यक्त की। फलस्वरूप डॉ झा को प्रभु श्री राम के दर्शन के बिना ही मन्दिर से वापस लौटना पड़ा। सांसद अवधेश प्रसाद ने पूरा माजरा लिखित में देने के लिए कहा ताकि वे प्रशासन के समक्ष इस मुद्दे को रख सकें। इससे आगे से किसी दिव्यांग व्यक्ति को प्रभु श्री राम के दर्शन में कोई समस्या नहीं आए उसका सांसद महोदय ने पूरा आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में अरुण शर्मा, विजय वर्मा, साजिद चौधरी, विनय तिवारी, अमित यादव, सुनहरी लाल यादव आदि थे।

### राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज हो : गोयल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राहुल गांधी द्वारा गत दिनों पूरे देश के हिन्दू समाज को हिंसक कहना करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं से खिलवाड़ है। भारत के लोकतंत्र के मंदिर संसद में हिन्दुओं के प्रति घृणा फेलाना व हिंसक कहना वह भी तब जब मा. राष्ट्रपति महोदया के संबोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव रखा जा रहा हो। पूरे देश और दुनिया का ध्यान भारत के सभी टीवी चैनलों व समाचार पत्रों पर था और सभी ने राहुल गांधी की उपरोक्त टिप्पणी पर गहरा रोष व्यक्त किया है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की सर्व धर्म समभाव की भावना पर गहरी चौट पहुंची है। करोड़ों हिन्दुओं की भावनाएं आहत हुई हैं इस विषय पर यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री जय भगवान गोयल ने एक शिकायत पत्र के माध्यम से दिल्ली पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त, जिला शाहदरा व थाना प्रभारी शाहदरा को राहुल गांधी के खिलाफ हिन्दू धर्म और हिन्दू आस्थाओं को अपमानित करने के लिए धारा 299/302 भारतीय न्याय संहिता के तहत मुकदमा दर्ज कर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

### आईपी यूनिवर्सिटी में 8 जुलाई तक एमसीए की काउन्सलिंग में आवेदन का अवसर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपी यूनिवर्सिटी में एमसीए की चल रही ऑनलाइन काउन्सलिंग में 8 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। जिन आवेदकों ने आवेदन शुल्क 1, 500 रुपए जमा करा रखे हैं वे 8 जुलाई तक 1, 000 रुपए काउन्सलिंग भागीदारी शुल्क जमा करा सकते हैं। जिन आवेदकों ने आवेदन शुल्क के 1, 500 रुपए अभी तक जमा नहीं कराए हैं वे इसे भी काउन्सलिंग भागीदारी शुल्क के साथ 8 जुलाई तक जमा करा सकते हैं। आरक्षित श्रेणी के आवेदक 9 जुलाई तक अपने दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन करा सकते हैं। एमसीए/एमसीए(एसई) में काउन्सलिंग निमसेट 2024 के स्कोर के आधार पर होगी।

### भगोड़ा बदमाश काबू

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शाहदरा थाना पुलिस टीम ने फरार भगोड़े को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी अश्वनी चौहान उर्फ आशू है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शाहदरा जिला डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि आशू को पिछले महीने कडकडडूमा कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया था। इसके खिलाफ साल 2021 में आनंद विहार थाने में मारपीट का मामला दर्ज किया गया था। उसे गिरफ्तार करने के बाद बीएनएसएस के तहत भी मामला दर्ज कर लिया गया है। बुधवार को उसके इलाके में होने की सूचना मिली तो पुलिस की एक टीम ने सूचना के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और छापा मारकर आरोपी को दबोच लिया।

### हाथरस मामले में बाबा के खिलाफ होनी चाहिए कड़ी कार्यवाही : वीर सिंह धिगान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** हाथरस उत्तर प्रदेश के सिकंदराराऊ के गांव पुलरई में सत्संग के दौरान हुई मौतों के लिए ज़िम्मेदार सत्संग के आयोजकों व बाबा नारायण साकार विश्व हरि एवं(भोले बाबा) के खिलाफ हत्याओं व अन्य विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग करते हुए, दिल्ली के पूर्व विधायक एवं अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सिंह धिंगान ने देश के होम मिनिस्टर अमित शाह को पत्र लिखकर बाबा साकार के खिलाफ गंभीरता पूर्वक संज्ञान लेकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। धिंगान ने अपना बयान जारी कर कहा है देश में आस्था के नाम पर लोगों में भ्रम फैलाने वाले बाबाओं का जाल बिछा हुआ है।

# जनता दर्शनः सीएम योगी की चेतावनी, किसी भी दशा में बख्शे न जाएं जमीन कब्जाने वाले- हीलाहवाली की तो कार्रवाई तय

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जा करने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे।

बारिश के कारण मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक कर-के, इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 400 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। सीएम से मिलकर समस्या बताने वालों में महिलाओं की संख्या पुरुषों की अपेक्षा काफी अधिक रही। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने भूमाफिया और दबंगों द्वारा जमीन कब्जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमाफिया को करारा सबक सिखाया जाएगा।

उनके रहते कोई भी किसी कमजोर या गरीब को उजाड़ नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जबरन जमीन कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई करें। सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

सीएम ने अफसरों से कहा कि वे हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाएं ताकि इलाज के लिए उन्हें परेशान न होना पड़े।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारी पूरी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। इस दौरान पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। कड़े तेवर में उन्होंने कहा कि संवेदनहीन और लापरवाह अधिकारियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# मुख्य आरोपी मधुकर और एक अन्य को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

**हाथरस।** हाथरस हादसे में इनामी मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य गिरफ्तार आरोपी संजू यादव को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। तीसरे गिरफ्तार आरोपी को बाद में पेश किया जाएगा।

हाथरस हादसे में गिरफ्तार मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य आरोपी संजू यादव का जिला अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जय हिंद कुमार सिंह के न्यायालय में देव प्रकाश मधुकर व संजू यादव को पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। तीसरे गिरफ्तार आरोपी राम प्रकाश शाक्य को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका, उसे कल 7 जुलाई को पेश किया जाएगा। 5 जुलाई की देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार करने के बाद हाथरस हादसे के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर से पुलिस ने पूछताछ की। आज उसे पुलिस मेडिकल परीक्षण के लिए बागला जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंची। मधुकर के मेडिकल परीक्षण के दौरान जिला अस्पताल में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

इससे पहले 2:00 बजे पुलिस मधुकर को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची थी, लेकिन मीडिया का भारी जमावड़ा होने के चलते कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद पुलिस उसे अपने साथ ले गई। दोबारा 15 मिनट बाद पुलिस मुख्य आरोपी मधुकर को मेडिकल परीक्षण के लिए बागला जिला अस्पताल लेकर पहुंची। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद देव प्रकाश मधुकर को कोर्ट भेज दिया गया।

# शासन से महायोजना-2031 को मिली मंजूरी, शहर के विकास को मिलेगी रफ्तार

**पीलीभीत।** पीलीभीत की महायोजना 2031 को शासन से मंजूरी मिल गई है। अधिकारियों का दावा है कि शासन से मानचित्र आने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। महायोजना में 2622 हेक्टेयर भूमि विनियमित क्षेत्र के लिए आरक्षित की गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि महायोजना लागू होने के बाद शहर के विकास को गति मिलेगी।

महायोजना 2031 के संबंध में वर्ष 2022 में कवायद शुरू की गई थी। महायोजना में शहर समेत आसपास के 40 गांवों का जीआईएस आधारित सर्वे किया गया था। सर्वे के बाद सुझाव और आपत्तियां मांगी गईं। आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद भौतिक सत्यापन हुआ। अधिकारियों ने बैठक करने के बाद महायोजना-2031 को गत वर्ष अक्टूबर में शासन को भेजा गया था।

हालांकि, बाद में इस पर आपत्तियां लगती रहीं, मगर प्रशासनिक स्तर पर इन आपत्तियों का निस्तारण कर लिया गया। पिछले दिनों शासन स्तर पर प्रस्तुतीकरण किया गया था। अब अपर मुख्य सचिव नितिन रमेश गोकरण ने पीलीभीत महायोजना-2031 को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों के मुताबिक शासन से मानचित्र आने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा।

**महायोजना के लागू होने से ऐसे होगा विकास...**पीलीभीत। महायोजना 2.74 लाख आबादी को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इससे पहले यह वर्ष 2011 में 1557 हेक्टेयर भूमि विनियमित क्षेत्र के लिए आरक्षित की गई थी। बाद में इसका दायरा बढाते हुए वर्ष 2031 के लिए 2622 हेक्टेयर किया गया है। इसमें 49.5 प्रतिशत क्षेत्रफल आवासीय, व्यावसायिक के लिए 3.4 प्रतिशत, ग्रीन बेल्ट के लिए 15.6 प्रतिशत एवं यातायात परिवहन के 13.8 प्रतिशत क्षेत्रफल आरक्षित किया गया है।

**ये होंगे काम...**महायोजना 2031 लागू होने के बाद टनकपुर हाईवे से असम हाईवे को जोड़ने वाले टनकपुर बाईपास इलाके का समुचित विकास किया जाएगा। यहां नया बस स्टैंड, ट्रांसपोर्ट नगर आदि प्रस्तावित है। नई महायोजना में हाईवे के दोनों ओर 30 मीटर चौड़े ग्रीन बेल्ट के बाद 300 मीटर हाई फैसिलिटी जोन भी बनाए जाएंगे।

# रामजन्मभूमि परिसर में स्थापित होंगी 25 मूर्तियां तुलसीदास व भगवान कूर्मनारायण मंदिर भी निर्माण

**अयोध्या।** रामजन्मभूमि परिसर में 25 मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। यह निर्णय राममंदिर निर्माण समिति की बैठक में हुआ है। परिसर में गोस्वामी तुलसीदास व भगवान कूर्मनारायण के भी मंदिर बनाए जाने पर सहमति बनी है। इसके अलावा परकोटा में छह मंदिर, राम दरबार व सप्तमंडपम में सात मंदिरों की स्थापना की जाएगी। इन सभी पर काम शुरू भी हो चुका है।

इस बार बैठक की अध्यक्षता श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने की। हर बार बैठक निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में होती थी। इस बार स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से नृपेंद्र मिश्र बैठक में शामिल होने के लिए अयोध्या नहीं आ सके हैं। उनके प्रतिनिधि के रूप में सीबीआरआई के पूर्व निदेशक एके मित्तल बैठक में शामिल हुए। बैठक से पहले निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि दिसंबर तक राममंदिर निर्माण पूरा करने, परकोटा निर्माण, राम दरबार की स्थापना पर मंथन किया गया। तय हुआ है कि रामजन्मभूमि परिसर में कुल 25 मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। राममंदिर के भूतल में रामलला की दिव्य मूर्ति स्थापित हो चुकी है, इसके अलावा 25 और मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। परकोटे में छह मूर्तियां, सप्तमंडपम में सात मूर्तियां स्थापित होंगी। इसके अलावा शेषावतार मंदिर में एक मूर्ति स्थापित होगी। राम दरबार में राम सहित चारों भाई, माता सीता व हनुमान की मूर्ति स्थापित की जाएगी। चंपत राय ने बताया कि रामदरबार की सभी मूर्तियां एक ही पत्थर में गढ़ी जाएंगी। इसके अलावा गोस्वामी तुलसीदास व कूर्म नारायण भगवान का भी मंदिर बनाए जाने पर सहमति बनी है। बैठक में राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्र, राममंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा समेत कार्यदायी संस्था के इंजीनियर मौजूद रहे।

**मंदिर में लगेंगे और 1.30 लाख क्यूबिक फीट पत्थर...**चंपत राय ने बताया कि मंदिर निर्माण में अभी 1.30 लाख क्यूबिक फीट पत्थर और लगेंगे। अब तक तीन लाख क्यूबिक फीट पत्थर राममंदिर निर्माण में लग चुके हैं। लगातार हो रही बारिश के चलते राममंदिर निर्माण कार्य की गति बाधित हुई है। ऐसे में दिसंबर तक राममंदिर का निर्माण कार्य पूरा करना चुनौती होगी। इसके लिए जल्द मजदूरों की संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा हुई है।

# सौर ऊर्जा से पीने लायक बनेगा खारा पानी उपकरण बनाने में छात्रों को लगे छह माह

**आगरा** उत्तर प्रदेश के आगरा में खारे पानी को पीने योग्य बनाने के लिए छात्रों ने सौर ऊर्जा से चलने वाला एक उन्नत उपकरण (वाटर डिस्टिलेशन) बनाया है। इसमें पारंपरिक सिस्टम की क्षमता और उत्पादकता दोनों बढ़ जाती है। यह काम राजा बलवंत सिंह इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस बिचपुरी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के चार छात्रों ने किया है। प्रोजेक्ट गाइड इंजी. अरुण सिंह, इंजी. दीपेश शर्मा ने बताया कि हेमिस्फेरिकल सौर ऊर्जा चालित वाटर डिस्टिलेशन उपकरण (स्टिल) को बनाने में छात्रों को 6 माह का समय लगा। कुल लागत 14,500 रुपये आई है। संस्थान के निदेशक प्रो. बीएस कुशवाह ने बताया कि यह नवाचार भविष्य में पेयजल संकट का एक उचित समाधान हो सकता है। इसमें सोलर ऊर्जा से समुद्री जल को डिस्टिल्ड वाटर में बदला जाता है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के यशस्वी कुमार सिंह, हर्षिता अग्रवाल, समीक्षा और यश तेत्रिया ने इस पारंपरिक स्टिल में बदलाव किया। फेस चेंज मैटेरियल (पीसीएम) के साथ-साथ पैराबोलिक रिफ्लेक्टर का प्रयोग किया है, जिसमें कॉपर ट्यूब से सिंथेटिक ऑयल प्रवाह किया जाता है। यह पैराबोलिक रिफ्लेक्टर से प्राप्त ऊष्मा को स्टिल के बेसिन तक ले जाता है। इससे सिस्टम की दक्षता बढ़ जाती है। छात्रों ने कहा कि इस स्टिल का साइज यदि बड़ा बनाया जाए तो उत्पादकता और भी बढ़ जाएगी।

# राष्ट्रपति से मिला सम्मानः नक्सलियों से लोहा लेते हुए शहीद हुए थे जवान आलोक राव, मरणोपरांत मिला शौर्य चक्र

**चंदौली** चंदौली के शहाबगंज के रसिया गांव निवासी शहीद आलोक राव को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उनके माता-पिता विजय कुमार और माया देवी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह सम्मान दिया। आलोक राव मात्र 22 वर्ष की उम्र में अदम्य साहस के साथ 2023 में मणिपुर में नक्सलियों से लोहा लेते हुए शहीद हुए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में रक्षा अलंकरण समारोह (चरण-1) में सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य एवं संघ शासित प्रदेश पुलिस के कर्मियों को 10 कीर्ति चक्र (सात मरणोपरांत) और 26 शौर्य चक्र (सात मरणोपरांत) प्रदान किए। देश की रक्षा में अदम्य साहस, बलिदान और समर्पण दिखाने वाले जवानों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में यह सम्मान प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे।

26 शौर्य चक्र में से सात जवानों को मरणोपरांत दिया गया, जिसमें चंदौली के शहीद जवान आलोक राव का भी नाम शामिल है। मात्र 22 वर्ष की अवस्था में आलोक ने नक्सलियों से लोहा लेते हुए बलिदान दिया। जनपद के चकिया तहसील के रसिया गांव निवासी आलोक राव असम राइफल्स में तैनात थे।

2023 में उनकी तैनाती मणिपुर में थी। मणिपुर में 10 मई को हुई हिंसा में आलोक राव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां स्वास्थ्य में सुधार न होने पर जवान को कोलकाता स्थित कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान 16 मई की रात को उनका निधन हो गया।

# अलीगढ़-पलवल हाईवे पर खैर-जट्टारी बाईपास को मिली मंजूरी, 200 करोड़ से बनगा

**अलीगढ़** । अलीगढ़-पलवल हाईवे पर बहुप्रतीक्षित खैर-जट्टारी बाईपास बनने का रास्ता साफ हो गया है। दोनों बाईपास बनने से इस हाईवे पर सफर करने वालों को खैर और जट्टारी में मिलने वाले जाम से राहत मिलेगी। नेशनल हाईवे अथारिटी (एनएचआईए) ने बाईपास का डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार कर उसे मंजूरी के लिए शासन को भेजा था, जिसे हरी झंडी मिल गई है। भूमि अधिग्रहण और सड़क निर्माण के लिए धनराशि भी जारी कर दी गई है। 67 किलोमीटर लंबा अलीगढ़-पलवल हाईवे टप्पल इंटरचेंज के पास यमुना एक्सप्रेस वे से मिलता है। यह अलीगढ़ को सीधे हरियाणा के पलवल जिले से जोड़ता है। यमुना एक्सप्रेस वे के माध्यम से नोएडा सहित एनसीआर, आगरा और मथुरा से जोड़ता है। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड ने 552 करोड़ की लागत से इस हाईवे का निर्माण कराया था। खैर और जट्टारी में बाईपास नहीं बनने से इस हाईवे पर घंटों जाम से जूझना पड़ता है। इससे बचने के लिए खैर में 10 किमी और जट्टारी में 5.5 किलोमीटर लंबे बाईपास की मांग लंबे समय से हो रही थी।

**निर्माण में फंसा था पेंच...**कस्बा खैर व जट्टारी बाईपास के निर्माण में लंबे समय से पेंच फंसा हुआ था। दरअसल, लोक निर्माण विभाग ने अलीगढ़-पलवल हाईवे का निर्माण कराया था।

हाईवे बनने के बाद इसे नेशनल हाईवे अथारिटी (एनएचएआई) में शामिल कर लिया गया। दो विभागों में उलझने के कारण दोनों बाईपास के निर्माण की मंजूरी नहीं मिल पाई थी। कुछ दिन पहले एनएचआईए की ओर से दोनों बाईपास के निर्माण का प्रस्ताव तैयार इसकी डीपीआर शासन को भेजी गई। अब जाकर इसकी मंजूरी मिल पाई है।

**बाईपास अलीगढ़ के लिए बेहद महत्वपूर्ण...**अलीगढ़-पलवल हाईवे पर ही अलीगढ़ की बड़ी विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं। इसी हाईवे पर खेरेश्वरधाम मंदिर, राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, ट्रांसपोर्ट नगर, ग्रेटर अलीगढ़, डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, इंडियन बॉटलिंग प्लांट, बीज निगम के गोदाम हैं।

खैर और जट्टारी बाईपास निर्माण के लिए भेजी गई डीपीआर को शासन ने मंजूरी दे दी है। दोनों बाईपास के निर्माण का बजट भी जारी कर दिया है।

# 20 से अधिक शहरों में भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग ने किया ऑरेंज अलर्ट

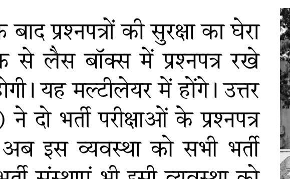

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का दौर अभी जारी रहने के आसार हैं। इसे लेकर मौसम विभाग ने चेतावनी भी जारी की है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, प्रदेश के 20 से अधिक शहरों में भारी बरसात के आसार हैं, इसे लेकर इन शहरों को ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है। जबकि कई हिस्से येलो जोन में हैं।

पूरे प्रदेश में शुक्रवार को सुबह तक कहीं तेज बारिश तो कहीं महज बूंदाबांदी हुई। जैसे बहराइच में सुबह 8.30 बजे तक 195 मिमी पानी बरस चुका था। इसके बाद सुबह से शाम तक में 32.8 मिमी पानी बरसा। शुक्रवार को बाराबंकी में 72.6, हरदोई में 4 मिमी, लखीमपुर खीरी में 11 मिमी पानी बरस गया। गोरखपुर में भारी बरसात हुई, यहां पर 67.4 मिमी पानी बरसा। बलिया में 27.1, प्रयागराज में 40, फतेहपुर में 10 मिमी बरसात रिकार्ड हुई। बरेली, मुरादाबाद, आगरा, अलीगढ़ में भी बरसात हुई।

देवरिया, गोरखपुर, एसके नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, शाहजहांपुर व आसपास के इलाकों में बहुत भारी बारिश के आसार हैं। जबकि सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, कन्नौज, लखनऊ, अयोध्या, अंबेडकरनगर, मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी, औरैया, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन व आसपास के इलाकों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

# कई लेयर वाले डिजिटल लॉकर में रखे जाएंगे प्रश्नपत्र

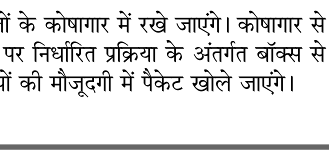


**प्रयागराज** पेपर लीक के मामले बढ़ने के बाद प्रश्नपत्रों की सुरक्षा का घेरा बढ़ा दिया गया है। अब डिजिटल लॉक से लैस बॉक्स में प्रश्नपत्र रखे जाएंगे। बॉक्स की टेंपरिंग आसान नहीं होगी। यह मल्टीलेयर में होंगे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने दो भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र इसी तरह के बॉक्स में रखवाए हैं। अब इस व्यवस्था को सभी भर्ती परीक्षाओं में लागू किया जाएगा। अन्य भर्ती संस्थाएं भी इसी व्यवस्था को अपनाएंगी। इसे लेकर आदेश जारी हो गया है। प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नपत्र डिजिटल लॉक वाले लोहे के बॉक्स में निकाले जाएंगे और संबंधित जिलों के कोषागार में रखे जाएंगे। कोषागार से भी इन्हीं बॉक्स में प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत बॉक्स से पेपर के पैकेट निकाले जाएंगे और परीक्षा से 30 मिनट पहले दो अभ्यर्थियों की मौजूदगी में पैकेट खोले जाएंगे।

## एक नजर

### यूपी में अब हर साल होगी मोटोजीपी रेस

**लखनऊ।** लखनऊ वैश्विक खेल जगत में भारत की दावेदारी को और मजबूत करते हुए प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी के चेयरमैन व अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) मनोज कुमार सिंह ने दुनियाभर में सफलतापूर्वक मोटोजीपी रेस का आयोजन कराने वाली स्पोर्ट्स कंपनी डोर्ना स्पोर्ट्स एसएल. की कामेली एजपेलेटा के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस अनुबंध के साथ ही वर्ष 2025 से प्रतिवर्ष मोटोजीपी रेस की मेजबानी करने का अवसर यूपी को मिलेगा। इस अनुबंध के जरिये खेल को बढ़ावा देने के साथ निवेश भी आकर्षित होगा। मोटोजीपी भारत के संचालन के लिए अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति का गठन किया गया है जिसके सदस्य नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, गौतमबुद्धनगर के डीएम और डोर्ना स्पोर्ट्स एस एल के मुख्य खेल अधिकारी होंगे। उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति की सहायता के लिए एक आयोजन समिति भी बनाई जाएगी। समिति में बड़े निवेशक भी इसके सदस्य होंगे। रोमांचक मोटोजीपी रेस ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में होगी। इस बारे में मुख्य सचिव व आईआईडीसी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि मोटोजीपी को यूपी में लाना न सिर्फ राज्य को वैश्विक खेल मंच पर नई पहचान देगा, बल्कि पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी तथा संबंधित क्षेत्रों में विकास भी होगा। आयोजन से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

### खेत में उतरे कंरट से महिला की मौत, तीन अन्य बुरी तरह झुलसीं

मथुरा उत्तर प्रदेश के मथुरा में शुक्रवार की दोपहर खेत में उतरे कंरट से एक महिला की मौत हो गई। जबकि तीन बुरी तरह झुलस गईं। उन्हें नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। खबर मिली तो घरवाले भागते हुए पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना कोसीकलां थाना क्षेत्र के नगरिया सात विसा गांव की है। गांव निवासी चंदर के खेत में धान की रोपाई हो रही था। ग्रामीणों ने बताया कि 18 महिला और चार युवक धान की रोपाई में लगे थे। छह सौ रुपये प्रति दिन के हिसाब से मजदूरी पर काम कर रहे थे। इसी समय खेत में खड़े एचटी लाइन के खंभे पर स्पार्किंग हुई।

इसके साथ ही एक तार टूटकर लोहे के खंभे से छू गया। खंभे से करंट खेत में भरे पानी में दौड़ गया। करंट लगने से मजदूर गिर गए। झटका लगते ही वह बाहर की तरफ भागे। शोर सुनकर खेत मालिक और आसपास काम कर रहे लोग भागकर पहुंचे। मजदूरों को लेकर आनन फानन नर्सिंग होम पहुंचे। यहां दिलीप की पत्नी चंचल की हालत नाजुक होने पर रेफर कर दिया गया। रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। जबकि ममता, रेखा और निशा गंभीर रूप से झुलसीं हैं। इन्हें भर्ती किया गया है। सूचना पर इंस्पेक्टर अजीत सिंह नर्सिंग होम पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

### संपत्ति कुर्क, बिल्डर को जेल... फिर भी नहीं मिली रकम

**आगरा।** उत्तर प्रदेश के आगरा में कुर्क संपत्ति की नीलामी नहीं होने से घर खरीदार खाली हाथ हैं। बिल्डर की गिरफ्तारी और जेल भेजने के बाद भी ग्राहकों की रकम नहीं लौटी। रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के आदेश पर जारी रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) की वसूली में प्रशासन पर लचर रवैया अपनाने के आरोप लग रहे हैं।

मैसर्स निखिल होम्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक शैलेंद्र अग्रवाल पर 42 ग्राहकों से धोखाधड़ी का आरोप है। फ्लैट खरीदारों की रकम डूब गई। बिल्डर ने करोड़ रुपया वसूल लिया और खरीदारों को फ्लैट नहीं मिले। ग्राहकों ने रेरा में शिकायत की। रेरा ने डीएम आगरा को आरसी के माध्यम से ग्राहकों की रकम वसूलने के आदेश दिए।

आरसी जारी होने के दो साल बाद प्रशासन ने जुलाई 2023 में निखिल होम्स के चमरौली स्थित प्रोजेक्ट निखिल रॉयल पार्क अपार्टमेंट को कुर्क कर लिया। कुर्की के बाद भी बिल्डर ने रकम नहीं लौटाई तो प्रशासन ने शैलेंद्र अग्रवाल और हमनाम साले शैलेंद्र अग्रवाल को गिरफ्तार कर कर जेल भेजा। दोनों फर्म में हिस्सेदार थे। जमानत पर जेल से बाहर आ गए। लेकिन, 42 ग्राहक अब भी खाली हाथ हैं। कुर्क संपत्ति की नीलामी नहीं होने से ग्राहकों की 21.92 करोड़ रुपये की बकाया राशि लौट नहीं सकी।

यह हाल तब है जब मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी और जिलाधिकारी भानुचंद्र गोस्वामी सदर तहसील प्रशासन को बकाया आरसी की वसूली के निर्देश दे चुके हैं। फिर भी वसूली नहीं हो पा रही। ऐसे में तहसील प्रशासन के रवैये पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बिल्डर से तहसील कर्मियों की मिलीभगत के आरोप भी लग रहे हैं। इस बारे में डीएम भानुचंद्र गोस्वामी का कहना है कि एसडीएम व तहसीलदार से आरसी वसूली पर रिपोर्ट मांगी जाएगी।

### पापड़ बेचने वाले को मिला लाखों के जेवरात भरा पर्स, नहीं डगमगाया ईमान

**आगरा।** उत्तर प्रदेश के आगरा में युवक को पर्स पड़ा मिला। इसमें पांच लाख कीमत के जेवरात थे। यह पर्स घनश्याम हेमलानी को मिला। वह पापड़ बेचकर दो वक्त की रोटी जुटाते हैं। लेकिन लाखों के जेवरात देखकर भी उनकी ईमान नहीं डगमगाया। उन्होंने पहले पुलिस को बताया। इसके बाद खुद भी पर्स मालिक की खोज में जुट गए। सोशल मीडिया का सहारा लिया। आखिर में उन्हें मालिक मिल गया। ईमानदारी की मिसाल पेश करने वाले घनश्याम को न सिर्फ पर्स मालिक ने 11 हजार रुपये इनाम दिया, बल्कि समाज ने भी सम्मानित किया। केदार नगर निवासी घनश्याम हेमलानी दो जुलाई की रात मंदिर गए थे। केदार नगर तिराहे पर उन्हें एक पर्स मिला। इसमें 1600 रुपये, दो सोने की चूड़ियां, एक चेन, दो अंगूठी, दो कुंडल थे। एक पर्ची थी। जेवरात अधिक थे। घनश्याम ने बताया कि जेवरात और रुपये लेकर वह कुछ लोगों से पूछने गए, लेकिन किसी ने सही जवाब नहीं दिया।

उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा

बाद में केदार नगर पुलिस चौकी पर जानकारी दी। सोशल मीडिया पर भी मैसेज वायरल किया। बुधवार शाम को केदार नगर निवासी मौनी पर्स की तलाश में एक पान विक्रेता के पास पहुंचीं। विक्रेता ने उन्हें उनका मोबाइल नंबर देकर पर्स की जानकारी दी। घनश्याम से पर्स पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बृहस्पतिवार को कोठी मीना बाजार स्थित रेस्तरां में सुनील करमचंदानी और दिलीप खंडेलवाल ने घनश्याम का सम्मान किया। सुनील करमचंदानी ने बताया कि पांच माह पहले पैर में फ्रैक्चर होने से घनश्याम सहारा लेकर चलते हैं। फिलहाल घनश्याम समाज की मदद से अपना जीवन गुजर कर रहे हैं। कार्यक्रम में घनश्याम की पत्नी राधा भी मौजूद रहीं।

गिरवी रखने जा रही थीं जेवरात

मौनी ने बताया कि वह पब्लिक स्कूल में शिक्षिका हैं। पिता की मौत हो चुकी है। मां उमा देवी ने अपने आशीर्वाद के रूप में एक बार लिखकर दिया था कि बेटी हमेशा खुश रहना, जिस पर्ची को वह हमेशा अपने पास रखती हैं। वृंदावन में खरीदे प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए वह जेवरात गिरवी रखने जा रही थीं। पर्स केदार नगर तिराहे पर गिर गया। वह परेशान थीं।

### बस की टक्कर से उछली कार, फ्लाईओवर से नीचे गिरी... 30 सेकेंड में खत्म हो गई पांच जिंदगियां

मुरादाबाद मूंढापांडे में बृहस्पतिवार सुबह दिल्ली हाईवे पर हुए हादसे में मात्र 30 सेकेंड में पांच जिंदगियां खत्म हो गईं। इस हादसे को जिसने भी देखा, वह अब भी उस पल को भूल नहीं पा रहा है। सर्विस रोड किनारे वर्कशॉप संचालक जितेंद्र ने बताया कि आठ बजे का वक्त था। मैं वर्कशॉप खोल रहा था। मुरादाबाद से रामपुर की ओर एक कार तेजी से जा रही थी। अचानक कार का टायर ब्लास्ट हुआ। चालक कार को कंट्रोल कर पाता। उससे पहले ही दूसरी कार ने टक्कर मार दी, जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। कार पलटे खाते हुए दूसरी साइड में जाकर सीधी हुई। इसी दौरान रामपुर की ओर तेजी से आ रही रोडवेज की बस ने उसमें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार हवा में उछल गई और सर्विस रोड पर जाकर गिरी। जिससे आसपास की दुकानों में मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई।प्रत्यक्षदर्शी शेखर ने बताया कि हादसे को देखकर कुछ पल के लिए सहम गया।

# राजस्थान: बाड़मेर चुनावी रंजिश के चलते दलित परिवार के साथ हुई मारपीट

**प्रदीप कुमार**

**राजस्थान:** बाड़मेर जिले के शिव क्षेत्र में चुनावी रंजिश के चलते गुरुवार को दो पक्ष आमने- सामने हो गए. दरअसल असामाजिक तत्वों के द्वारा अनुसूचित जाति के एक परिवार पर सरेआम धारदार हथियारों के साथ घर में घुसकर उनके साथ मारपीट करना और परिवार की महिलाओं को लज्जित करने के आरोप लगे। साथ ही इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो पूरे दिन वायरल हुआ। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया।

घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है, फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में बाड़मेर के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने पुलिस पर ढिलाई बरतने का आरोप लगाया और झगड़े का कारण चुनाव के दौरान उपजी कटुता बताई जा रही है। इसी तरह बायतु विधायक हरीश चौधरी ने भी इस घटना की निंदा की और बताया कि भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखे गये संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को अधिकार दिये है और उन अधिकारो का निर्बाध रूप से उपयोग करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की है।

लेकिन आजादी के 77 सालो बाद भी अपने संवैधानिक अधिकार का उपयोग करने पर उनके साथ अन्याय और अत्याचार करना सरकार की लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने इस प्रकरण की तत्काल जाँच करने व दोषियों के खिलाफ सख़्त से सख़्त कार्यवाही करने की सरकार से माँग की।

बाड़मेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसाराम बोस ने बताया कि मंगलवार रात को सुलावा गांव में आपसी विवाद के चलते दो पक्ष आमने सामने हो गए. दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। इस घटना में कुछ लोगों को चोटें आई हैं. उनकी मेडिकल जांच करवाई गई है. पुलिस ने दो लोगों को मौके से हिरासत में ले लिया। एएसपी ने बताया कि एक पक्ष के लोग ट्रैक्टर से आ रहे थे, इस दौरान दौरान दोनों पक्षों में आपसी विवाद के चलते झगड़ा हो गया। उन्होंने बताया कि इस घटनाक्रम को लेकर दोनों पक्षों की ओर से मिली रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

**इस वजह से हुआ झगड़ा**

उन्होंने बताया कि घटना के पीछे दो वजह सामने आई है। पहली यह कि एक पक्ष का घर सरकारी जमीन पर था, चुनाव के दौरान इस बात को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद हो गया, मामले की जांच की जा रही है, जो भी तथ्य सामने आएंगे. उसके आधार पर कार्य की जाएगी।

**सांसद ने कहा- फरियादी को धमका रहे आरोपी**

इधर, बाड़मेर जैसलमेर के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकरण की जांच करने आए अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक की मौजूदगी में ही आरोपी बेखौफ होकर परिवादियों और गवाहों को धमका रहे हैं। इससे साबित होता है कि पुलिस प्रशासन और कानून का कोई भय नहीं हैं। पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बेनीवाल कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद बाड़मेर संसदीय क्षेत्र और शिव क्षेत्र में लगातार एसटीझ्एससी वर्ग के लोगों पर अत्याचार हो रहे हैं। दलितों को टारगेट कर उन पर हमले किए जा रहे हैं।

## राजस्थान: जोधपुर शहर में शुक्रवार को मानसून की हुई अच्छी बारिश

**राजेन्द्र हर्श**

**राजस्थान:** जोधपुर शहर में शुक्रवार को मानसून की अच्छी बारिश हुई रात को 8:30 बजे तक 28 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई इतनी बारिश से ही शहर की सड़कों पर जल भराव वाले क्षेत्र में लोगों लोगों में भय हो गय उधर सरदारपुरा फर्स्ट बी रोड के बीच एक मकान भरभराकर कर गिर गया क्षेत्र वासियों की दूरदर्शिता और सताकता का से जर्जर मकान कुछ दिन पहले ही खाली कराया गया था।

इसमें कोई जनहानि या माल की हानि नहीं हुई यह मकान किराए पर दिया हुआ था आगे दुकान है इस मकान के पास निर्माण चल रहा था दूसरी तरफ सोडा सोफी है पार्षद रामस्वरूप प्रजापत ने क्षेत्रीय वीडियो के साथ मकान खाली कराया था पड़ोसी कल्पेश कुमार ने बताया कि सतिग्रस्त मकान वसंत मेहता का है इसके पड़ोस में कुछ दिन पहले अंडरग्राउंड खुदाई होने से पहली बारिश में यहा पानी भर गया था इससे मकान में दरारें आ गई तभी निगम में शिकायत के लिए बोला था लेकिन मकान मालिक ने कुछ नहीं किया।

आज भी रहेगा असर पूर्वी राजस्थान पर बने ऊपरी हवाओं में चक्रवात का असर शनिवार और रविवार को भी रहने की संभावना है इससे शहर में बादलों की आवाजाही आ भी रहेगी और शेरवा जिलों के कई चीजों में तिरछी बारिश की संभावना।

## हरियाणा: प्रदेश अध्यक्ष ने सिरसा एसडीएम राजेन्द्र सिंह को सौंपा ज्ञापन

**बसंत सिंह**

**हरियाणा:** प्रदेश अध्यक्ष ने सिरसा SDM राजेन्द्र सिंह को सौंपा ज्ञापन - रानियां -कृषि छात्र संघ ने हरियाणा के कृषि विभाग में रिक्त पदों के लिए भर्ती की मांग की है। इस मांग का मुख्य कारण है कि हरियाणा में कृषि विकास अधिकारी के पद पिछले कई सालों से खाली पड़े हुए हैं और इसके चलते कृषि स्नातक युवा बेरोजगारी की समस्या से गुजर रहे हैं।

हालांकि, हाल ही में हुई भर्ती प्रक्रिया में केवल कुछ ही छात्रों को ही नौकरी का मौका मिला है, बाकी पद अभी भी रिक्त खड़े हैं। कृषि छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष भीम गोदारा ने इस मुद्दे पर ध्यान दिलाया और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर इस विषय में कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन रिक्त पदों पर जल्द से जल्द भर्ती की जानी चाहिए ताकि हरियाणा के युवाओं को रोजगार का मौका प्राप्त हो सके।

कृषि छात्र संघ ने यह भी जाहिर किया कि यह भर्ती प्रक्रिया उनके लिए न केवल नौकरी के मौके उपलब्ध कराएगी, बल्कि

राज्य की कृषि विकास योजनाओं को भी गति प्रदान करेगी। वे मानते हैं कि कृषि विभाग में युवा और ऊर्जावान ताकतें शामिल होने से कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा और नवाचार आएगा, जिससे क्षेत्र में प्रगति होगी।

इस प्रकार, भर्ती की तेजी से प्रक्रिया करने की मांग हरियाणा के कृषि छात्र संघ द्वारा की गई है, जिससे राज्य के युवाओं को नौकरी के अवसरों में सुधार हो सके और कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा मिले। कृषि छात्र संघ के संयोजक राकेश मलेठीया ने कहा अगर समय रहते सरकार ने भर्ती नहीं की तो हमें मजबुरन धरना देना पड़ेगा हम युवाओं के हकों की आवाज को दबने नहीं देंगे।

हरियाणा: प्रदेश अध्यक्ष ने सिरसा एसडीएम राजेन्द्र सिंह को सौंपा ज्ञापन - रानियां -कृषि छात्र संघ ने हरियाणा के कृषि विभाग में रिक्त पदों के लिए भर्ती की मांग की है। इस मांग का मुख्य कारण है कि हरियाणा में कृषि विकास अधिकारी के पद पिछले कई सालों से खाली पड़े हुए हैं और इसके चलते कृषि स्नातक युवा बेरोजगारी की समस्या से गुजर रहे हैं।

हालांकि, हाल ही में हुई भर्ती प्रक्रिया में केवल कुछ ही छात्रों को ही नौकरी का मौका मिला है, बाकी पद अभी भी रिक्त खड़े हैं। कृषि छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष भीम गोदारा ने इस मुद्दे पर ध्यान दिलाया और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर इस विषय में कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन रिक्त पदों पर जल्द से जल्द भर्ती की जानी चाहिए ताकि हरियाणा के युवाओं को रोजगार का मौका प्राप्त हो सके।

कृषि छात्र संघ ने यह भी जाहिर किया कि यह भर्ती प्रक्रिया उनके लिए न केवल नौकरी के मौके उपलब्ध कराएगी, बल्कि राज्य की कृषि विकास योजनाओं को भी गति प्रदान करेगी। वे मानते हैं कि कृषि विभाग में युवा और ऊर्जावान ताकतें शामिल होने से कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा और नवाचार आएगा, जिससे क्षेत्र में प्रगति होगी।

इस प्रकार, भर्ती की तेजी से प्रक्रिया करने की मांग हरियाणा के कृषि छात्र संघ द्वारा की गई है, जिससे राज्य के युवाओं को नौकरी के अवसरों में सुधार हो सके और कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा मिले। कृषि छात्र संघ के संयोजक राकेश मलेठीया ने कहा अगर समय रहते सरकार ने भर्ती नहीं की तो हमें मजबुरन धरना देना पड़ेगा हम युवाओं के हकों की आवाज को दबने नहीं देंगे।

## जम्मू कश्मीर: जम्मू स्वर्णकार संघ सिटी प्रधान का ताज आशुतोष कपूर के सिर पर दूसरी बार सजा

**राजेश कुमार**

**जम्मू कश्मीर:** स्वर्णकार संघ जम्मू सिटी के प्रधान के चुनाव 6 जुलाई 2024 दिन शनिवार को सुबह 10:00 बजे से लक्ष्मी नारायण मंदिर में शुरू हो चुके हैं और इलेक्शन कमेटी सारी टीम वहां पर पहुंच चुकी है और पुलिस प्रशासन की तरह से पूछता प्रबंध किए गए हैं।

तीनों कैंडिडेट बड़ी जोश और उत्साह के साथ वहां पर आ चुके हैं। बड़ी मात्रा में स्वर्णकार संघ समाज के मेंबर अपनी अपनी वोट डालने के लिए लक्ष्मी नारायण मंदिर में पहुंच रहे हैं वहां पर बहुत ही ज्यादा राश और लाने में लाकर अपनी वोट का इंतजार कर रहे हैं और इस महा चुनाव उत्सव का

और दोपहर के खाने का भी आनंद ले रहे हैं। जम्मू स्वर्णकार संघ सिटी प्रधान के चुनाव बहुत ही शांति पूर्व तरीके से चल रहे हैं।

जम्मू स्वर्णकार संघ सिटी प्रधान के तीन कैंडिडेट ने अपने नामांकन बड़े हुए हैं आशुतोष कपूर अजय वर्मा अजय वेद और शाम के 6:00 बजे करीब देखते हैं कि जम्मू स्वर्णकार संघ सिटी के प्रधान का ताज किसके सिर पर सजदा है। स्वर्णकार संघ जम्मू सिटी में चार झुंट भी आती हैं जैसे की स्वर्णकार संघ तालाब तिलो झुंट स्वर्णकार संघ नानक नगर झुंट स्वर्णकार संघ जानीपुर झुंट स्वर्णकार संघ नगरोटा झुंट।

आज फिर एक बार स्वर्णकार संघ समाज ने शांति और एकता का संदेश समाज को दिया है जिसके चलते चुनाव पूरे शांति पूर्व तरीके से समाप्त हुए हैं। आशुतोष कपूर जी बहुमत वोटो से जीत कर स्वर्णकार संघ जम्मू सिटी के प्रधान चुने गए हैं आशुतोष कपूर और उनके समर्थकों और पूरे समाज में खुशी की लहर देखने को मिल रही है मिठाइयां ढोल नगाड़े बज रहे हैं खुशियां मनाई जा रही हैं आशुतोष कपूर को स्वर्णकार संघ समाज की तरफ से और मेंबरों की तरफ से बधाइयां मिल रही हैं खुशियां मनाई जा रही हैं।

## हरियाणा: डिपू होल्डरों का फरवरी-मार्च का तैंतीस करोड़ रुपए का बकाया कमीशन जारी

**हरियाणा:** प्रदेशभर के डिपू होल्डरों को फरवरी-मार्च दो माह का बकाया कमीशन (मेहनताना) विभाग द्वारा जारी कर दिया है यह जानकारी देते हुए आल राशन डिपो होल्डर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा के मिडिया प्रभारी गुरतेज सिंह सोढ़ी ने बताया कि प्रदेश के डिपू होल्डरों का फरवरी 2024 से जून तक पांच माह के खाद्यान्न वितरण का कमीशन (मेहनताना) नहीं मिला था जिससे डिपू होल्डर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे।

आल राशन डिपो होल्डर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा का शीर्षक नेतृत्व बकाया कमीशन भुगतान को लेकर लगातार संघर्षरत रहा जिसके परिणामस्वरूप प्रबंधक निदेशक वरिष्ठ लेखा कार्यकारी कांफैड पंचकूला ने पत्र क्रमांक कान्फैड/एक्ट्स/1190-92 दिनांक 05-07-2024 जारी करते हुए फरवरी व मार्च (दो माह) के बकाया कमीशन की भुगतान राशि 33,27,70,584 (तैंतीस करोड़ सत्ताईस लाख सत्रह हजार पांच सौ चौरासी रूपए) जारी कर दी है।

एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष राकेश कुमार ने एसोसिएशन की ओर से जानकारी देते हुए बताया कि यह बकाया कमीशन की रकम अगले सप्ताह यानि सोमवार को जिलावार कान्फैड मुख्यालय में पहुंच जाएगी जिसका भुगतान डिपू होल्डरों को शीघ्र किया जाएगा। उन्होंने कहा की अब शेष तीन माह अप्रैल, मई, जून के बकाया कमीशन को लेकर भी एसोसिएशन गम्भीरता से विभाग के उच्चाधिकारियों के समक्ष मांग रखेगी।

## उत्तर प्रदेश: बाढ पीड़ित परिवारों के सुरक्षित स्थानों पर न जाने से प्रशासन परेशान

**सतेन्द्र सिंह कुश्वाह**

**उत्तर प्रदेश:** क्षेत्र में बरसात का मौसम शुरू होने से गंगा नदी में बाढ के हालातों की आशंका के मद्देनजर प्रशासन ने चारो गांवों को सुरक्षित बसाने की मुहिम और तेज कर दी है। उपजिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह ने लेखपालों की टीम लगाकर चारों गांवों को आवंटित भूमि पर बसाने के प्रयास और तेज कर दिए हैं और गत वर्ष की भांति कोई भी व्यक्ति बाढ में परेशान न हो उसके लिए खुद उपजिलाधिकारी ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का अवलोकन किया है।

परंतु ग्रामीणों के मनमुताबिक जगह न मिल पाने से ग्रामीण सुरक्षित स्थानों पर जाने को बिल्कुल तैयार नहीं है जिससे प्रशासन परेशान है इस समस्या को उपजिलाधिकारी ने जिला अधिकारी को भी अवगत कराया है क्षेत्र में गत वर्ष बाढ से गांव कमलू नगला भखरी बेहटी तथा अहमदनगर बछौरा के दर्जनों परिवार प्रभावित हुए थे जिनमें कमलू नगला पूरा गांव गंगा नदी में समा गया था और अहमदनगर बछौरा भखरी,और बेहटी आधे आधे गांव गंगा नदी में समा गये थे।

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अहमदनगर बछौरा को बाकरपुर में सड़क किनारे आबादी की भूमि आवंटित हुई कर दी गई थी और अधिकांश लोग उसमें रहना भी शुरू कर दिए हैं ।कुछ लोग दोनों जगह रह रहे हैं कमलू नगला के लोगों को मुगर्रा में बांध के निकट पड़ी ग्राम पंचायत की भूमि आवंटित कर दी है तथा भखरी और बेहटी को दुर्जन नगला के पास आवंटन कर प्रधान व पीडित परिवारों को सूचित कर दिया गया है। परंतु ग्रामीण सड़क किनारे अपने मनमुताबिक जगह चाह रहे हैं और इसी के चलते भारी प्रयास के बाद भी सुरक्षित स्थानों पर नहीं जाना चाह रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि जहाँ जगह दी जा रही वहाँ पर अभी भी पानी भर जाता है और आवागमन हेतु रास्ता भी नहीं है जबकि प्रशासनिक कर्मचारी गण इसे ग्रामीणों की बहानेबाजी बता रहे हैं।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि इस समस्या को लोकसभा चुनाव में भी जनप्रतिनिधियों से कहा गया था और चुनाव बाद व्यवस्था कराने के वायदे भी हुए परंतु अब तक समस्या जसकी तस बनी हुई है इधर गंगा नदी में बरसात शुरू हो जाने से बाढ की फिर से संभावना बढने लगी है जिसको लेकर प्रशासन एवं ग्रामीण दोनों परेशान हैं अहमद नगर बछौरा के 38 पक्के मकान मालिक परिवारों को एक लाख बीस हजार प्रति परिवार 45 लाख 60 हजार रुपये और 12 कच्चे मकान मालिक परिवारों को आठ हजार रूपए प्रति परिवार की दर से 96000/, वितरित कर दिया हैं।

जबकि कमलू नगला के 5 पक्के मकान मालिकों को एक लाख बीस हजार रुपए प्रति परिवार कुल 6 लाख रुपये एवं कच्चे मकान मालिक छ परिवारों को 48 हजार रुपए वितरित किए जा चुके हैं तथा भखरी और बेहटी को पीड़ित परिवारों को गाटा संख्या 634/0.272 भूमि आवंटित की जा चुकी है। तथा कमलू नगला के पीडित परिवारों को मुगर्रा में भूमि आवंटित की जा चुकी है परंतु ग्रामीण मनमुताबिक सड़क किनारे भूमि माग रहे हैं और खासे प्रयास के बावजूद भी सुरक्षित स्थान पर नहीं जा रहे हैं जो कि चिंता का विषय है इस समस्या के बारे में शीर्ष अधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है।

## एक नजर

### राजस्थान: 14 जुलाई से होगा शुभारंभ श्रीमद् भागवत के सप्ताह ज्ञान यज्ञ का

**प्रदीप शर्मा/राजस्थान:** शिव मित्र मंडल तबेला एवं अवधूत दत्त आश्रम गुरु भक्त परिवार की ओर से दिनांक 14 जुलाई रविवार से दिनांक 20 जुलाई शनिवार तक संगीत में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है शिव मित्र मंडल तबेला के प्रवक्ता किशन मुखीजा ने बताया कि भागवत सप्ताह का कार्यक्रम धर्मनगरी अवधूत? दत्त आश्रम स्टेशन रोड पर स्वामी अमन भारती महाराज के मुखारविंद से किया जायेगा। भागवत कथा के शुभारंभ पर दिनांक 14 जुलाई रविवार को प्रातः 7:00 बजे गणेश पोल से भव्य कलश यात्रा प्रारंभ होगी एवं मुख्य बाजारों से होते हुए कथा स्थल श्री अवधूत आश्रम पहुंचेगी उसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से 5:00 तक श्रीमद् भागवत कथा का वाचन होगा। कार्यक्रम के आयोजक महेश सैनी ने बताया कि कलश यात्रा में हिंडौन की मशहूर ताज बैंड उपस्थिति रहेगी। लगभग 551 महिलाएं कलश लेकर गणेश पोल से कथा स्थल अवधूत दत्त आश्रम पहुंचेगी। श्रीमद् भागवत सप्ताह के अंत में दिनांक 21 जुलाई रविवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा श्रीमद् भागवत कथा।

### उत्तर प्रदेश: आज जो मोती मैंने चुने पुस्तक का हुआ लोकार्पण

**अजय सक्सेना/उत्तर प्रदेश:** आज जो मोती मैंने चुने पुस्तक का लोकार्पण किया गया जिसके रचयिता डॉ. बृजपाल सिंह यादव है पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, डॉ. हरि सिंह ढिल्लों, डॉ. अनामिका यादव, प्रोफेसर हरवंश दीक्षित, प्राचार्य दानवीर सिंह यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया इसके पश्चात पधारे हुए सभी मुख्य अतिथियों का अंग वस्त्र पहनाकर एवम पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मंच का संचालन संजीव आकांक्षी के द्वारा किया गया। पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित रह सरदार गुरवंदर सिंह डॉक्टर मेजर देवेंद्र सिंह जी जयवीर सिंह सिरोही श्रीकांत यादव हिमांशु यादव प्रत्यूष यादव ब्लॉक प्रमुख डॉ नवदीप यादव गजेंद्र सिंह यादव डिप्टी एसपी डॉक्टर प्रेमवती उपाध्याय डॉ रश्मि प्रभाकर मयंक शर्मा राधे श्याम शर्मा आदि।

### मध्य प्रदेश: कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष के जन्मदिवस के अवसर पर हुआ फलों का वितरण

**अरबिन्द्र गुप्ता/मध्य प्रदेश:** रामकिंकर गुर्जर जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी दतिया के जन्म दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इंदरगढ़ एवम उपाध्याय नर्सिंग होम पर पहुंचकर सभी साथियों के साथ मरीजों को फल वितरण किया और कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य लाभ की कामना की इसके पश्चात जिला सचिव कांग्रेस कमेटी सोहेल पठान की दुकान पर रामकिंकर गुर्जर का केक काटकर जन्म दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बरिष्ठ कांग्रेसी सनत दुबे, राजीव गुप्ता, ओम पांचाल, युवा कांग्रेस सेवड़ा विधानसभा के अध्यक्ष परवेंद सिंह्गुर्जर कांग्रेस, जिला सचिव सोहिल पठान, संजय पहलवान सिंह राणा, दीपक खटीक, शैलेंद्र यादव, पवन पांचाल ,सागर राजोरिया, शिवम की आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

### उत्तर प्रदेश: भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के कार्यकताओं ने किया धरना प्रदर्शन

**जय प्रकाश शर्मा/उत्तर प्रदेश:** भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरयू शर्मा के निदेर्शानुसार रामपुर मूंढापांडे टोल प्लाजा पर 15 किलोमीटर के किसानों की फ्री आवा जाई करने के लिए भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के कार्यकताओं ने धरना प्रदर्शन किया। और किसानो की विभिन्न समस्याओं को लेकर मूंढापांडे के रल्ढ साहब को ज्ञापन भी सौंपा जिसमें बरसात के पानी को खेतों में से और कब्रिस्तानों में से पानी की निकासी की मांगे रखी। आवारा पशुओं को गौशाला भेजने का कार्य करें और किसानो ने कहा की अगर हमारी मांगे जल्द ही नहीं मानी गयी तो।

मूंढापांडे टोल प्लाजा रामपुर पर अनिश्चितकालीन धरना देने का कार्य भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति करेगी रल्ढ साहब ने आश्वासन दिया है। कि आपकी मांगे उ्ट साहब तक जल्द ही पहुंचा दी जायेगी। इस मौके पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री यामीन सैफी राष्ट्रीय सचिव डॉ मतीन खान युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अक्षित शर्मा पश्चिमी युवा प्रदेश अध्यक्ष शाहरुख मलिक रामपुर जिला अध्यक्ष उवैस खान मुरादाबाद जिला अध्यक्ष शाहरुख चौधरी मंडल मीडिया प्रभारी जुनेद खान अकबर अली सम्भल से दानिश भाई एडवोकेट अजयवीर सिंह मुस्तकीम भाई इब्ने हसन नवाज बिलाल खान डॉ बिलाल उन नबी आदि किसान मौजूद रहे।

# गुजरात: एक आदिवासी गरीब किसान के बेटे को भारत के राष्ट्रपति द्वारा शोर्य चक्र पदक से किया गया सम्मानित

**गणेष राजाराम गुर्जर**

**गुजरात:** तापी जिले के व्यारा आदिवासी क्षेत्र चा पा वाडी में एक मध्यम गरीब किसान परिवार के एक बहादुर युवक ने बहादुरी से अपने माता-पिता और आदिवासी परिवार, तापी जिले और गुजरात राज्य का नाम रोशन किया है। वर्ष 2000-21 में मुकेश की मुलाकात एक कांस्टेबल के रूप में अति संवेदनशील जम्मू-कश्मीर में इस समय देश की सेवा में हुई और त्वरित कार्रवाई दल में हर गतिविधि पर नजर रखते हुए उसे तुरंत गति प्रदान की गई। उनके अनुभवों और बुद्धिमत्ता के कारण उन्हें द.अ.ळ में शामिल किया गया था।

दिसंबर 2021 में एक आतंकवादी खोज ऑपरेशन में घर में छिपे एक आतंकी को घेर लिया गया और आतंकियों की तलाश की गई, उसी वक्त आतंकियों ने जवानों पर ग्रेनेड से हमला कर दिया. उस वक्त अपने साथी जवानों की जान बचाने के लिए जरूरी काम करते हुए भाग रहे आतंकी के सीने में गोली लग गई. उसके पास से हथियार और बड़ी संख्या में

विस्फोटक बरामद हुए थे. ये बहुत साहसी और बहादुर है सराहनीय प्रदर्शन के तहत शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नेताओं माननीय राष्ट्रपति मुर्मो साहब की उपस्थिति में, जो एक आदिवासी भी हैं। इस सम्मान से तापी जिले के श्री मुकेशभाई गमीत साहब के परिवार में खुशी और खुशी का माहौल है।

आज भी केंद्रीय पुलिस के इस अर्धसैनिक बल को उचित सुविधाएं नहीं मिलती, काम लगभग एक जैसा ही है.. देश सेवा, देश सीमा सेवा, आंतरिक सेवा और सार्वजनिक सुरक्षा जैसी कई महत्वपूर्ण सेवाएं देने वाली वीवीआईपी सुरक्षा पूरी जिंदगी दांव पर लगा देती है। आज भारत देश के प्रधान मंत्री, गृह मंत्री जैसे बहुत ही मेहनती ईमानदार और बुद्धिमान देश की मुख्य सड़क पर सेवा दे रहे हैं। इसलिए आज भी सेवानिवृत्त जवान इस सेवा को पाने के लिए बार-बार हाजी बना रहे हैं और बैठकें कर रहे हैं। वे आंदोलन भी कर रहे हैं।

इस आजादी के इतने साल बीत जाने के बाद भी अपनी जान जोखिम में डालकर संसद की सेवा करने और हमलों को रोकने में कई लोग शहीद हुए।स्त्रा. मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। ऐसे समय में जब ऐसे वीर जवान देश के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर रहे हैं तो सरकार को इस मामले पर भी ध्यान देना चाहिए. दिन-रात देश की सेवा कर रहे, अपना तन-मन-धन देश के लिए समर्पित करने वाले इन जवानों के लिए अब समय आ गया है कि उनकी सेवा और सम्मान की सराहना की जाए।

## मध्य प्रदेश: खाद्यान्न वितरण में भारी गोलमाल का लगा मिथ्या आरोप

**रामचंद्र दिवेदी**

**मध्य प्रदेश:** हितग्राहियों ने किया खंडन मामला चितरंगी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झोंखो का है जहां कुछ स्थानीय जनों के द्वारा मिथ्या आरोप लगाया गया कि शासकीय उचित मूल्य दुकान झोंखो के विक्रेता द्वारा प्रत्येक महीने उपभोक्ताओं से फिंगर तो लगवा लिया जाता है परन्तु आधा-अधूरा खाद्यान्न वितरित करके कह दिया जाता है। कुछ लोगों द्वारा आरोप लगाया गया की विक्रेता द्वारा बताया जाता है की खाद्यान्न खत्म हो गया है।

जब आएगा तब मिलेगा इतना ही नहीं लोगो ने झूठा आरोप लगाते हुए कहा की कभी-कभी महीनों-महीनों का खाद्यान्न गोलमाल कर दिया जाता है। जबकि जमीनी स्तर पर ऐसा कुछ देखने में नजर नहीं आया जबकि कुछ लोगों ने झूठा आरोप लगाते हुए यह भी बताया गया कि वहा के ग्रामीणों की माने तो शक्कर तो विल्कुल नहीं मिलती, मांगने पर कोटेदार द्वारा बताया जाता है शक्कर आई ही नहीं है।

जब की जमीनी हकीकत इसी के विपरित है। जनता ने कई बार विक्रेता से वितरण व्यवस्था के संबंध में जिक्र किया परंतु विक्रेता द्वारा टालमटोल कर अनसुनी कर दिया जाता है। ए पूर्णत झूठा साबित होता नजर आया।। ऐसे में जमीनी अस्तर पर इसका हाल जानने पहुंची मीडिया टीम ने लोगो से जानकारी साझा की जो कि पूरी तरह निराधार पाई गई। और हितग्राहियों ने इसे लोगों के आरोप को झूठा सवित कर दिया।

## ओडिशा: 7 जुलाई रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा विश्वप्रसिद्ध गुंडिचा रथयात्रा

**लक्ष्मी नारायण पथी**

**ओडिशा:** हर साल की तरह इस साल भी श्री क्षेत्र पुरी में आषाढ मास शुक्लपक्ष द्वितीया तिथी पर श्रीजगन्नाथ के चतुर्ध्धाविग्रह की विश्वप्रसिद्ध गुंडिचा रथयात्रा 7 जुलाई रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा । इसके साथ संध्या दर्शन,हेरापंचमी,वाहुडा यात्रा,सोनावेश और नीलाद्रिविजय उत्सव आदी पर्व संपन्न होगा।

इसलिए श्रीमंदिर प्रशासन की ओर से समस्त प्रस्तुति आखिर चरण में पंहुच चुका है । चतुर्ध्धाविग्रह के लिए तालध्वज,देवदलन और नंदीघोष रथों का निर्माण कार्य समापन हुआ है । रथों को श्रीमंदिर के आगे सुसज्जित कर व्यारिकेड के अंदर रखा गया है। श्रीमंदिर परिक्रमण मार्ग सुंदर व आकर्षक चित्रांकन से सुशोभित है। इसके साथ ही श्रीमंदिर की चारोंओर मुखशाला,प्रवेशद्वार और प्राचीर को सफेद रंग से ऐसा रंगवा गया है कि मानो भक्तजनों को यह दृश्य रह रहकर स्वच्छता की पाठ पढा रहा है।

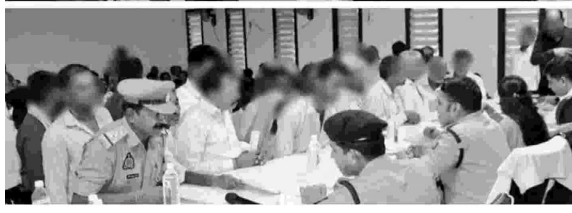

नीतिकांति को देखते हुए इस रथयात्रा की एक खासियत है । इस साल नेत्रोत्सव, नवयौवन दर्शन और श्रीगुंडिचा यात्रा एक ही दिन में होने का प्रावधान है । इतने सारे नीति संपन्न करके महाप्रभु के रथों को कैसे गुंडिचा मंदिर तक खिंचकर लिया जाएगा प्रशासन के लिए यह एक परेशानी का कारण है । साल 1971 में ऐसा हुआ था । आमतौर पर गुंडिचा यात्रा से एक दिन पहले नेत्रोत्सव और नवयौवन दर्शन का पर्व मनाया जाता है।

इस वजह गुंडिचा यात्रा की नीतिकांति आसानी से किया जाता है । अव की वार लगता है कि एक ही दिन में तीन पर्वो की वजह 7 और 8 तारीख दो दिन रथ खिंचा जाएगा । फिर भी कैसे भी हो निर्धारित समय पर सभी नीतिकांति के वाद अपराह्न दो वजे तक पहंडि विजे और पांच वजे रथ खींचने को गजपति श्रीदिव्यसिंहदेव ने मशवरा दिया है ।

माना जाता है कि इस साल रथयात्रा के दौरान भक्तों की संख्या में वढोत्तरी होगी । महामहिम राष्ट्राध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी मुर्मू रथयात्रा देखने आने वाले है । रथयात्रा के दौरान श्रीक्षेत्र में राष्ट्राध्यक्ष का उपस्थित रहना जगन्नाथप्रेमी श्रद्धालुओं के लिए खुसी की वात है। इसके तहत भक्तों की भीड प्रबंधन,राष्ट्राध्यक्ष को सुरक्षा प्रदान और खासकर महाप्रभु श्रीजगन्नाथ के रथयात्रा की उचित प्रबंधन पुलिस-प्रशासन के लिए एक जिम्मेदारी है।

दुसरी ओर भक्तों का मानना है कि उचित प्रबंधन के लिए पुलिस प्रशासन को सरकार तो सराहते हैं परंतु असलियत में महाप्रभु श्रीजगन्नाथ के कृपा विना यह नामुमकिन है। वीस से पचीस लाख भक्तों का उचित प्रबंधन और कोई भी श्रीक्षेत्र से इस दौरान भूखा प्यासा ना लौटना क्या श्रीजगन्नाथ का चमत्कार नहीं ?

## हरियाणा: जिन लाभार्थियों को हैप्पी कार्ड का एसएमएस मिला है वे जल्द प्राप्त करें अपना कार्ड

**राजबीर शर्मा**

**हरियाणा:** नारनौल, (राजबीर शर्मा) हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) जिला में शुरूआत से ही लोकप्रिय हो रही है। जिला में अब तक 22038 नागरिकों ने नारनौल बस स्टैंड से अपने हैप्पी कार्ड प्राप्त किए। जिन लाभार्थियों के मोबाइल फोन पर विभाग से एसएमएस आ चुका है वे जल्द अपना हैप्पी कार्ड प्राप्त कर लें। नागरिक इस दौरान अपना मोबाइल साथ लेकर आएं ताकि ओटीपी प्राप्त किया जा सके। लोगों की सहुलियत के लिए इस कार्य के लिए शनिवार व रविवार को भी बूथ खुले हुए हैं।

यह जानकारी देते हुए नारनौल डिपो के जीएम अनित यादव ने बताया कि हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। ऑनलाइन आवेदन के बाद विभाग की ओर से पात्र नागरिक के पास एसएमएस जाएगा। एसएमएस

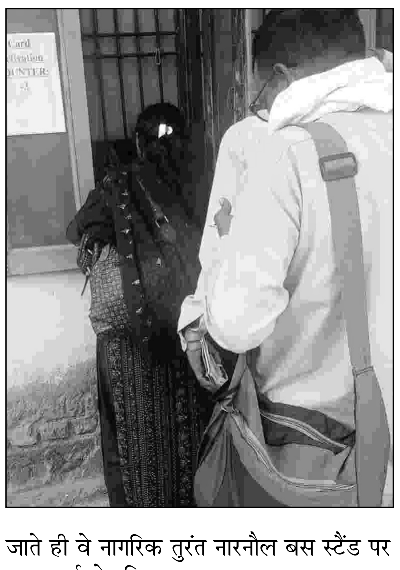

जाते ही वे नागरिक तुरंत नारनौल बस स्टैंड पर इस कार्य के लिए बनाए गए बूथ पर जाकर अपना हैप्पी कार्ड ग्रहण कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में अब तक 64041 नागरिकों ने हैप्पी कार्ड के लिए आनलाइन आवेदन किया है। अभी तक ज़िला में लगभग 22038 नागरिकों को हैप्पी योजना के कार्ड दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की योजना अनुसार हैप्पी कार्ड धारक को 1000 किलोमीटर प्रति वर्ष हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त सफर करने का मौका मिलेगा। लाभार्थियों को हरियाणा रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा करने के लिए ई-टिकटिंग प्रणाली से जुड़ा एक स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष एक हजार किलोमीटर तक मुफ्त में हरियाणा रोडवेज की बस में सफर करने की सुविधा मिल रही है। जो पात्र परिवार इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं वे जल्द से जल्द इस कार्ड के लिए परिवहन विभाग की साइट पर आवेदन करें। इसके अलावा बस स्टैंड पर भी कार्ड जारी करने के लिए बूथ स्थापित किए गए हैं।

## उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर निशुल्क मैडिकल कैप का हुआ आयोजन

**सूरज मौर्य**

**उत्तर प्रदेश:** जनपद मीरजापुर में पूर्व की भांति इस वर्ष भी 7 जुलाई को 2024 को निशुल्क मैडिकल कैप का आयोजन किया गया है। पंजाब केसरी के पूर्व निर्देशक पूजनीय स्वर्गीय स्वदेश चोपड़ा की नौवी पुण्यतिथि पर इस बार श्रेयांश हॉस्पिटल नटवा जंगी रोड नटवा पुलिस चौकी के पास निशुल्क मेडिकल कैंप रखा गया है।

श्रेयांश हॉस्पिटल के मैनेजिंगडायरेक्टर कौशल शर्मा ने बताया कि 7 जुलाई को हमारे यहां विशेषज्ञ डक्टरों द्वारा निशुल्क मेडिकल चेकअप एवं दवाका वितरण किया जाएगा जिससे जनपद मीरजापुर के गरीब व जरूरतमंद लोगों का सुबह 10:00 बजे से लेकर 2:00 बजे के बीच चैकअप एवम् दवा वितरण किया जाएगा।

## हरियाणा: डबवाली पुलिस द्वारा गाँव चौटाला में लोगो की शिकायतो पर नशे को लेकर डॉग स्क्वायड की मदद से चलाया सर्च अभियान

**इंद्रजीत**

**हरियाणा:** पुलिस अधीक्षक डबवाली दीप्ति गर्ग आई पी एस के निदेर्शानुसार तथा उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय किशोरी लाल के कुशल नेतृत्व में क्षेत्र मे नशा तस्करों के खिलाफ तथा अपराधों की रोकथाम व अपराधिक मामलों में वाछिंत आरोपियों के खिलाफ व गाँव चौटाला के लोगो की शिकायतो पर नेश को लेकर रैम्बो व शेरु की मदद से एक सर्च अभियान चलाया गया । दौराने सर्च अभियान के अन्तर्गत सख्त कार्यवाही करते हुए एएनसी स्टाफ टीम ने एक युवक अवैध ठेका देशी शराब की 16 बौतल तथा एनडीपीएस एक्ट के मामले में असल तस्कर सहित दो युवको को काबू करने में सफलता हासिल की है ।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने बताया कि डबवाली पुलिस मे दो डॉग स्क्वायड (खोजी कुत्ता) जिसकी नस्ल लैबरा डोर, नाम रैम्बो व शेरु है। जिनको नारकोटिक्स ( मादक पदार्थ) तस्करी करने वालो को काबू करने की ट्रेनिंग दी गई जिसमे नारकोटिक्स (मादक पदार्थ) शामिल हैं। इनकी ट्रैनिंग आई टी बी पी भानू पचंकुला (राष्ट्रीय स्वान प्रशिक्षण केन्द्र ) में हुई। इस ट्रैनिंग में शेरु व रैम्बो को नारकोटिक्स (मादक पदार्थ) के सम्बन्ध में स्पैशल ट्रैनिंग दी गई है शेरु व रैम्बो को नशीले पदार्थों को सूंघकर पता लगाने के लिए ट्रेंड किया गया है। जिनकी सहायता से आज गाँव चौटाला में सर्च अभियान चलाया गया है । सर्च अभियान के तहत कुलदीप सिंह पुत्र निर्मल चन्द से 16 अवैध बौतल शराब पकड़ी गई तथा एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में असल तस्कर आरोपी रामकुमार पुत्र दलीप सिंह निवासी चौटाला को गिरफ्तार किया गया है ।

इस बारे में पुलिस अधीक्षक महोदय ने जानकारी देते हुए बताया कि आई टी बी पी भानू पचंकुला में शेरु व रैम्बो को वाहनो में, बिल्डिंग में, लगेज मे व जमीन के अन्दर गड्ढे खोदकर छुपाये गये नशीले पदार्थो को खोजने की विशेष तरह की ट्रेनिंग दी गई है और बताया कि आई टी बी पी भानू पचंकुला पुरे भारत वर्ष की पुलिस डोग ट्रैनिंग सैन्टर मे से एक है।

डबवाली पुलिस द्वारा सभी नाको व चौक/चौराहे पर डॉग स्क्वायड (खोजी कुत्ता) नाम शेरु व रैम्बो की मदद लेकर चैकिंग कर रही है। जिसमे नारकोटिक्स मादक पदार्थ के अपराधियों की गतिविधियो पर पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक डबवाली ने कहा कि पुलिस जिला डबवाली मे नशा/ नारकोटिक्स मादक पदार्थ बेचने व रखने वाले आरोपियो को किसी भी सुरत मे बख्शा नही जायेगा और कहा कि नशा तस्करी करने वाले अब या तो नशा तस्करी छोड़ दे या डबवाली।

## एक नजर

### मध्य प्रदेश: धार पुलिस ने माता जी मंदिर के पास घटित चेन स्नैचिंग की घटना का किया पदार्फाश

**संतोष सोलंकी/मध्य प्रदेश:** धार पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में धार पुलिस द्वारा थाना राजगढ़ में राजेन्द्र द्वार माता जी मंदिर के पास घटित चेन स्नैचिंग की घटना का किया पदार्फाश।

थाना टांडा क्षेत्र के 03 आरोपियो (01 बाल अपचारी सहित) व लूट का सोना खरीदने वाले सुनार कुल 04 आरोपियो को किया गिरफ्तार। पुलिस टीम द्वारा चारो आरोपियो की निशादेही पर से लूट में गई 02 सोने की चेन, घटना में प्रयुक्त 02 मोटर सायकल कुल मश्रुका कीमती 3,40,000/- रुपये का बरामद करने में सफलता हासिल की। आरोपियो द्वारा घटना में उपयोग की जा रही दोनो मोटर सायकल को जिला इन्दौर के थाना क्षिप्रा क्षेत्र व जिला धार के थाना राजगढ़ क्षेत्र से चुराना कबूल किया

### उत्तर प्रदेश: हमीरपुर शासन द्वारा जनपद में 35 करोड़ पौधे लगाने का रखा गया लक्ष्य

**राधा कृष्ण/उत्तर प्रदेश:** जनपद में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जा रहा वृहत वन महोत्सव। एक पेड़ मां के नाम अभियान के प्रति जनपदवासियों को किया जा रहा जागरूक। वन महोत्सव कार्यक्रम में राठ विधायक मनीषा अनुरागी और जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत ने जनपदवासियों से वृक्षारोपण करने की अपील की।

सरीला वन विभाग के सौजन्य से महेश्वरी माता मंदिर भेड़ी डांडा में वन महोत्सव कार्यक्रम किया गया आयोजित। जनपद के भेड़ी डांडा में सरीला वन विभाग, आला नेताओं और ग्रामीणों ने व्रक्ष लगाकर पर्यावरण और परिवेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने का लिया संकल्प। अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को हरा भरा बनाए रखने की अपील की। ब्रक्षारोपण कर जनपदवासियों से ज्यादा से ज्यादा पौध रोपण कर महाअभियान को सफल बनाने की अपील की।

### हरियाणा: श्री विष्णु भगवान मंदिर ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगो को नि:शुल्क वितरित किए जायेंगे सहायक उपकरण

**अनील/हरियाणा:** समाजसेवी संतोष गुप्ता के सौजन्य से चौपटा बाजार स्थित मंदिर स्थल पर आगामी 7 जुलाई रविवार को होगा जांच एवम् चयन शिविर का आयोजन। 6 जुलाई शनिवार तक पंजीकृत करवाए जा सकते हैं नाम। जरुरतमंद दिव्यांग या उनके परिजन/सहयोगी 6 जुलाई तक ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश गुप्ता खरडिया के किला बाजार स्थित प्रतिष्ठान चंदगी राम पनमेश्वरी दास, प्रबंधक रतन कुमार शर्मा के बड़सी गेट के अंदर स्थित प्रतिष्ठान डीसीएम वस्त्रालय, लोकहित मंच के अध्यक्ष धर्मवीर रतेरिया का श्री काली देवी रोड स्थित प्रतिष्ठान रतेरिया ट्रेडर्स, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष कश्मीरी लाल मनचंदा के एस डी कॉलेज के सामने स्थित प्रतिष्ठान केपी दुल्हा हाउस, भारत विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश गर्ग के जींद चुंगी स्थित प्रतिष्ठान एलसीआई साइकिल प्राइवेट लिमिटेड सहित ट्रस्ट के सचिव प्रवीण बंसल से चौपटा बाजार स्थित मंदिर कार्यालय में संपर्क कर अपना नाम दर्ज करवा सकते है।

### राजस्थान: भारत विकास परिषद द्वारा वृक्षारोपण के साथ बड़े उत्साह से मनाई गई डॉक्टर सूरज प्रकाश का 104 वीं जयंती

**प्रदीप शर्मा/राजस्थान:** भारत विकास परिषद शाखा राजगढ़ द्वारा परिषद के संस्थापक डॉक्टर सूरज प्रकाश की 104 वीं जयंती के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत आज नन्दी गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाएं जाने का कार्यक्रम रखा गया। साथ ही गौ शाला में वृक्षारोपण कार्य भी शाखा द्वारा किया गया।

और गौमाता को गौ राष्ट्र माता घोषित करने की समाचार के माध्यम से सरकार से मांग की है। कार्यक्रम के इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा पदमा गोयल,संरक्षक डॉ के. एम. गुप्ता,जैनेंद्र जैन,राजीव जैन, पारस सर्राफ,प्रीति विजय,योगेश वशिष्ठ,किशोर मुखर्जी,लोकेश रावत,दीपक विजय ,प्रीति शर्मा, आदि समिति के सदस्य मौजूद रहे साथ ही गौशाला के मेंबर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। मीडिया कर्मी नागपाल शर्मा को यह जानकारी रश्मि विजय द्वारा दी गई।

# हरियाणा: महेंद्रगढ़ के खुड़ाना में आईएमटी के कार्य की प्रगति को लेकर प्रशासन के साथ हुई बैठक

**सतीश**

**हरियाणा:** महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव खुड़ाना में आईएमटी के कार्य की प्रगति को लेकर स्थानीय पीडब्लुडी विश्रामगृह में एचएसआईआईडीसी के चंडीगढ़ से पधारे उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक बैठक हुई। बैठक में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा व स्थानीय एसडीम संजीव गुप्ता मौजूद रहे।

इस मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि 24 फरवरी 2019 को तत्काल मुख्यमंत्री मनोहर लाल और उन्होंने महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव खुडाना में आईएमटी की आधारशिला रखी थी, जिसके लिए 1 हजार एकड़ जमीन विभाग द्वारा अधिग्रहण कर ली गई है। सोमवार को एचएसआईआईडीसी विभाग के उच्च अधिकारी खुडाना गांव की राजपूत धर्मशाला में बैठेंगे। जमीन अधिग्रहण के लिए पोर्टल को खोल दिया गया है और आईएमटी के लिए जो भी औपचारिकता अधूरी रह रही है, उनको जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जो किसान आईएमटी के लिए अपनी जमीन देना चाहेंगे उसको पोर्टल पर अपलोड कर लिया जाएगा। शर्मा ने यह भी बताया कि आकोदा व खुडाना के किसानों की किसी तरह की जमीन अधिग्रहण को लेकर मांग है, उसको भी ठीक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार युद्ध स्तर पर अब आईएमटी के कार्य को पूरा करना चाहती है। इसके लिए किसी तरह धन का अभाव नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसानों के साथ उन्हें आईएमटी को लेकर मुख्यमंत्री से बात करनी पड़ी तो वे चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

उन्होंने कहा कि आईएमटी उनका व भाजपा कार्यकताओं का ड्रीम प्रोजेक्ट है। आईएमटी का कार्य पूरा हो जाने के बाद महेंद्रगढ़ शहर की गिनती गुडगांव व चंडीगढ़ जैसे अग्रणी शहरों में की जाएगी। यहां के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यहां के युवा आईएमटी बन जाने के बाद आत्मनिर्भर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं खुडाना में चल रहे आईएमटी के कार्य में रुचि ले रहे हैं और निरंतर अधिकारियों से कार्य की प्रगती रिपोर्ट ले रहे है ताकी जल्द से जल्द आईएमटी के कार्य को पूरा किया जा सके।

स्थानीय एसडीएम संजीव गुप्ता ने बताया कि स्थानीय प्रशासन गांव खुडाना के ग्रामीणों व एचएसआईआईडीसी के साथ तालमेल बनाकर आईएमटी के कार्य को जल्द से जल्द पुरा करेंगा। एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों बबीता शर्मा व कुलदीप कादयान ने पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा को आईएमटी के कार्य को लेकर अब तक हुई प्रगती के बारे में विस्तार से बताया।

इस मौके पर एचएसआईआईडीसी विभाग की तरफ से बबीता शर्मा, कुलदीप कादयान, ज्ञानवीर पूनिया, प्रदीप पूनिया, अशोक यादव, सतीश पटवारी, कंवर सिंह पटवारी, अमित पटवारी, खुडाना गांव के सरपंच प्रतिनिधि डॉक्टर नरेश कुमार,नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी, सुधीर दिवान,विष्णु तंवर, मंजू कौशिक, मलखान सिंह पूर्व सरपंच पाली, अमित भारद्वाज पाली, देवेंद्र यादव,मोतीलाल एडवोकेट, शकुंतला महाराज, सतवीर उर्फ भैरो, दिनेश यादव, विवेक यादव, कुलदीप शर्मा, अमित मिश्रा पवन खैरवाल सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

## उत्तर प्रदेश: केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रासायनिक उर्वरक राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल का किया गया स्वागत अभिनंदन

**सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेश:** केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा रासायनिक उर्वरक राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कैलहट मे यूनिटेक इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज में आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री जी ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मेजर कृपा शंकर सिंह, दिनेश कुमार सिंह, मोती लाल सिंह, धर्मदेव उपाध्याय, हरिशंकर सिंह, लाल बहादुर सिंह, गिरजा शंकर सिंह, डॉक्टर यशवंत सिंह, रामाश्रय सिंह, जगदीश सिंह पटेल, राजेंद्र प्रसाद शास्त्री। सुरेंद्र कुमार सिंह, धनंजय पटेल, सूर्यभान सिंह ,अमित कुमार सिंह, रामधनी सिंह, प्रकाश सिंह, उपेंद्र प्रताप सिंह, मनीष सिंह, दिवाकर पटेल, अरुणेश सिंह, जिला जीत सिंह, बालेश्वर सिंह, अनिल सिंह, अंकित सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, चिरंजीव सिंह, अजय कुमार सिंह, जाटव शंकर पांडे आदि ने माननीय केंद्रीय मंत्री जी को पुष्प गुच्छ देखकर उनका स्वागत अभिनंदन किया।

## राजस्थान: सीनियर सेकेंडरी विद्यालय के घटिया निर्माण कार्य से नींव वर्षा के कारण जमीन में धंसी दीवार

**प्रदीप शर्मा**

**राजस्थान:** माचाड़ी कस्बे के नजदीक बबेली ग्राम पंचायत के ईशवाना गांव में क्रमोन्नत सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के लिए कमरों का निर्माण कार्य समसा के द्वारा किया जा रहा है। जिसकी लागत ठेकेदार धर्म सिंह गुर्जर द्वारा चार करोड़ बारह लाख बताई जा रही है। इस विद्यालय के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री लगाने से नींव वर्षात के आने से जमीन में धंस गई और दीवार में दरार आ गई।

जब ग्रामीणों ने दीवार में दरार देखी और नींव को जमीन में धंसे हुए देखा तो ग्रामीणों ने विधायक तथा विद्यालय प्रिंसिपल और समसा जेईएन राजेश कुमार शर्मा को सूचना दी और बताया कि विद्यालय की बनाई हुई नींव की दिवार में दरार आ गई है और नींव जमीन में धंस गई है।मोके पर जाकर जब देखा तो वहां मौके पर उपस्थित मिडिया कर्मी नागपाल शर्मा ने समसा जेईएन राजेश कुमार शर्मा से पुछ लिया कि यह क्या मामला है। तो जेईएन शर्मा ने बताया कि वर्षा होने से मिट्टी बैठ गई जिसके कारण दीवार में दरार आ गई।

उसे पुनः निर्माण कर ठीक करवा दिया जाएगा। और निर्माण कार्य में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों का भविष्य विद्यालय की पढ़ाई से ही बनाया जाता है। जब विद्यालय की नींव ही कमजोर होगी तो बच्चों का भविष्य कैसे उज्जवल होगा। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय के कमरे घटिया सामग्री द्वारा बनाए जा रहे हैं। और इस कमी को हम ग्रामीण कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

विद्यालय बनाने में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इस पर समसा जेईएन राजेश कुमार शर्मा व ठेकेदार धर्म सिंह गुर्जर ने ग्रामीणों को बढ़िया तरीके से बिल्डिंग बनाने का आश्वासन दिया। लेकिन ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन ने अभी तक मौके पर आकर निरीक्षण नहीं किया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर आकर निरीक्षण करने की मांग की है।

## मध्य प्रदेश: मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तरनाऊ का निरीक्षण

**मनोज कुमार चोरदिया**

**मध्य प्रदेश:** नागौर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश कुमावत ने शुक्रवार को तरनाऊ के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। डॉ. कुमावत ने अस्पताल के निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. जगदेवाराम से वर्तमान में चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की रिपोर्ट ली। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने एक्स-रे मशीन के लिए रेडियोग्राफर की वैकल्पिक व्यवस्था करने तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर एंजेसी के माध्यम से नियमानुसार कार्मिक लगाने के निर्देश दिए।

इसके बाद डॉ. कुमावत ने यहां टीकाकरण कक्ष, प्रयोगशाला, आईपीडी वार्ड, प्रसूति कक्ष व दवा वितरण केन्द्र का अवलोकन किया। प्रसूति कक्ष के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि यहां विकसित की गई सुविधाओं को और अधिक अपडेट किया जाए। लेबर रूम प्रोटोकॉल का पूर्ण रूप से पालन किया जाए। यहां कुलिंग की समुचित व्यवस्था हो।

इसके अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आमजन की एनसीडी स्क्रीनिंग, आभा आईडी बनाने, बच्चों के नियमित टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन के कार्य से जुड़ी प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. कुमावत ने यहां पब्लिक हैल्थ सुपरवाइजर से आशा सहयोगिनी के कामकाज की रिपोर्ट ली और स्वयं इसका ऑनलाइन मूल्यांकन किया।

उन्होंने पीएचएस को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक आशा सहयोगिनी के कार्य का सतत मूल्यांकन करें और यह सुनिश्चित करें कि आशा प्रत्येक हैल्थ इंडीकेटर्स पर काम करे ताकि गांव-ढाणी तक बैठे व्यक्ति की हैल्थ रिपोर्ट अपडेट रहे, विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बच्चों के स्वास्थ्य पर पूरी निगरानी रखी जा सके।

## उत्तर प्रदेश: पीड़ित किसान की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

**जय प्राकाश शर्मा/उत्तर प्रदेश:** भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरयू शर्मा के आदेशनुसार व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र कसाना के नेतृत्व में जिला गौतम बुद्ध नगर के आईरिस बिल्डकोंन व इलाईट बिल्डर से पीड़ित किसान की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सोपा गया। जिसमें बिल्डरों द्वारा ग्राम सैनी के किसान अजित सिंह पुत्र मोहर सिंह को किसान आबादी का एक प्लाट मिला था किंतु अभी भी पीड़ित किसान लगातार बिल्डरों के चक्कर काटने में लगा हुआ है इसी को लेकर जिलाधिकारी ने ज्ञापन लिया।

तथा भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के पदाधिकारी जिलाधिकारी व बिल्डरों को 15 दिन का समय दिया गया अगर बिल्डर किसान को उसका अधिकार नहीं देते हैं तो भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन!

## उत्तर प्रदेश: पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा मनाया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस

**दीपक कौशल**

**उत्तर प्रदेश:** गोण्डा में शनिवार को उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में सदर तहसील गोण्डा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल व मुख्य विकास अधिकारी एम. अरून्मोली व राजस्व, पुलिस तथा अन्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगणों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस दौरान अधिकारीगणों द्वारा जनता की जनसमस्याओं को सुना गया तथा समस्याओं के त्वरित एवं गुणवक्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।

अधिकारीगणों द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशों से अधिकारी एवं कर्मचारीगणों को अवगत कराते हुये प्रार्थना-पत्रों की समयबद्ध जांच, कार्यवाही एवं समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय द्वारा तहसील कर्नलगंज पर जनता की जनसमस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

इसी प्रकार समस्त क्षेत्राधिकारीगण व प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों द्वारा अपने अपने तहसील पर जनता की जनसमस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत, क्षेत्राधिकारी नगर सौरभ वर्मा, क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा, तहसीलदार सदर, प्र0नि0 कोतवाली नगर आदि सहित राजस्व व पुलिस के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

## मध्य प्रदेश: एसडीओपी रवि भदोरिया ने बरसते हुए पानी के बीच मुक्तिधाम में किया औषधीय पौधों का रोपण

**अजय सिंह तोमर**

**मध्य प्रदेश:** पोरसा हर पौधे के अंदर औषधीय गुण होते हैं ' उनके गुणों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को रखनी चाहिए। आज एसडीओपी रवि भदोरिया ने बरसते हुए पानी के बीच शासन के आदेश अनुसार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मुक्तिधाम पोरसा में पौध रोपण किया। आज एस डी ओ पी रवी भदोरिया अंबाह ने पोरसा मुक्तिधाम पर किया औषधियों का पोधारोरण '

आज पोरसा मुक्तिधाम महकाल लोक में पितृवन में आदरणीय रवि भदोरिया जी एसडीओपी अंबाह ने पंचवटी के अंदर पितृ वन तयार किया जा रहा है जिसमें नाना प्रकार की औषधियों के पोधों सजाया जायेगा उस स्थल पर आदरणीय जी अशोक और कंची का पौधा रोपरन किया उसके बाद बारह ज्योतिलिंग और हरिश्चंद्र तरावती का मंदिर देख कर मन काभी प्रफुल्लित हुआ और का गहन अवलोकन किया।

फिर विदेशी पंछियों और खरगोश को देखा दाह संस्कार और शव को गंगाजल से महाकाल की जटाओ से निकाने बाली धारा पार्थिव शरीर को शुद्धीकरण किया जाता के मुंडन स्थल को देख कर कहा यह तो सत्यम शिवम्‌ स्थल को साकार कर दिया मुक्तिधाम की टीम को धन्यवाद दिया।

इस मौके पर एसडीओ श्री भदोरिया ने उपस्थित जनों को पौधों की औषधि गुणों के बारे में बताया हर वृक्ष में औषधि गुण की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को रखनी चाहिए जो हर समय कम आती है। कार्यक्रम में मुक्तिधाम के रचनाकार डॉ अनिल गुप्ता ,योग शिक्षक महेश पेगोरिया, नरेंद्र राठौर ,महेंद्र बाल्मीकि और पुलिस स्टाफ उपस्थित थे।

## एक नजर

### उत्तर प्रदेश: कनहर सिंचाई परियोजना के विस्थापित पैकेज का आसरा लगाए बैठे 55 वर्षीय अधेड़ की बांध जलाशय में डूबने से हुई मौत

**आनंद कुमार/उत्तर प्रदेश:** सोनभद्र जिले के अति महत्वाकांक्षी कनहर सिंचाई परियोजना अमवार नदी में बाढ़ का पानी आने व कनहर सिचाईं परियोजना बांध एरिया में पानी भरे जाने के बाद विस्थापितों के लिए खतरा बनता जा रहा है। प्रशासन व सिचाईं की लाख कोशिशों के बावजूद अभी भी कुछ विस्थापित परिवारों का लगाव अपने गांव से नही छूट पा रहा है। अभी भी कुछ विस्थापित परिवार ऐसे हैं। जो विस्थापन पैकेज की आस में झोपड़ी, प्लास्टिक, मड़ई डालकर निवास कर रहे हैं।

इसका खामियाजा कनहर डूब क्षेत्र के भीसूर गाँव निवासी रामदयाल पुत्र देवधन खरवार उम्र लगभग 55 वर्ष को अपनी जान देकर भुगतान पड़ा। रामदयाल की शुक्रवार की देर शाम कनहर बांध के जलाशय में डूबने से मौत हो गयी । ग्रामीणों ने बताया कि कल शाम अपने गांव भीसूर से डूब क्षेत्र के ही कोरची गांव जाने के लिए निकला था। रास्ते में मगरहर पुल के पास पुल पर अधिक पानी होने के कारण डूब गया । शुक्रवार की रात ग्रामीणों ने खोजने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नही मिला। शनिवार की दोपहर अमवार चौकी प्रशासन के सहयोग से ग्रामीणों ने शव को कनहर डेम के जलाशय से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

### उत्तर प्रदेश: यूपी गाँव में लगने वाला है ये टेक्स पंचायतो पर होगी जिम्मेदारी कराये जा रहे है कॉन्ट्रेक

**विपिन कुमार/उत्तर प्रदेश:** यूपी गाँव में लगने वाला है ये टेक्स पंचायतो पर होगी जिम्मेदारी कराये जा रहे है कॉन्ट्रेक. जल जीवन मिशन ग्रामीण के तहत यूपी के गाँव में हर घर नल से जल योजना के तहत दिए जा रहे पानी के कनेक्सन पर वोटर टेक्स ग्राम पंचायते ग्रामीणों से बसूलेगी ग्राम पंचायतो से अनुबंध कराये जा रहे है जल जीवन मिशन ग्रामीणों के तहत उत्तर प्रदेश के गाँव में हर घर नल से योजना के तहत दिए जा रहे है पानी के कनेक्शन पर वॉटर टेक्स ग्राम पंचायते ग्रामीणों से वसूलेगी इस बाबत ग्राम पंचायतो से अनुबंध कराये जा रहे है। अनुबंध के मुताबिक गाँव उक्त योजना के तहत बनबाई गयी पानी की टंकी की देखभाल और उसके पम्प के संचालन के लिए ऑपरेटर ग्राम पंचायते तैनात करेगी ऑपरेटर का मानदेय पम्प के संचालन उसके बिजली के बिल और पानी के कनक्सनों की पाइप लाइन पानी की टंकी आदि रखरखाब का सारा खर्च ग्राम पंचायते बसूले जाने बाले टेक्स से ही बहन करेगी प्रदेश में इस योजना के तहत कुल 43000 पानी की टंकिया बननी है और अभी तक 187 टंकिया ग्राम पंचायतो को हेंडओवर हो गयी है। राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा का कहना है की अच्छा होता की जिन कम्पनियो ने पानी की टंकिया बनायीं है उन्हें ही करीब दो साल तक पूरी विवस्था के संचालन की जिम्मेदारी दी जाती उन्होंने कहा की पानी की टंकिया बनाने बाली इन कम्पनियो ने टंकी के निर्माण के दौरान गाँव में क्षतिग्रस्त हुई सड़के नाली खड़ंजे आदि की मरम्मत भी पूरी नहीं की जबकि जिम्मेदारी उन्ही कम्पनियो की थी अब वॉटर टेक्स बसूलने से लेकर हर घर नल से जल योजना के संचालन की पूरी जिम्मेदारी भी ग्राम पंचायतो को दी गयी थी।

### बिहार: सुगौली नगर पंचायत में एक बार फिर आज से सफाई कर्मियों की शुरू हड़ताल

**मंसूर आलम/बिहार:** पिछले महीने 5 दिन चले हड़ताल को लेकर नगर पंचायत के कुछ वार्ड सदस्य और कार्यपालक पदाधिकारी ने मिलकर 5 दिन में समस्या को समाधान करने का वादा किया था। लेकीन हुआ कुछ नहीं अब सफाई कर्मियों का कहना है हमें अंधेरे में रखा जा रहा है। इसलिए अब अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगा जब तक पीएफ में गड़बड़ी करने वाले के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं हो जाती। ज्ञात हो की कुछ प्रतिनिधि हड़ताल खत्म कर अपना पीठ खूब थप थापा रहे थे आखिर क्यों गरीब सफाई कर्मियों के साथ धोखा किया जा रहा है आखिर क्या है इसका कारण।

### उत्तर प्रदेश: ज्वाइंट डायरेक्टर एजुकेशन ऑफिस का अफसर 30 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार, एंटी करप्शन ने की कार्रवाई

**छत्रपाल/उत्तर प्रदेश:** माध्यमिक शिक्षा परिषद के संयुक्त निदेशक कार्यालय के ऑडिटर को एंटी करप्शन की टीम ने 30 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के आरोप में कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है।

बरेली माध्यमिक शिक्षा परिषद के संयुक्त निदेशक कार्यालय के ऑडिटर को एंटी करप्शन की टीम ने 30 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के आरोप में कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। ऑडिटर कालीबाड़ी का रहने वाला राकेश कुमार वर्मा ने जीपीएस और पेंशन दिलाने के नाम पर एक लाख 25 हजार की रिश्वत की मांग की थी।

जीपीएफ फंड और पेंशन के लिए मांगी रिश्वत

बदांयू कोतवाली मोहल्ला चौधरी सराय लालपुल मोड़ निवासी रुपेश कुमार ने एंटी करप्शन टीम शिकायत की। आरोप था कि उनकी मां सरोज देवी नगर पालिका कन्या इण्टर कालेज बदायूं में सेविका के पद से 31 दिसंबर.2023 को रिटायर हुई। जीपीएफ फंड और पेंशन के लिए बदांयू शिक्षा कार्यालय से पत्रावली बरेली माध्यमिक शिक्षा परिषद्।

## संपादकीय

### संसद में आक्रामकता

संसद सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो चुका है। राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव दोनों सदनों में पारित किया जा चुका है, लेकिन जो देश के मानस को निरंतर मथता रहेगा, वह संसदीय अराजकता है। यह बिल्कुल भी अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। संसद में अब नियमों का उल्लंघन किया जाता रहेगा। राज्यसभा में उपराष्ट्रपति एवं सभापति और लोकसभा में स्पीकर मयार्दा और गरिमा की बार-बार दुहाई देना छोड़ दें, क्योंकि अब संसद में हिट एंड रन की राजनीति खेली जाएगी। अब संसद में भी प्रधानमंत्री एवं लोकसभा सदन के नेता का भाषण बाधित किया जाता रहेगा। यह मोदी-विरोधी रवैया और रणनीति है। आखिर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसदीय अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में अंतिम जवाब कौन देगा? राष्ट्रपति ने किसे प्रधानमंत्री बनाया है? अधिकांश जनादेश किसके पक्ष में है?

विपक्ष के मुताबिक, सत्ता पक्ष के एक-तिहाई जनादेश के मायने क्या हैं? विपक्ष को इन सवालों के जवाब कौन समझाएगा? हमने लोकसभा में यह पहली बार देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर दो घंटे 13 मिनट का भाषण दिया और उतनी ही देर तक विपक्ष के सांसद 'वेल' में और अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करते रहे। कमाल की क्षमता है भई! नारों का शोर इतना कानफाड़ू था कि प्रधानमंत्री के भाषण के तथ्य और भाषा बाधित हो रहे थे। अंततः प्रधानमंत्री को हैडफोन लगाना पड़ा, ताकि उन्हें शोर कम सुनाई दे और वह अपनी बात आराम से कह सकें। प्रधानमंत्री उस माहौल में भी बोलते रहे, क्योंकि मुख्यमंत्री रहते हुए और 2019 के प्रधानमंत्री काल में वह ऐसे शोर और विरोध को झेलते रहे हैं। सांसदों को नेता प्रतिपक्ष ने 'वेल' में जाने को उकसाया और बाध्य किया, लिहाजा स्पीकर ओम बिरला को उन्हें चेतावनी देनी पड़ी। क्या नेता प्रतिपक्ष की यह भूमिका भी होती है? जब नेता विपक्ष सदन में बोल रहे थे, तब प्रधानमंत्री समेत कुछ मंत्रियों ने उनके कथन पर आपत्ति जरूर की थी। सत्ता पक्ष ने शोर मचा कर, नारेबाजी करते हुए बाधित नहीं किया था। स्पीकर ने नियमों और संसदीय अनुशासन के बार-बार पाठ पढ़ाए, लेकिन विपक्षी सांसद आमादा थे कि प्रधानमंत्री के भाषण में रोड़े जरूर अटकाने हैं। यही उनकी राजनीतिक रणनीति थी, एजेंडा था। राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद की चर्चा के जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी करीब एक घंटा 50 मिनट तक बोले। विपक्ष उच्च सदन में भी नारेबाजी कर हंगामा मचाता रहा। चूंकि वहां विपक्ष की संख्या कम है और सांसद भी कम थे, लिहाजा विपक्ष ने संविधान के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष को न बोलने देने के मुद्दे पर बहिर्गमन की रणनीति अख्तियार की। सभी ने वॉकआउट किया।

# बाबाओं के मायाजाल में फंसती भीड़

> आजकल विभिन्न सामाजिक वर्गों में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है।

-प्रियंका सौरभ-

पिछले कुछ दशकों से उभरने वाले किस्म-किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोतने का का किया है। अपनी अनुयायी स्त्रियों के शारीरिक शोषण, हत्या-अपहरण से लेकर अन्य जघन्य अपराध करने वाले बाबाओं का प्रभाव इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज जनता को तो छोड़िये, सदिच्छाओं वाले राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, बुद्धिजीवी इत्यादि वर्ग भी उनसे घबराने लगा है। आखिर इन बाबाओं के महाजाल का समाजशास्त्र क्या है? इसी तरह सवाल यह भी है कि इनके पीछे जनता के भागने का क्या अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान है? आजकल विभिन्न सामाजिक वर्गों में अलग-अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव-कस्बों में भूत-प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद वे एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरुओं के यहां लाखों का चढावा चढाने से लेकर अपनी सफलता/असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते।

ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं। सवाल यह उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि से पिछले रसायन ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचैन हो चला है। इन्हीं सामाजिक-मनोवैज्ञनिक स्थितियों के बीच लोग जाने-अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं जो लोगों को हर दुःख-तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदाकर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है। यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुबार्नी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं।

लोग भी इन्हें मानते रहते हैं बिना यह महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है। छोटे शहरों में आज भी पाखंडी बाबाओं और फकीरों का भी जाल फैला हुआ है जिनकी नेमप्लेट अकसर इनके मल्टीटैलेंटेड(?) होने का आभास कराती है। ये अकसर खुद को ट्रैवल एजेंट (विदेश यात्रा करवाने का दावा), फाइनेंशियल एक्सपर्ट(फंसा हुआ धन निकलवाने का दावा), रिलेशनशिप एक्सपर्ट (प्रेम विवाह करवाने का, सौतन से छुटकारा दिलाने का दावा) और मेडिकल एक्सपर्ट (एड्स, कैंसर जैसी बीमारियां ठीक करने का दावा) आदि बताते हैं। कई लोग इनके झांसे में आ भी जाते हैं और इनका बैंक बैलेंस बढाते हैं। देश में राजसत्ता-तंत्र अपने सामाजिक-आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने भी का काम किया जाने लगा।

धीरे-धीरे वे लोगों के विवाद-झगड़ों का निपटारा भी करने लगे। वे ऐसे काम भी करने लगे जो राज्यसत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब-अभावग्रस्त और कम पढ़ी-लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक-मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं। इस तरह ये अपने अनुयायी बढ़ाकर सामाजिक वैधता हासिल करते हैं और फिर उसके बल पर राजनीतिक संरक्षण हासिल करने में समर्थ हो जाते हैं। बाबाओं को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कोई भी राजनीतिक दल पाक-साफ नहीं है। माना जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपना काला धन खपाने-छिपाने के लिए भी बाबा लोगों का इस्तोल करती हैं। चूंकि बाबाओं के पास अनुयायियों की अच्छी-खासी संख्या होती है इसलिए राजनीतिक दलों के लिए वे वोट बैंक का भी का करते हैं। किसी बात पर आंख मूंदकर विश्वास करने की प्रवृत्ति आज की स्मार्टफोन जेनरेशन से किस कदर तर्कहीन काम करा सकती है।

इस वर्ग के लोग आंखें मूंदकर दूसरों का अनुसरण करते है और अपने विवेक का इस्तेमाल करके निर्णय नहीं ले रहे हैं। वे किसी काम को सिर्फ इसलिए करते हैं, क्योंकि वह सालों से होता आ रहा है, या उसे बहुत सारे लोग कर रहे हैं, और कभी नहीं सोचते कि उसकी उपयोगिता क्या है। दूसरे शब्दों में कहें, तो ऐसे लोग सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक और भावनात्मक अंधविश्वासों में जकड़े होते हैं। इन लोगों का आइक्यू बेहद कम होता है और इन्हें बेहद आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। ये रैशनली नहीं सोचते, पर इमोशनली बेहद चार्ज्ड होते हैं। इनके दिल में आसानी से किसी चीज के लिए लगाव या नफरत पैदा की जा सकती है और ऐसा होने पर ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। आंख मूंद कर किया गया विश्वास न सिर्फ इनके लिए बल्कि दूसरों के लिए भी घातक साबित होता है। कबीर की शिक्षाओं का निचोड यही है कि हर तथ्य पर सवाल उठाएं। जब तक खुद उसे परख न लें, तब तक उस पर विश्वास न करें। दार्शनिक प्लूटो ने भी यही कहा है कि शासक हमेशा अनबायस्ड व्यक्ति को ही होना चाहिए। आज बहुत सारे लोगों में भीड का अनुसरण करने की मानसिकता है।

# सत्संग स्थल किसकी लापरवाही से बना श्मशान घाट?

-डॉ. रमेश ठाकुर-

हाथरस के सत्संग स्थल को किसने श्मशान घाट में तब्दील किया? ये सवाल घटना घट जाने के बाद हादसा स्थल के चारों ओर गूंज रहा है। जवाब कौन देगा और कौन है हादसे का जिम्मेदार?

ये सवाल भी वहां मुंह खोले खड़ा हुआ है। भगदड़ में मरने वालों की तितर-बितर फैली लाशें, कराहते घायल श्रद्धालुओं की चीखें देखकर परिजनों की हिम्मत जवाब देती दिखी। राहत-बचाव में जुटे कर्मियों के कलेजे भी कंपकपा रहे थे। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में संभावित या आपातकाल की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक इंतजाम अगर थोड़े से भी होते तो इतनी दर्दनाक घटना नहीं घटती। हैरानी की बात ये है कि हजारों सत्संगियों की रक्षा में मात्र 73 पुलिसकर्मी तैनात थे, जिनमें दो दर्जन तो होमगार्ड ही थे। घटना का शोर जब तेजी से मचने लगा तो सबसे सुरक्षाकर्मी ही भाग खड़े हुए। दूसरों को बचाने से बेहतर खुद की जान जान बचानी जरूरी समझी।

प्रशासन और आयोजक दोनों गहरी नींद में सोए हुए थे। सत्संग स्थल पर एक भी एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं थी। न ही कोई फायरब्रिगेड की गाड़ी वहां तैनात थी और न ही कोई विशेष अन्य व्यवस्थाएं की गईं थीं। इसलिए हाथरस भगदड़ को स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही का नतीजा इसलिए कहा जाएगा, क्योंकि जिस सत्संग स्थल पर बाबा भोले के प्रवचन का आयोजन था उसमें मात्र पांच हजार लोगों की बैठने-उठने की व्यवस्था थी। लेकिन लापरवाही देखिए 50 हजार से अधिक लोग सत्संग में पहुंचे हुए थे। इसलिए सत्संग स्थल कैसे बना श्मशान घाट? उसकी असल सच्चाई सबके सामने है। सत्संग स्थलों पर यह न पहला हादसा है और न ही अंतिम? इससे पूर्व भी कई दर्दनाक हादसे हुए। लेकिन घटना हो जाने पर शासन से लेकर प्रशासन तक खलबली मच जाती है। पर, जैसे ही मामले की तपिश कुछ शांत होती है, प्रशासन दूसरे हादसे का इंतजार करने लगता है।

हाथरस का लोकल प्रशासन अगर वास्तव में थोड़ा सा भी अलर्ट होता। इतने श्रद्धालुओं को सत्संग में पहुंचने की इजाजत नहीं देता, तो सैकड़ों लोग बेमौत मरने से बच सकते थे। उन्हें अपनी जान नहीं गंवानी पड़ती। हादसे होते ही प्रवचन सुनाने वाला बाबा पतली गली देखकर फरार हो गया। बाबा की हकीकत जानें तो वह कोई जन्मजात साधु, पंडा या प्रवचनकर्ता नहीं है और न ही लंबे समय से इस क्षेत्र में है। आधी उम्र बीतने के बाद उसे प्रवचन सुनाने का शौक चढ़ा। करीब 26 वर्ष तक इंटेलिजेंट ब्यूरो में सामान्य कर्मचारी के तौर पर नौकरी की, नौकरी छोड़ने के बाद उसके अपना नाम बदला और 'विश्व हरि भोले' रख लिया। फिर कूद पड़ा धर्म क्षेत्र में, बीते कुछ वर्षों में उन्होंने हिंदी पट्टी के राज्यों में लाखों की संख्या में अपने अनुयायी बनाए। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा व बिहार में उनके भक्तों की संख्या बहुतायत है। यह बाबा भी पूर्व के बाबाओं की तरह दुख-दर्द, हारी-बीमारी दूर करने का वादा करता है। ग्रामीण महिलाएं इनकी भक्त ज्यादा है। जाहिर सी बात महिलाएं जब कहीं जाती हैं तो अपने साथ छोटे बच्चों को जरूर ले जाती हैं। मंगलवार को भी कमोबेश कुछ ऐसा ही हुआ। सत्संग में भारी संख्या में महिला पहुंचीं। बच्चे भी थे उनके साथ। इसलिए हादसे में मरने वालों में नौनिहालों की भी संख्या काफी बताई जाती है। हादसे की जितनी निंदा की जाए कम है। सवाल उठता है सरकार-प्रशासन इस हादसे से कुछ सबक लेगा या फिर मुआवजा और सहानुभूति देकर मात्र मामला शांत करेगा। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और पक्ष-विपक्ष के नेता भी दुख प्रकट कर रहे हैं। करना भी चाहिए, घटना ही ऐसी, जो सुन रहा है उसके रोंगेटे खड़े हो रहे हैं। घटना का दोषी समूचा स्थानीय प्रशासन है, उसकी लापरवाही से ही ये घटना घटी। संत्सग में अधिक भीड़ इसलिए पहुंची , क्योंकि मंगलवार को सत्संग का समापन दिन था जिसमें अनुमानित पांच हजार से भी अधिक श्रद्धालु पहुंचे हुए थे।

घटना कैसे घटी ये जानना जरूरी है। प्रवचन सुनाने वाले बाबा की जब एंट्री हुई तो उसे करीब से देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उनके काफिले पर टूट पड़ी। अगर वहां दो-चार दर्जन सुरक्षाकर्मी तैनात होते तो ऐसी घटना शायद न घटती। वो भीड़ को नियंत्रित कर सकते थे। पर, यहां सवाल एक ये भी उठता है कि आयोजकों ने पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए? भीड़ अगर ज्यादा थी तो प्रशासन से अपील करनी चाहिए थी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के हताहत होने की खबर घटना के कुछ घंटों बाद ही सामने आ गई। सैकड़ों घायल श्रद्धालु विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। ईश्वर उनकी रक्षा करे, उन्हें जल्द स्वस्थ करे। लेकिन सत्संग स्थल कैसे समाधि स्थल बना इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। हादसे की खबर से समूचे देश की आंखें नम हैं। घटना हाथरस जिले के कस्बा रतिभानपुर इलाके की है। प्रदेश सरकार ने पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता देने का ऐलान कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की है। लेकिन यह मुआवजा वह जख्म कभी नहीं भर सकता, जो इस हादसे ने दिया है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, दोषी चाहे फिर आयोजक हों या प्रशासनिक अधिकारी।

# परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधार जरूरी

-अजीत रानाडे-

लगभग 25 वर्ष पहले आइआइटी, बंबई के निदेशक पद का कार्यकाल पूरा करने के तुरंत बाद प्रो. सुहास सुखात्मे का एक साक्षात्कार प्रकाशित हुआ था। उनसे एक प्रश्न यह पूछा गया था कि पांच साल के उनके कार्यकाल की कुछ विशेष बातें क्या रहीं। उन्होंने एक पंक्ति में जवाब दिया- ह्यमुझे किसी ने अपने बच्चे का प्रवेश कराने के लिए नहीं कहा।ह्ल इस उत्तर का गहरा महत्व है। इससे पहली बात तो यह निकलती है कि आप निदेशक को प्रभावित कर प्रवेश नहीं पा सकते। दूसरी बात, ह्यतंत्रह्ल का कोई व्यक्ति ऐसा कहने या करने की सोच भी नहीं सकता। मंत्री, उद्योगपति, राजनेता या अभिजन, कोई भी हो, प्रवेश परीक्षा के अलावा किसी अन्य तरीके से आइआइटी में दाखिला पाने के बारे में सोच नहीं सकता था। यह एक अलिखित नियम था, जो समय के साथ एक कायदा बन गया, जिसे सभी मानते थे। यह नियम संयुक्त प्रवेश परीक्षा की पवित्रता में भरोसे के कारण बना रहा और यह पवित्रता अनुल्लंघनीय थी। इसी कारण अन्य कुछ संस्थानों ने भी इस परीक्षा के अंकों को अपने यहां प्रवेश का आधार बनाया। यह प्रणाली लगभग चार दशकों तक चलती रही, जब केवल पांच आइआइटी संस्थान थे और परीक्षार्थियों की संख्या का प्रबंधन हो सकता था। परीक्षा की पूरी प्रक्रिया का संचालन बारी-बारी से आइआइटी संस्थान करते थे। आइआइटी के प्राध्यापकों की पीढ़ियों ने यह सुनिश्चित किया कि परीक्षा की शुचिता बनी रहे।

लेकिन एक समय के बाद यह संभव नहीं रहा। आपूर्ति और मांग के बीच खाई बढ़ती गयी। आइआइटी में प्रवेश के लाभ आसमान छूने लगे। कोचिंग क्लास उद्योग मनमाने तरह से चलने लगे। ऐसे में सीट बढ़ाने की जरूरत पैदा हुई। आइआइटी संस्थानों की संख्या बढ़ी, प्रवेश अधिक होने लगे और आवेदकों की तादाद भी बहुत हो गयी। साल 2013 के आसपास यह गंभीर नीतिगत चर्चा होने लगी कि सभी इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों के लिए देशभर में एक परीक्षा की व्यवस्था हो। इसका उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों को कई प्रवेश परीक्षाओं में बैठने की मुश्किलों से राहत दिलाना था। साथ ही, इससे देश में परीक्षाओं के स्तर भी समान होते। कोचिंग उद्योग द्वारा पैदा की गयी खाई और उनकी भारी कमाई से जुड़ी चिंताएं भी थीं। सो, हम ह्यएक परीक्षाह्ल व्यवस्था में आ गये। साल 2017 में एक अलग एजेंसी गठित की गयी, जिसे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) नाम दिया गया। यह एजेंसी विभिन्न परीक्षाओं के साथ चार बड़ी परीक्षाएं आयोजित करती है- मेडिकल प्रवेश के लिए नेशनल एलिजीबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (नीट), इंजीनियरिंग प्रवेश के लिए ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेइइ), यूजीसी-नेट और सेंट्रलाइज्ड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूइटी)। बीते कुछ वर्षों से इन सभी परीक्षाओं के अनुभव गड़बड़ियों से अछूते नहीं रहे हैं। इससे छात्रों और अभिभावकों की चिंताएं बहुत बढ़ी हैं। इन परीक्षाओं की तैयारी में अमानवीय दबाव के कारण छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों को भी नहीं भूलना चाहिए।

इस साल नीट (अंडरग्रेजुएट) और यूजीसी-नेट परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यूजीसी-नेट परीक्षा 19 जून को होने वाली थी। उसे महज एक दिन की सूचना पर रद्द कर दिया गया। इस परीक्षा में देशभर के 317 शहरों में लगभग नौ लाख छात्र बैठने वाले थे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इसलिए इस परीक्षा को रद्द किया क्योंकि उसे पर्चे लीक होने की आशंका थी। इससे पहले से ही नीट (अंडरग्रेजुएट) का मामला गर्म था, जिसके परिणाम चार जून को घोषित हुए थे। संयोग से उसी दिन लोकसभा चुनाव के नतीजे भी आये थे। इस परीक्षा में 571 शहरों और 4750 केंद्रों में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। लेकिन परिणामों में गड़बड़ियां लग रही थीं। जितने अंक लाकर पिछले साल 6800 के आसपास रैंक हासिल की जा सकती थी, इस बार उतने अंक में 21 हजार की रैंक मिली। इतना ही नहीं, 67 छात्रों को पूरे अंक मिले, जिनमें से छह छात्रों के क्रमांक एक ही अनुक्रम में थे और इनका परीक्षा केंद्र भी एक ही था। इससे रोष फैलना स्वाभाविक था। जब छात्रों ने सोशल मीडिया पर अपने अंकों को साझा किया, तो एक अजीब-सी बात देखी गयी, जिसका खुलासा एनटीए ने नहीं किया था। वह बात यह थी कि 1563 छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिये गये थे, जिसके बारे में किसी पूर्व शर्त की घोषणा नहीं की गयी थी। ऐसे अंक दिव्यांग छात्रों को ठोस कारणों से दिये जा सकते हैं, लेकिन इस मामले में वे इसलिए दिये गये क्योंकि परीक्षा केंद्र पर प्रश्न पत्र बहुत देर से पहुंचे थे

तब तक पूरा मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंच चुका था। ग्रेस मार्क्स को रद्द किया गया और पुनः परीक्षा का आदेश दिया गया। बड़े पैमाने पर पर्चा लीक होने की आशंका तथा एनटीए के दोषपूर्ण प्रणाली से जुड़े सवाल अभी हैं। ऐसा लगता है कि नकल का बड़ा घोटाला हुआ है। इस संबंध में बिहार और गुजरात में कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। न तो यह कहानी अभी खत्म हुई है और न ही छात्रों और अभिभावकों का भारी तनाव कम हुआ है। आज बड़े बदलावों और सुधारों की आवश्यकता है। ऑप्टिक मार्क्स रिकॉग्निशन (ओएमआर) के इस्तेमाल वाली परीक्षाओं के लिए उनको छापने, ढोने और सुरक्षित केंद्रों पर ले जाने की जरूरत होती है। अब ऐसी व्यवस्था की प्रासंगिकता नहीं है। महाराष्ट्र की एक महत्वपूर्ण सरकारी परीक्षा एजेंसी लगभग 15 साल पहले ही स्क्रीन-बेस्ड सिस्टम को अपना चुकी है। अत्याधुनिक तकनीकों के इस दौर में हमें ओएमआर जैसे तरीके की जरूरत नहीं है।

कंप्यूटर से सवालों के क्रम को ऐसे बदला जा सकता है कि सवाल बनाने वाले को इसका पता पर्चा सामने आने पर ही लगे। तकनीक आधारित समाधानों को देश में कई जगहों पर अपनाया गया है। हमें एक परीक्षा और एक राष्ट्रीय एजेंसी पर भारी दबाव को कम करना चाहिए।

## बिहार भाजपा में जड़ें कमजोर हुई तो

-प्रेमकुमार मणि-

बिहार भाजपा में इन दिनों भीतर-भीतर आग सुलग रही है। कारण कुछ बाह्य हैं, कुछ आंतरिक। केंद्र में भाजपा की सरकार तो बन गई है, लेकिन इस बार 2014 और 2019 जैसी सफलता नहीं मिली है। जब शीर्ष कमजोर होता है तो निचले स्तर पर जनतंत्र की कोपलें स्वतः उभरने लगती हैं। यही कारण है कि नेताओं की दबी हुई भावनाएं भी अभिव्यक्त होने लगी हैं। पिछले दिनों भाजपा नेता अिनी चौबे ने पार्टी मामलों पर टिप्पणी करके स्थिर जल में लहरें पैदा कर दी है। नतीजों के कारण यूं भी कुछ बेचैनी है।2020 के विधानसभा चुनाव में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ कर भी नीतीश की पार्टी भाजपा के मुकाबले बहुत पीछे रह गई थी। इस बार वह एक सीट कम लड़ कर भी बराबरी पर है। केंद्रीय स्तर पर भी जो लोक सभा के नतीजे आए हैं उसमें नीतीश अधिक प्रासंगिक और शक्तिमान हो गए हैं। अब चूंकि नीतीश की राजनीति बिहार केंद्रित है इसलिए स्वाभाविक है उनका प्रभाव बिहार पर पहले से अधिक होगा। बिहार भाजपा की परेशानी इन सब से ही बढ़ी है। जब नीतीश ने राजद के साथ 2022 में राजनीतिक समझौत किया था तब भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने बहुत सोच समझ कर सम्राट चौधरी को बिहार भाजपा का अध्यक्ष बनाया था। ऐसा इसलिए किया गया था कि सम्राट एक साथ नीतीश और तेजस्वी को राजनीतिक चुनौती दे सकेंगे। उस समय ऐसा लग रहा था कि जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल की समन्वित राजनीति का नेतृत्व जल्दी ही तेजस्वी करने वाले हैं। नीतीश कुमार इस तरह के संकेत भी दे रहे थे।ऐसे में भाजपा को तेजस्वी को जवाब देने लायक एक युवा नेतृत्व विकसित करना था। सम्राट चौधरी को आगे कर पार्टी ने यही किया था। सम्राट इस निकष पर खरे भी उतरे थे। उनकी लोकप्रियता बढ़ रही थी। बिहार-जहां राजनीति में जाति एक बड़ा फैक्टर होता है-के धरातल पर पिछड़े वर्ग के बड़े हिस्से को आकर्षित करने और सामान्य वगरे के लिए अनुकूल बने रहने की छवि उनकी बन रही थी। भाजपा का जो आधार वोट है उस में उनकी स्वीकृति भी पुख्ता हो रही थी।

इसी बीच जनवरी 2024 के आखिर में नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ हो लिये और पुराने सारे गणित गड्डमड्ड हो गए। यह लोक सभा चुनाव के ठीक पहले हुआ था।चुनाव में पिछली बार की तरह सफलता नहीं मिली, जबकि एक छोड़ 39 सीटों पर एनडीए को कामयाबी मिली थी, लेकिन इस चुनाव को 2019 के निकष पर देखना सही नहीं होगा। इस चुनाव में लालू प्रसाद ने जाति कार्ड खूब खेला। अपनी पार्टी और गठबंधन से सम्राट चौधरी के जनाधार क्षेत्र में सेंध लगाने की हरसंभव कोशिश की। इसके उलट सम्राट अपनी ही बिरादरी के किसी व्यक्ति को अपनी पार्टी का टिकट नहीं दिला सके। ऐसे में हवा यह बनी थी कि सम्राट चौधरी को लालू प्रसाद ने अपनी राजनीतिक चाल से ध्वस्त कर दिया है। उनकी पार्टी में भी इसी तरह की बात जोर बांधने लगी कि सम्राट की कोई राजनीतिक उपयोगिता नहीं सिद्ध हुई, लेकिन इन तमाम बातों के बीच सम्राट चुपचाप अपने काम में लगे रहे। उनके साथ दो चुनौती थी। पहली तो तेजस्वी यादव का राजनीतिक मुकाबला करना और दूसरा नीतीश जैसे कद्दावर नेता के साथ एकता बनाए रखना। इन दोनों स्तरों पर वह सफल रहे।सम्राट ने अपना संतुलन बनाए रखा। तेजस्वी के बाद सबसे अधिक चुनावी सभाएं उन्होंने की। अपने गृहक्षेत्र में लोजपा के एक ऐसे उम्मीदवार को जिताने में वह सफल हुए जिनका जाति के हिसाब से कोई वोट बैंक नहीं था। पूरे बिहार में अपने प्रभाव के वोट को ट्रांसफर कराने में वह लगभग सफल हुए। हां, सोन इलाके के शाहाबाद और मगध के कुछ चुनाव क्षेत्रों में उनकी नहीं चली। यहां महागठबंधन के विजयी नौ में से सात उम्मीदवार जीते हैं। यदि सम्राट ने अपना प्रभाव न दिखलाया होता तो बिहार एनडीए की स्थिति बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसी हो जाती। बिहार का सामाजिक-राजनीतिक मन-मिजाज उत्तर प्रदेश से मिलता-जुलता है।यदि बिहार में उत्तर प्रदेश जैसी स्थिति हो जाती, तो क्या होता? एनडीए को दस-बारह सीटें कम आती और इंडिया गठबंधन को उतनी ही अधिक। फिर तो केवल तेदेपा के हाथ में सरकार बनाने की कुंजी होती। सम्राट ने इस स्थिति से भाजपा को बाहर रख कर उसकी साख बचा ली। यह उनकी उल्लेखनीय सफलता है, लेकिन आने वाले समय में बिहार भाजपा के सामने बड़ी चुनौती आगामी विधान सभा चुनाव है, जो अगले वर्ष होने वाला है। इसके समय पूर्व होने की भी चर्चा है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

## आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

## संक्षिप्त खबरें

### निर्मला सीतारमण से मिले चंद्रबाबू नायडू, आंध्र की वित्तीय सहायता बढ़ाने पर विचार करने को कहा

**नई दिल्ली** । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू केंद्रीय बजट की प्रस्तुति से पहले शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। उन्होंने कर्ज के बोझ दबे राज्य की वित्तीय सहायता बढ़ाने पर जोर दिया। सूत्रों ने बताया कि नॉर्थ ब्लॉक में बैठक के दौरान नायडू ने राज्य में चल रही विभिन्न परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनके लिए उन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। सूत्रों ने कहा, "मुख्यमंत्री ने राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं और बढ़े हुए आवंटन की मांग के पीछे के तर्क को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया।" बैठक के दौरान तेलुगू देशम पार्टी के मंत्री मौजूद थे। राज्य सरकार के डेटा के अनुसार, राज्य सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश का ऋण 2019-20 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 31.02 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 33.32 प्रतिशत हो गया है। यह पिछले पांच वर्षों में राज्य की राजकोषीय स्थिति में गिरावट का संकेत देता है।

नायडू ने इन मुद्दों पर जोर दियाचंद्रबाबू नायडू ने पोलावरम सिंचाई परियोजना, पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष सहायता और नई राजधानी अमरावती के विकास के लिए धनराशि की मांग की है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद उत्पन्न हुए मुद्दों के समाधान पर भी जोर दिया। यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह केंद्रीय बजट की प्रस्तुति से पहले हो रही है।सूत्रों ने बताया कि सीतारमण ने चंद्रबाबू नायडू की चिंताओं को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि वह राजकोषीय बाधाओं के भीतर आंध्र प्रदेश की मांग पर गौर करेंगी। बता दें कि आंध्र प्रदेश सीएम ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) केंद्र में भाजपा नीत एनडीए सरकार में एक महत्वपूर्ण साथी हैं।

### अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग के हमले के पीछे चीनी कनेक्शन, वरिष्ठ वकील ने किया दावा

HINDENBURG RESEARCH

**नई दिल्ली** वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने आरोप लगाया है कि चीनी लिंक वाले एक व्यापारी ने शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट तैयार करवाई थी, जिसके कारण अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों को झटका लगा। इस सप्ताह की शुरूआत में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा था कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट एलएलसी और उसकी संस्थाओं ने अप्रत्यक्ष रूप से अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों को शॉर्ट करने में हिंडनबर्ग की सहायता की थी। बाजार नियामक की एक जांच से यह भी पता चला है कि कोटक महिंद्रा और हिंडनबर्ग ने अदाणी के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन लेने के लिए एक साथ साजिश रची। एक्स पर एक लंबी पोस्ट में जेठमलानी ने कहा कि किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट की आड़ में अमेरिकी व्यवसायी मार्क किंगडन ने अदाणी समूह पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग को काम पर रखा था। किंगडन ने अदाणी के शेयरों में कारोबार के लिए ऑफशोर फंड के साथ-साथ ऑफशोर अकाउंट स्थापित करने के लिए कोटक की अंतरराष्ट्रीय निवेश शाखा कोटक महिंद्रा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (केएमआईएल) से भी संपर्क किया। इसके बाद कोटक इंडिया अपॉर्चुनिटी फंड (ङ्कड्डऋ) का निर्माण हुआ। इस फंड ने कथित तौर पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट सार्वजनिक होने से पहले मॉरीशस के रास्ते से अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन ली थी और इसके लिए लगभग 40 मिलियन डॉलर किंगडन मास्टर फंड की ओर से दिए गए थे। वरिष्ठ वकील ने जिस स्मोकिंग गन का जिक्र किया, उससे पता चलता है कि किंगडन की पत्नी अनला चेंग, एक चीनी-अमेरिकी हैं, जिनकी किंगडन मास्टर फंड में बड़ी हिस्सेदारी है। वे संयुक्त राज्य अमेरिका में चीनी हितों के लिए एक लॉबिस्ट हैं।

### सीआईसीआई डेंशियल म्यूचुअल फंड ने एनर्जी ऑपर्च्युनिटीज फंड को किया लॉन्च

**नई दिल्ली** सीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एनर्जी ऑपर्च्युनिटीज फंड के लॉन्च की घोषणा की, जो ऊर्जा थीम पर आधारित एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। यह स्कीम 02 जुलाई, 2024 को सार्वजनिक सदस्यता के लिए खोली गई है और 16 जुलाई, 2024 को बंद होगी। यह ग्रीं अ''ड्ढंइङ्गल्ल स्कीम आवंटन की तारीख से पांच कारोबारी दिनों के भीतर निरंतर बिक्री और पुनर्खरीद के लिए फिर से खुलती है। यह किस तरह की म्यूचुअल फंड स्कीम है? यह ऊर्जा थीम पर आधारित एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। यह उत्पाद उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो दीर्घकालिक धन सृजन पारंपरिक और नए ऊर्जा क्षेत्रों और संबद्ध व्यावसायिक गतिविधियों में वृद्धि से जुड़ी और/या इससे लाभ उठाने की उम्मीद रखने वाली कंपनियों के उपकरणों में निवेश करना चाहते हैं। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के ईडी और सीआईओ और पेशकश के फंड मैनेजर, शंकरन नरेन ने कहा, ह्लऊर्जा औद्योगिक विकास और आर्थिक विकास की आधारशिला है। अक्षय ऊर्जा की ओर चल रहे बदलाव और सरकार के शुद्ध-शून्य उत्सर्जन को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, ऊर्जा विषय महत्वपूर्ण विकास क्षमता प्रदान करता है ह्लइस योजना के माध्यम से, निवेशक ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में कंपनियों के विविध पोर्टफोलियो तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं ह्लइस फंड में निवेश करने का मुख्य उद्देश्य क्या है इस योजना का निवेश उद्देश्य निवेशकों को तेल और गैस, उपयोगिताओं और बिजली जैसे उद्योगों/क्षेत्रों सहित पारंपरिक और नई ऊर्जा की खोज, उत्पादन, वितरण, परिवहन और प्रसंस्करण जैसी गतिविधियों में संलग्न कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी-संबंधित उपकरणों में निवेश करके दीर्घकालिक पूंजी प्रशंसा के अवसर प्रदान करना है। हालांकि, इस बात का कोई आश्वासन या गारंटी नहीं दी जा सकती है कि योजना का निवेश उद्देश्य हासिल किया जाएगा। मूल्यांकन और हालिया प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए, नरेन कहते हैं, "हालांकि निफ्टी एनर्जी इंडेक्स ने हाल ही में व्यापक बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन मूल्यांकन उचित बना हुआ है, और निवेशक दीर्घकालिक दृष्टिकोण से इस योजना पर विचार कर सकते हैं।

# मानक कटौती व एचआरए का दायरा बढ़ने का इंतजार इस बार के पूर्ण बजट में वेतनभोगियों को हैं ये उम्मीदें

**नई दिल्ली।** देश में आम चुनावों के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण केंद्रीय बजट का इंतजार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसी महीने यानी जुलाई में इसे सदन में पेश करेंगी। इस बार के केंद्रीय बजट में सरकार के पास वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए कराधान (टैक्सेशन) के प्रावधानों को परिष्कृत करने का एक उत्कृष्ट अवसर होगा। सरकार ने बार-बार समग्र प्रत्यक्ष कर संग्रह में वेतनभोगी व्यक्तियों के योगदान को स्वीकार किया है। ऐसे में देश के वेतनभोगी करदाता उत्सुकता से बजट घोषणाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आइए जानते हैं वेतनभोगी कर्मचारियों को पूर्ण बजट 2024 से क्या-क्या अपेक्षाएं हैं?

### आवास किराया छूट गणना में बदलाव

वर्तमान में, केवल चेन्नई, मुंबई, दिल्ली और कोलकाता अधिनियम के तहत हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) गणना के लिए मेट्रो शहरों के रूप में अर्हता प्राप्त करते हैं और इस मद में वेतन के 50% की छूट के लिए पात्र हैं। गैर-मेट्रो शहर के वेतनभोगियों के लिए एचआरए छूट के अंतर्गत 40% की छूट का प्रावधान है।

पिछले कुछ वर्षों में बेंगलुरु, हैदराबाद, गुड़गांव, पुणे जैसे शहरों में भी बुनियादी ढांचे का महत्वपूर्ण विकास हुआ है और इन शहरों में भी किराया पारंपरिक मेट्रो शहरों के लगभग बराबर हैं।

कहीं-कहीं तो यह मेट्रो शहरों से भी अधिक हैं। वेतनभोगियों की अपेक्षा है कि इस बार के पूर्ण बजट में नवविकसित शहरों को भी मेट्रो शहरों की श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए और इन शहरों के लिए भी 50% भत्ता दिया जाना चाहिए।

### नई रियायती व्यक्तिगत कर व्यवस्था में नए बदलाव की आस

नई रियायती व्यक्तिगत कर व्यवस्था का उद्देश्य पुरानी कर व्यवस्था की तुलना में व्यक्तिगत करदाताओं को टैक्स भुगतान की कम दर प्रदान करना है। इसे अपनाकर बहुत से व्यक्तिगत करदाता लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, नई कर व्यवस्था में आमतौर पर प्राप्त कटौती और छूट में से अधिकांश जिनके लिए वेतनभोगी व्यक्ति पुरानी व्यवस्था के तहत दावा करते थे, उन्हें नई कर व्यवस्था के तहत हटा दिया गया है। ऐसे में, नई कर व्यवस्था को वेतनभोगी कर्मचारी और अधिक आकर्षक बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। जानकारों के अनुसार वेतनभोगी व्यक्तियों आमतौर पर प्राप्त लाभों को बनाए रखना आवश्यक है। उन्हें सरकार की ओर से मकान किराया भत्ता के लिए छूट, स्व-कब्जे वाली गृह संपत्ति के लिए आवास ऋण पर ब्याज का भुगतान, पीएफ में कर्मचारी के योगदान के लिए कटौती, स्वास्थ्य बीमा आदि पर छूट मिलनी चाहिए। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये टैक्स लाभ ऐतिहासिक रूप से वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए टैक्स प्लानिंग का एक अभिन्न अंग थे। वेतनभोगी करदाता उम्मीद कर रहे हैं कि उन्हें इसलिए, पुरानी कर व्यवस्था के कुछ लाभों से वंचित नहीं रखा जाए।

**वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए मानक कटौती सीमा में वृद्धि...** वेतनभोगियों को राहत प्रदान करने के लिए, बजट 2018 में वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए 40,000 रुपये की मानक कटौती के प्रावधान में बदलाव किया गया था। इसे 1 अप्रैल, 2020 की अवधि से बढ़ाकर 50,000 रुपए कर दिया गया था। तब से इस सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वेतनभोगी कर्मचारियों की अपेक्षा है कि सरकार को पूंजीगत लाभ प्रावधानों के समान एक अनुक्रमित मानक कटौती लाने पर विचार करना चाहिए ताकि वेतनभोगी मुद्रास्फीति को प्रभावी ढंग से मात देने में सक्षम हो सके।

**नियोक्ता द्वारा प्रदान किए गए भोजन का कर मुक्त मूल्य बढ़े...** नियोक्ता द्वारा व्यावसायिक परिसर में या इलेक्ट्रॉनिक भोजन कार्ड के माध्यम से काम के घंटों के दौरान प्रदान किए गए मुफ्त भोजन और गैर-मादक पेय पदार्थों का मूल्य, जो हस्तांतरणीय नहीं हैं प्रति भोजन 50 रुपये तक ही गैर-कर योग्य है। हालांकि, फूड कूपन या कैंटीन के खर्च के लिए 50 रुपये प्रति भोजन की वर्तमान सीमा बढ़ती लागत और कर्मचारियों को प्रदान किए जाने वाले भोजन की अच्छी गुणवत्ता को देखते हुए अपर्याप्त हो सकती है। ऐसे में कर्मचारी इस सीमा को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

**वर्क फ्रॉम होम से जुड़े लाभ पर स्पष्टता...** पोस्ट कोविड काल में प्रदान की गई वर्क फ्रॉम होम की सुविधा अब एक आवश्यकता बन गई है। बहुत सी कंपनियों ने कर्मचारियों को दूरस्थ रूप से या हाइब्रिड मॉडल पर काम करने की अनुमति दी है।

नतीजतन, कर्मचारियों के लिए घर से काम करने के लाभों ने उद्योग में लोकप्रियता हासिल की है। उदाहरण के लिए, नियोक्ता द्वारा कर्मचारियों को प्रदान की जाने वाली एक बार होम ऑफिस सेटअप लागत घर से काम करने वाले कर्मचारियों को प्रदान किया जाने वाला सबसे आम लाभ है। ऐसे खर्चों पर इस बार के बजट में सरकार की ओर से स्पष्ट दिशा-निर्देश जो अब तक जारी नहीं किए गए हैं, की उम्मीद है।

**बच्चों की पढ़ाई के खर्च में मिले और राहत...** वर्तमान में बच्चों की शिक्षा और छात्रावास पर हुए खर्च (दो बच्चों तक के लिए) पर क्रमशः प्रति माह प्रति बच्चा 100 रुपये और 300 रुपये की छूट उपलब्ध है। बच्चों की पढ़ाई की लागत में उल्लेखनीय वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इस पर फिर से विचार करने और इन सीमाओं को बढ़ाए जाने की जरूरत है। ऐसे में वेतनभोगी इस बार के पूर्ण बजट में इस मद में भी राहत की उम्मीद कर रहे हैं। अगर सरकार ऐसा कोई निर्णय लेती है तो ये करदाताओं को राहत प्रदान करने वाली घोषणाएं होंगी। इससे उनके टेक होम वेतन में वृद्धि होगी। वे इस मद में बचे पैसों का दूसरे खर्चों में इस्तेमाल कर सकेंगे, इससे अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ेगी और बाजार का विस्तार होगा।

## सोने के गहने भी ईएमआई पर खरीदने की मिले अनुमति सराफा बाजार को बजट से उम्मीदें

**मुंबई** छोटे ज्वेलरी व्यापारी अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए कई तरह की स्कीम अपने ग्राहकों के लिए पेश करते रहे हैं। बड़े संगठित ज्वेलर्स भी बिक्री बढ़ाने और ग्राहकों आकर्षित करने के लिए कई तरह के ऑफर देते रहते हैं। ज्वेलर्स अब सरकार से कंज्यूमर ड्यूरेबल की तरह सोने के गहनों को आसान किश्तों यानी ईएमआई पर खरीदने की अनुमति सरकार से मांग रहे हैं। ज्वेलर्स इसकी मांग पिछले तीन से चार से कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से इसको लेकर अभी तक कोई बात नहीं कही गई है। इसी महीने बजट पेश होने वाला है। इसलिए एक बार फिर से ज्वेलर्स सोने पर आयात ड्यूटी घटाने और सोने की बिक्री को बढ़ाने के लिए ईएमआई पर गहनों खरीदारी को अनुमति देने की मांग कर रहे हैं।

**ईएमआई पर गहनों को बेचने की मिले अनुमति...** मुंबई ज्वेलर्स एसोसिएशन के कुमार जैन का कहना है कि गहनों को भी ईएमआई पर खरीदने की अनुमति इस बजट में सरकार से को देनी चाहिए। इससे सोने के गहनों की बिक्री बढ़ेगी विशेषकर छोटे और मध्यम वर्ग के लोग जो अधिक महंगा होने की वजह से सोने की खरीदारी नहीं कर पाते हैं, वह भी ईएमआई पर गहनों को खरीदारी कर सकेंगे। इससे छोटे ज्वेलर्स की बिक्री भी बढ़ेगी।

**आयात शुल्क 15 से घटाकर 10 प्रतिशत करने की मांग...** जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग कुल निर्यात में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान देता है। सराफा बाजार इस बार सरकार से बजट में गहनों की खरीदारी के लिए ईएमआई की अनुमति देने के अलावे गहनों के लिए पूरे भारत में अनिवार्य हॉलमार्किंग और घरेलू व्यापारियों के लिए गिफ्ट सिटी में आभूषण निर्यात के लिए केंद्र की स्थापना करने की भी मांग कर रहा है। अल्पविकसित देशों (एलडीसी) और मुक्त व्यापार समझौता वाले देशों से आयात शुल्क लाभ रोकने की भी उद्योग को अपेक्षा है क्योंकि यह बाजार का नुकसान बढ़ानते हैं। मौजूदा आयात शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करने की मांग उद्योग की ओर से की जा रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड से ब्याज पर मिले आयकर छूट की अनुमति इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता का कहना है कि इंडस्ट्री की परेशानियों और उम्मीदों की लिस्ट सरकार तक पहुंचा दी गई है।

## कमजोर शुरूआत के बाद खरीदारी लौटी; सेंसेक्स सपाट बंद हुआ, निफ्टी में हरे निशान पर क्लोजिंग

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी करोबारी दिन सपाट क्लोजिंग हुई। हालांकि शुरूआती कारोबार में 500 अंकों की कमजोरी के बाद आखिरी सत्र में बाजार में खरीदारी लौटी। आखिरकार सेंसेक्स 53.07 (-0.06%) अंकों की गिरावट के साथ 79,996.60 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 21.70 (0.09%) अंकों की बढ़त के साथ 24,323.85 के स्तर पर हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 3% तक का उछाल दिखा। स्टेक बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में भी मजबूती दिखी। इससे भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स दिन के निचले स्तरों से रिकवर होकर सपाट बंद होने में सफल रहे। हालांकि एचडीएफसी बैंक के शेयरों में कमजोरी ने बाजार की चाल को सुस्त किया। कमजोर कारोबार के बावजूद बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप शुक्रवार को बढ़कर 450 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

**निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर ये रहे...** सेंसेक्स के समूह में शामिल शेयरों में से भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, लार्सन एंड टुब्रो, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, आईटीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी दर्ज की गई। दूसरी तरफ एचडीएफसी बैंक, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "घरेलू बाजार में मिले-जुले रुझान के साथ कारोबार हुआ, जिसमें बैंक क्षेत्र का दबदबा रहा। जून तिमाही में शीर्ष बैंकों की जमा वृद्धि में तिमाही आधार पर गिरावट आने से चिंता और बढ़ गई।

नायर ने कहा कि मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया और संबंधित बीएसई सूचकांकों ने अब तक के उच्चतम स्तर को छुआ। एशिया के अन्य बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बृहस्पतिवार को बाजार बंद रहे। सेंसेक्स पिछले कारोबारी सत्र में 62.87 अंकों की बढ़त के साथ 80,049.67 पर बंद हुआ था, जो इसका उच्चतम स्तर है। निफ्टी भी 15.65 अंक बढ़कर रिकॉर्ड 24,302.15 पर बंद हुआ था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदार रहे। उन्होंने 2,575.85 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की।

## पहली छमाही में मकानों की बिक्री 11 फीसदी बढ़कर 11 साल के शीर्ष पर, नाइटफ्रैंक इंडिया ने रिपोर्ट जारी की

**नई दिल्ली।** देश के आठ प्रमुख शहरों में 2024 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 11 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस अवधि में कुल 1,73,241 मकान बिके। कुल बिक्री में प्रीमियम मकानों की हिस्सेदारी 34 फीसदी रही। नाइटफ्रैंक इंडिया की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी-जून, 2024 में आठ शहरों में कार्यालय के लिए जगह की मांग भी 33 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 3.47 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन-एमडी शिशिर बैजल ने कहा, मजबूत आर्थिक बुनियाद और स्थिर

सामाजिक-राजनीतिक हालात के कारण देश का रियल एस्टेट बाजार कुछ तिमाहियों में तेजी से बढ़ा है। आवासीय और कार्यालय के लिए स्थानों की मांग दशक भर में सबसे अधिक रही। एक साल में नौ फीसदी तक बढ़े दाम आठ प्रमुख शहरों में पहली छमाही में सालाना आधार पर मकानों की कीमतें 9 फीसदी तक बढ़ी हैं। बंगलूरू में कीमत सबसे ज्यादा 9 फीसदी बढ़ी है। मकानों के दाम कोलकाता में 6 फीसदी, हैदराबाद-चेन्नई में पांच-पांच फीसदी, मुंबई-एनसीआर-पुणे में चार-चार फीसदी और अहमदाबाद में एक फीसदी बढ़े हैं।

**मुंबई में कार्य स्थल की सर्वाधिक मांग...** रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में कार्यालय स्थल की मांग 79 फीसदी बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। दिल्ली-एनसीआर में यह 11.5 फीसदी बढ़कर 57 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। बंगलूरू में 21 फीसदी बढ़कर 84 लाख वर्ग फुट और पुणे में 88 फीसदी बढ़कर 44 लाख वर्ग फुट पहुंच गई।

हैदराबाद, कोलकाता व अहमदाबाद में भी कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी है। हालांकि, चेन्नई में इसमें गिरावट आई है। मुंबई-एनसीआर में सर्वाधिक बिक्री हुई है।

## आरबीआई के बंपर लाभांश से विनिवेश की कम होगी जरूरत

**नई दिल्ली।** आरबीआई की ओर से मिले 2.1 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश से सरकार को चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की कम जरूरत हो सकती है। केयर रेटिंग्स ने कहा, नई सरकार विनिवेश से प्राप्तियों पर अंतरिम बजट में 50,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को बरकरार रख सकती है। रेटिंग एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा, आरबीआई के बंपर लाभांश से केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति आरामदायक बनी हुई है। ऐसे में बड़े विनिवेश की जरूरत खत्म हो सकती है। शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में सरकार चालू वित्त वर्ष में हिस्सा बेच सकती है। इससे 12,500 से 22,500 करोड़ मिल सकते हैं। अन्य संभावित बिक्री में

कॉनकॉर और पवन हंस शामिल हैं। पिछले दस वर्षों में सरकार ने विनिवेश से 5.2 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। सरकार अपनी कंपनियों में 51 फीसदी तक हिस्सेदारी रखती है तो भी उसे बिक्री से 11.5 लाख करोड़ मिल सकते हैं। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में हिस्सेदारी बेचने से सरकार को पांच लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।

## सुजुकी कॉर्पोरेशन ने भारत वेंचर्स में 340 करोड़ का किया निवेश

**नई दिल्ली।** दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक में अपनी उपस्थिति को बेहतर बनाने के लिए, सुजुकी मोटर कॉर्प ने देश में सामाजिक प्रभाव वाले स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के विकास उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी सहायक शाखा 'नेक्स्ट भारत वेंचर्स क्क्रह्उ प्राइवेट लिमिटेड' में 340 करोड़ रुपये का निवेश किया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस फंड का निवेश कृषि और माइक्रोफाइनेंस से संबंधित स्टार्टअप में किया जाएगा और ग्रामीण उद्यमियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। यह कदम कथित तौर पर ऐसे महत्वपूर्ण समय पर उठाया गया है, जब सुजुकी जून में एक प्लांट शुरू करने के साथ भारत में बायोगैस जैसे नए क्षेत्रों में कदम रख रही है। इस प्रकार, सुजुकी को उम्मीद है कि छोटे, गांव-आधारित उद्यमियों को लक्षित करने वाला यह फंड वंचित क्षेत्रों में व्यावसायिक अवसर पैदा करने में मदद करेगा, जिससे इसके मौजूदा ग्राहकों से परे इसकी अपील बढ़ेगी। कंपनी की प्रमुख पहल, 'नेक्स्ट भारत रेजीडेंसी प्रोग्राम' 14 अक्टूबर से शुरू होने वाला है, जिसमें शुरूआती चरण के उद्यमियों के लिए 4 महीने की इमर्सिव रेजीडेंसी शामिल है, ताकि उद्यमियों को महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाया जा सके, जिससे ग्रामीण और अनौपचारिक अर्थव्यवस्थाएं भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण तत्व बन सकें। सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने कहा, "भारत में लगभग 1.4 बिलियन लोग हैं, लेकिन हम अपने मोबिलिटी व्यवसाय के साथ केवल 0.4 बिलियन तक ही पहुँच पाए हैं।

## टमाटर की कीमतें बढ़ी 70-80 रुपये प्रति किलो पर पहुंची

**नई दिल्ली।** ऑनलाइन मार्केटप्लेस ओटीपी और ब्लिंकिट टमाटर 80 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेच रहे हैं। स्थानीय विक्रेता११ृ' कीमतों में वृद्धि का श्रेय टमाटर की थोक कीमतों में तेज वृद्धि को देते हैं, जो 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है ह्लहाल ही में आई भीषण गर्मी के कारण आपूर्ति में कमी के कारण दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमतें बढ़कर लगभग 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। दिल्ली-एनसीआर में फलों और सब्जियों की प्रमुख आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी अपने खुदरा स्टोर 'सफल' के माध्यम से टमाटर 75 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेच रही है। स्थानीय विक्रेता उन्हें 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेच रहे हैं।

मदर डेयरी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, "उत्तर के पहाड़ी क्षेत्रों में टमाटर उगाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में हाल ही में आई भीषण गर्मी ने फसल के उत्पादन को प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप खुदरा बाजारों में आपूर्ति सीमित हो गई है और इसके परिणामस्वरूप कीमतों में उतार-चढ़ाव आया है।" स्थानीय विक्रेता खुदरा में वृद्धि का श्रेय टमाटर के थोक मूल्यों में तेज वृद्धि को देते हैं, जो 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है ह्लहालांकि, उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमतें 55 रुपये प्रति किलोग्राम हैं। शुक्रवार को टमाटर की औसत अखिल भारतीय कीमत 58.25 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि मॉडल कीमत 50 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

**सब्जी थाली महंगी हुई** टमाटर की अधिकतम और न्यूनतम कीमतें क्रमशः 130 रुपये प्रति किलोग्राम और 20 रुपये प्रति किलोग्राम हैं। टमाटर के अलावा, आलू और प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतें क्रमशः 35.34 रुपये प्रति किलोग्राम और 43.01 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं।

शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, प्याज, आलू और टमाटर की ऊंची कीमतों के कारण जून में औसत शाकाहारी थाली 10% अधिक महंगी हो गई। हालांकि, क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रिपोर्ट 'रोटी चावल की कीमत' के अनुसार, मांसाहारी भोजन की थाली सस्ती हो गई। शाकाहारी थाली, जिसमें रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दही और सलाद शामिल हैं, की कीमत जून में 10% बढ़कर 29.4 रुपये प्रति प्लेट हो गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 26.7 रुपये थी। उन्होंने कहा कि यह मई 2024 में 27.8 लाख रुपये से अधिक है।

# भारत की टी20 विश्व चैंपियन टीम स्वदेश लौटी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम बृहस्पतिवार को विशेष विमान से स्वदेश लौट आई। लगातार बूंदाबादी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हवाई अड्डे पर प्रशंसकों ने खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया जिसके बाद टीम के सदस्यों ने नाश्ते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे सैकड़ों प्रशंसक मौसम की परवाह किए बिना विभिन्न नारे लिखे बैनर और राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई दी।

पिछले शनिवार को टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों की वापसी के दौरान नाच-गाना हो रहा था, खूब सारे केक थे और सड़कों पर प्रशंसक थे जो दर्शा रहे थे कि क्रिकेट देश में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला खेल क्यों है। थके हुए खिलाड़ी भी हवाई अड्डे से होटल पहुंचने के बाद मस्ती में शामिल हुए और पार्टी का माहौल पूरा किया।

इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी टीम इंडिया के सदस्यों से बात करते हुए नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी से टीम इंडिया के सभी सदस्य लोक कल्याण मार्ग पहुंचे थे। इस दौरान टीम इंडिया को चैम्पियन बनाने वाले कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच राहुल द्रविड़ ने प्रधानमंत्री को टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी उनके हाथों में थमा दी दी।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव से बात करते हुए नजर आए। वहीं, एक मौका ऐसा भी आया, जब खिलाड़ी पीएम मोदी को किसी बात को सुनकर ठहाके लगाने लगे। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद भारतीय क्रिकेट टीम 7 लोक कल्याण मार्ग से रवाना हुई।

वर्ष 2011 में जीते पिछले विश्व कप का जिक्र करते हुए एक प्रशंसक ने कहा, हम पिछले 13 साल से इस पल का इंतजार कर रहे थे। टीम ने विश्व कप जीतकर हमें गौरवांवित किया है। उन्होंने दावा किया कि वह सुबह करीब साढ़े चार बजे से हवाई अड्डे पर मौजूद हैं। तूफान बेरिल के चलते बारबाडोस में 'शटडाउन' के कारण भारतीय टीम खिताब जीतने के तुरंत बाद स्वदेश नहीं लौट पाई थी। खिलाड़ी अपने होटल में ही रुके थे जिसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने वापसी के लिए विशेष उड़ान का इंतजाम किया।

एअर इंडिया का विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी 'एयर इंडिया चैम्पियंस 24 विश्व कप' बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह चार बजकर 50 मिनट पर बारबाडोस से रवाना हुआ और 16 घंटे बिना रुके यात्रा करने के बाद बृहस्पतिवार सुबह छह बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली पहुंचा। हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी लेकिन इससे प्रशंसकों का उत्साह कम नहीं हुआ। उत्साह से लबरेज प्रशंसक स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पोस्टर लेकर नारे लगा रहे थे।

खिलाड़ियों को आईटीसी मौर्या शेरेटन होटल ले जाने के लिए टी थ्री टर्मिनल के बाहर दो बसें खड़ी थी। होटल पहुंचने पर ढोल और पारंपरिक भांगड़ा डांस से उनका स्वागत किया गया। कप्तान रोहित शर्मा, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत सहित अधिकांश खिलाड़ियों ने भांगड़ा कर रहे डांसरों के साथ डांस किया। यहां तक कि इस दौरान तैनात सुरक्षाकर्मियों के चेहरों पर भी मुस्कान थी। लंबी यात्रा की थकान के बावजूद खिलाड़ियों ने उन सभी से हाथ मिलाया जो उनसे मिलना चाहते थे।

खिलाड़ी केक काटने के बाद अपने कमरों में चले गए। यह सब मीडिया की अपेक्षित हलचल के बीच हुआ। कुछ देर बाद वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास के लिए रवाना हो गए। खिलाड़ियों का पूरे दिन का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। होटल लौटने से पहले भारतीय दल ने प्रधानमंत्री के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर करीब दो घंटे बिताए। इससे पहले हवाई अड्डे पर आव्रजन औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दल के सदस्य एक-एक करके या दो-दो करके बाहर निकले।

थके हुए लेकिन उत्साहित खिलाड़ियों ने प्रतीक्षा कर रहे प्रशंसकों का हाथ हिलाकर और गर्मजोशी से मुस्कुराते हुए अभिवादन किया। फाइनल में डेविड मिलर का शानदार कैच पकड़कर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार नारों का जवाब देने में सबसे अधिक उत्साहित थे।

## पाकिस्तान व्यस्त सत्र में करेगा इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की मेजबानी

**कराची, एजेंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतिम समय में अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला घोषित करने की परंपरा से हटते हुए शुक्रवार को पुष्टि की कि पुरुष टीम 2024-25 सत्र में इंग्लैंड के खिलाफ 'हाई प्रोफाइल' श्रृंखला सहित नौ टेस्ट, 14 वनडे और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी।

पाकिस्तान इस साल अक्टूबर में तीन मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करेगा जबकि बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के दौरे भी कैलेंडर में शामिल हैं।

पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा, ह्यह्ये श्रृंखलायें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान का स्थान मजबूत करने के लिए हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है। पीसीबी ने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश रावलपिंडी (21 से 25 अगस्त) और कराची (30 अगस्त से तीन सितंबर) में दो टेस्ट खेलेगा और अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरूआत करेगा जिसका समापन नौ मार्च को प्रस्तावित आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी 2025 फाइनल से होगा। पाकिस्तान का सामना तीन टेस्ट में इंग्लैंड से होगा जो मुल्तान (सात से 11 अक्टूबर), कराची (15 से 19 अक्टूबर) और रावलपिंडी (24 से 28 अक्टूबर) में होंगे जबकि वेस्टइंडीज कराची (16 से 20 जनवरी) और मुल्तान (24 से 28 जनवरी) में दो टेस्ट के लिए दौरा करेगी।

इनके अलावा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ एक त्रिकोणीय श्रृंखला भी होगी। पाकिस्तान इस दौरान नौ वनडे, इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट के लिए आस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा।

## कोहली, जडेजा ने मुंबई पुलिस को धन्यवाद दिया

**मुंबई, एजेंसी।** भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने खिलाड़ियों के भव्य स्वागत और खेल प्रशंसकों को संभालने के लिए इतनी अधिक संख्या में पुलिस की मौजूदगी से अभिभूत होकर शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम की 'विक्ट्री परेड' के दौरान अभूतपूर्व काम करने के लिए मुंबई पुलिस को धन्यवाद दिया।

मुंबई पुलिस ने खिलाड़ियों के स्वागत के लिए उमड़े जनसैलाब को व्यवस्थित ढंग से संभाला।

बारबडोस से 16 घंटे की उड़ान के बाद भारतीय टीम गुरुवार को स्वदेश लौटी जिसके बाद खिलाड़ी दिल्ली में प्रधानमंत्री से मिलने के बाद 'विक्ट्री परेड' के लिए मुंबई पहुंचे जहां लाखों की संख्या में क्रिकेट प्रशंसक मौजूद थे।

परेड के बाद वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया जहां खिलाड़ियों ने डांस किया और जीत पर अपने विचार साझा करने के बाद 'विक्ट्री लैप' ली।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले शनिवार को फाइनल में मिली सात रन की जीत के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे कोहली ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, टीम इंडिया की 'विक्ट्री परेड' के दौरान शानदार काम करने के लिए मुंबई पुलिस के सभी अधिकारियों और स्टॉफ को हार्दिक सम्मान और धन्यवाद। आपके सर्मपण और सेवा की सराहना करता हूं। जय हिंद।

फाइनल के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा करने वाले कोहली यहां अपनी प्रतिबद्धता पूरा करने के बाद आज सुबह लंदन के लिए रवाना हुए।

आल राउंडर रविंद्र जडेजा ने भी पुलिस बल का इसी तरह धन्यवाद देते हुए पोस्ट किया, मुंबई पुलिस आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया। आपने बीती रात शानदार काम किया।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा की थी, उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज की इमोजी के साथ 'एक्स' पर लिखा, यह आपके लिये।

सीनियर ऑफ स्पिनर आर अश्विन अमेरिका में टीम का हिस्सा नहीं थे, उन्होंने कहा कि वह इस जश्न को देखकर अभिभूत हो गये। उन्होंने लिखा, मुंबई में कल जश्न के सभी वीडियो और फोटो देखकर मेरा दिल भर आया। इस देश ने इस खेल को इतना कुछ दिया है जो अभी तक जारी है। एक बार फिर चैम्पियन खिलाड़ियों पर फक्र है।

### रोहित ने टी20 विश्व कप जीत के बाद की पांड्या की तारीफ

## कहा-आखिरी ओवर फेंकने के लिए उन्हें सलाम

**मुंबई, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी 20 विश्व कप 2024 के फाइनल के दौरान आखिरी ओवर में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की शानदार गेंदबाजी की तारीफ की।

भारतीय टीम ने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर दूसरी बार प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीती। रोहित ने टी20 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की।

मुंबई में जन्मे इस क्रिकेटर ने ट्रॉफी जीतने की खुशी में वानखेड़े में आयोजित सम्मान समारोह में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

रोहित ने कार्यक्रम के दौरान कहा, यह ट्रॉफी पूरे देश के लिए है। देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ियों के साथ-साथ हम इसे अपने प्रशंसकों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने 11 साल तक इसका इंतजार किया है।

इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की प्रशंसा की और उन्हें धन्यवाद कहा।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, मुंबई कभी निराश नहीं करती। हमें शानदार स्वागत मिला। टीम की ओर से हम प्रशंसकों का धन्यवाद करना चाहते हैं। मैं बहुत-बहुत खुश और राहत महसूस कर रहा हूं।

अंत में, इस बेहतरीन बल्लेबाज ने फाइनल के आखिरी ओवर में पांड्या की शानदार गेंदबाजी की सराहना की।

उन्होंने कहा, हार्दिक हमारे लिए आखिरी ओवर फेंक रहे थे। आखिरी ओवर फेंकने के लिए उन्हें सलाम। आप जानते हैं, चाहे आपको कितने भी रन चाहिए हों, उस ओवर को फेंकने का हमेशा बहुत दबाव होता है। लेकिन उन्हें सलाम। हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर के महत्वपूर्ण विकेटों के साथ फाइनल में बड़ा योगदान देने वाले इस ऑलराउंडर ने बल्ले और गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया और इस श्रेणी में नंबर 1 पर पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

हार्दिक पांड्या ने बल्ले से निचले क्रम में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और जब टीम को उनकी जरूरत थी, तब गेंद से भी सफलता हासिल की। उन्होंने 150 से ज्यादा की बैटिंग स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए और 11 विकेट भी लिए।

रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद 20 ओवर के प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। 159 मैचों में 4231 रन के साथ, रोहित इस प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हैं। उनके नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा शतक (पांच) लगाने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने दो टी20 विश्व कप जीते हैं: पहला 2007 में प्रतिस्पर्धा करते हुए और मौजूदा 2024 में कप्तान के तौर पर।

टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्यों का गुरुवार को दिल्ली से मुंबई पहुंचने के बाद मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक खुली छत वाली बस में विजय परेड के दौरान जोरदार स्वागत किया गया।

## एक नजर

### प्रज्ञानानंदा ने कारूआना को ड्रॉ पर रोका, गुकेश ने गिरि से ड्रॉ खेला

**बुकारेस्ट (रोमानिया), एजेंसी।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में अमेरिका के फेबियानो कारूआना से ड्रॉ खेला जबकि विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने नीदरलैंड के अनीश गिरि से बाजी बराबरी पर खत्म की। चौथी बार एक भी मुकाबले का नतीजा नहीं निकला और सभी बाजियां ड्रॉ रही। कारूआना ने दस खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में आधा अंक की बढत बना रखी है। आठ मुकाबलों में पांच अंक लेकर कारूआना शीर्ष पर हैं जबकि प्रज्ञानानंदा, गुकेश और फ्रांस के फिरोजा अलीरजा उनसे आधा अंक पीछे हैं। रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव चार अंक लेकर पांचवें स्थान पर हैं। अमेरिका के वेसली सो, उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और गिरि के 3.5 अंक हैं।

### एशियाई युगल स्क्वाश के पहले दिन जीते अभय सिंह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के जोहोर में चल रही एशियाई युगल स्क्वाश चैम्पियनशिप के पहले दिन भारतीय चुनौती की अगुवाई करते हुए अपने दोनों वर्गों में जीत दर्ज की। भारतीय दल ने पांच में से चार मुकाबले जीते।

अभय और वेलावन सेंथिलकुमार ने फिलीपीन के डेविड पेलिनो और रेमार्क बेगोर्निया को पुरूष युगल में 2.0 से हराया। वहीं अभय और जोशना चिनप्पा ने मिश्रित युगल में फिलीपीन के वोन्ने डालिडा और बेगोर्निया को 11.4, 11.3 से मात दी। इसके बाद सिंगापुर की नैशा सिंह और एंडर्स ओंग वी जुन को 11.3, 11.6 से हराया। महिला युगल में रतिका एस सीलान और पूजा आरती ने एक मैच जीता जबकि एक हारा।

### राजावत पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में, त्रिसा.गायत्री भी जीते

**कैलगरी (कनाडा), एजेंसी।** भारत के उदीयमान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान के ताकुमा ओबायाशी को सीधे गेम में हराकर कनाडा ओपन एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने 33वीं रैंकिंग वाले ओबायाशी को 38 मिनट में 21.19, 21.11 से हराया। अब उनका सामना डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से होगा। महिला युगल में तीसरी वरीयता प्राप्त त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। उन्होंने डेनमार्क की नताशा एंथोनिसेन और नीदरलैंड की एलिसा टी को अंतिम 16 के मुकाबले में 17.21, 21.7, 21.8 से हराया। अब उनका सामना चीनी ताइपै की पेइ एस सियेह और एन जू हंग से होगा। अनुपमा उपाध्याय और तान्या हेमंत की जोड़ी दूसरे दौर में हार गई। पुरूष युगल में कृष्ण प्रसाद गारागा और के साई प्रतीक को भी पराजय का सामना करना पड़ा जबकि मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रूत्विका गाड्डे की जोड़ी हार गई।

### जोकोविच, फर्नले को हराकर विंबलडन के तीसरे दौर में

**लंदन, एजेंसी।** ऑल इंग्लैंड क्लब में सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को गुरुवार को यहां विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के लिए पसीना बहाना पड़ा जबकि महिला वर्ग में 5वीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। जोकोविच ने सेंटर कोर्ट पर खेले गए मैच में स्कॉटलैंड के 22 वर्षीय खिलाड़ी जैकब फर्नले को 4 सेट में 6-3, 6-4, 5-7, 7-5 से हराया। फर्नले को टूनार्मेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला था।

पेगुला हारने वाली सर्वोच्च वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी बन गईं। इस अमेरिकी खिलाड़ी को वांग जिन्यू ने 6-4, 6-7 (7), 6-1 से हराया। वांग की यह शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी पर पहली जीत है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दो बार की चैंपियन आर्यना सबालेंका को विंबलडन में तीसरी वरीयता दी गई थी लेकिन उन्होंने कंधे की चोट के कारण पहले दौर से पूर्व ही टूनार्मेंट से हटने का फैसला कर दिया था। ब्रिटेन को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली युरिको लिली मियाजाकी से काफी उम्मीद थी लेकिन डारिया कसाटकिना के सामने उनकी एक नहीं चली। कसाटकिना ने यह मैच आसानी से 6-0, 6-0 से जीता। कसाटकिना का अगला मुकाबला पाउला बडोसा से होगा, जिन्होंने ब्रेंडा फ्रूहविटोर्वा को 6-4, 6-2 से हराया। अमेरिका की 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मैडिसन कीज ने वांग याफान पर 6-2, 6-2 से जीत दर्ज करके तीसरे दौर में प्रवेश किया।

### प्रशंसकों के प्यार ने दिखाया कि यह ट्रॉफी उनके लिये क्या मायने रखती है : रोहित

**मुंबई, एजेंसी।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने यहां अभूतपूर्व स्वागत से अभिभूत होकर कहा कि विजय परेड के दौरान प्रशंसकों के असीम प्यार ने साबित कर दिया कि यह टी20 विश्व कप सिर्फ उनकी टीम के लिये नहीं बल्कि पूरे देश के लिये क्या मायने रखता है।

रोहित ने बीसीसीआई टीवी से कहा, आप इस रोमांच से अनुमान लगा सकते हैं। इससे साबित होता है कि यह ट्रॉफी सिर्फ हमारे लिये नहीं बल्कि पूरे देश के लिये क्या मायने रखती है। मुझे खुशी है कि हम इस तरह का कुछ हासिल कर सके। रोहित ने दूसरी बार टी20 विश्व कप जीता है लेकिन उनके लिये यह खास है। उन्होंने कहा, 2007 अलग था। मैं उसे भूल नहीं सकता क्योंकि वह मेरा पहला विश्व कप था। यह खास है क्योंकि मैं इस बार कप्तान था। मेरे लिये यह बहुत गर्व का पल है।

### एशियाई बिलियडर्स फाइनल में आडवाणी, नजरें खिताब की हैट्रिक पर

**रियाद, एजेंसी।** भारत के क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी एशियाई बिलियडर्स में हैट्रिक बनाने के करीब हैं जिन्होंने हमवतन सौरव कोठारी को 5.0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। आडवाणी ने हर फ्रेम में 100 का स्कोर किया। उन्होंने 100.29, 100.33, 101.38, 100.21, 100.0 से जीत दर्ज की। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्होंने भारत के ही श्रीकृष्णा सूर्यनारायणन को 5.0 से हराया था।

### भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के नए कोच की नियुक्ति जुलाई के अंत तक: कल्याण चौबे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने गुरुवार को कहा कि महासंघ जुलाई के अंत तक भारतीय पुरुष राष्ट्रीय टीम के लिए नए कोच की नियुक्ति कर देगा। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा कि बुधवार, 3 जुलाई, 2024 को पद के लिए आवेदन करने की अवधि समाप्त होने से पहले उसे दुनिया भर से कुल 291 आवेदन प्राप्त हुए थे। 6 जून को, भारत के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी सुनील छेत्री ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और इसके तीन दिन बाद पुरुष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक को पद से हटा दिया गया। अपने पिछले 12 मैचों में से नौ में उन्हें हार का सामना करना पड़ा और दो मैच ड्रॉ रहे।

## सॉफ्ट और टेस्टी ड्रैगन फ्रूट...

ड्रैगन फ्रूट हकीकत में धरती पर पाया जाता है। नाम से भले ही ये फ्रूट डरावना लग रहा हो, लेकिन अंदर से बेहद सॉफ्ट और टेस्टी होता है। इसे पिताया या स्ट्रॉबेरी पीयर के नाम से जाना जाता है। यह एक बेहद खूबसूरत फल होता है। इसके फूल का आकार और रंग सबको हैरान कर देता है। कैक्टस की किस्म वाले पौधों से निकलने वाला फूल तीन हफ्तों में ड्रैगन फ्रूट में बदल जाता है। यह रात को ही बढ़ता है, इसलिए इसके फूल को क्वीन ऑफ द नाइट भी कहते हैं। कैक्टस का पेड़ 40 डिग्री से ज्यादा तापमान वाले इलाकों में भी तेजी से बढ़ता है। ड्रैगन फ्रूट लाल, गुलाबी और पीले रंग का होता है। इसका इस्तेमाल वाइन बनाने में भी किया जाता है। यह मैक्सिको, साउथ अमेरिका, कंबोडिया, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और चीन के अलावा भी कुछ देशों में पाया जाता है। ज्यादातर ड्रैगन फ्रूट गाढ़े लाल रंग का होता है, लेकिन कुछ पीले और गुलाबी रंग के भी पाए जाते हैं। इस फल का छिलका काफी पतला होता है और चारों तरफ से स्केल्स से ढका होता है। इस फल के बीच का हिस्सा लाल या सफेद रंग का होता है, जिसमें काले रंग के बीज होते हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। एक ड्रैगन फ्रूट में करीब 60 कैलोरीज होती है। इसके अलावा विटामिन सी, बी1, बी2, बी3, आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस भी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इतनी सारी खूबियों की वजह से इसे 'सुपर फ्रूट' भी कहा जाने लगा है। ड्रैगन फ्रूट में काफी कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। यही वजह है कि इसे खाने से हार्ट की कोई समस्या पैदा नहीं होती है। अमेरिका में कार्डियोवेसकुलर से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में वहां के लोग ड्रैगन फ्रूट खाकर खुद को हार्ट प्रॉब्लम्स से दूर रख रहे हैं। यह फ्रूट शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में भी मदद करता है। ड्रैगन फ्रूट मोनोसैचुरेटेड फैट्स का सबसे बढ़िया स्रोत है, जिससे हार्ट अच्छी कंडीशन में बना रहता है। इतना ही नहीं ये बॉडी ब्रेक डाउन को भी बहुत जल्दी रिकवर करता है। इसे खाने से वजन और दांत दोनों स्वस्थ रहते हैं।

## यहां नहीं डूबता सूरज...

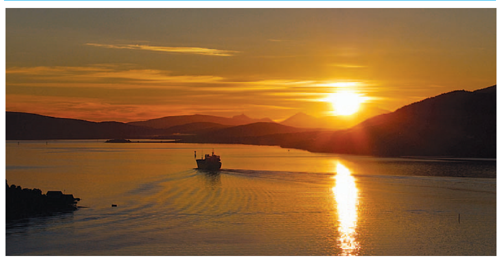

**दिन** की शुरुआत सूरज उगने से होती है। इससे दिनों को हफ्ते, महीनों और सालों में बांटा जाता है, लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी देश हैं जहां पर कई-कई महीनों या दिनों तक सूरज ही नहीं छिपता। इन देशों में 24 घंटे उजाला ही रहता है। नार्वे के एक इलाके को लैंड ऑफ द मिड नाइट सन कहा जाता है। इस देश में मई से जुलाई तक सूरज ही नहीं छिपता। इसकी खूबसूरती को देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां घूमने आते हैं। स्वीडन में आधी रात तक भी सूरज की रोशनी जैसे की तैसी रहती है। यहां पर मई की शुरुआत से अगस्त के अंत तक देर रात तक सूरज नहीं छिपता। आइसलैंड का नजारा बहुत ही खूबसूरत है। कुदरती रोशनी का मजा आप यहा आधी रात को भी ले सकते है। झरने, ज्वालामुखी,ग्लेशियर यहां के खास एटरेक्शन है। कनाडा में भी बदलते मौसम के चलते 50-50 दिनों तक सूरज ही नहीं डूबता। इस कारण यहां पर आधी रात को भी अंधेरा नहीं होता।

## ऐसा सिर्फ चीन में होता है...

**चीन** दुनिया में बहुत सी ऐसी अजीबो-गरीब चीजें होती हैं,जो कहीं और नहीं होती। चीन के बीजिंग में पॉल्यूशन इतना ज्यादा है कि यहां पर एक दिन सांस लेने का हेल्थ पर उतना ही खराब असर पड़ता है, जितना कि एक पैकेट सिगरेट पीने से होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी ब्रा स्टडीज में डिग्री देती है। यहा पर इनरवेयर बनाने की बारीकियां सीखाई जाती है। चीन की जेलों में इतने कैदी हैं कि मौत की सजा देने के लिए यहां 'मोबाइल एग्जीक्यूशन' गाड़ियां हैं। चीन की आर्मी दुनिया की सबसे बड़ी आर्मी है। चीन की आर्मी सख्त मिलिट्री ट्रेनिंग और एग्रेसिव नेचर के लिए दुनियाभर में चर्चित है। ट्रेनिंग के दौरान नए सोल्जर्स के कॉलर में पिन लगा दी जाती हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उनकी गर्दन सीधी रहे और वे अनुशासित रहें।चीन के शांक्सी प्रांत के यन्नान में करीब 4 करोड़ लोग आज भी अंडरग्राउंड गुफाओं में रहते हैं, जो कि ऑस्ट्रेलिया की आबादी से भी ज्यादा है। इन गुफाओ को 'फार्मर्स केव्स' या 'याओडोंग्स' भी कहा जाता है। चीन के गुआंग्झी प्रांत के यूलिन शहर में हर साल जून में डॉग मीट फेस्टिवल मनाया जाता है। इस त्योहार में ही 10 हजार से ज्यादा डॉग्स मार दिए जाते हैं। चीन में इंटरनेट और वीडियो गेम के जबरदस्त एडिक्शन के कारण इस पर बैन लगाया गया था। चीन में इस एडिक्शन से बाहर निकालने के लिए कई रिहैब सेंटर्स चलाए जा रहे हैं। यहां बच्चों के फिजिकल एक्टिविटीज की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वो गेमिंग की दुनिया से बाहर निकल सकें।

## गुस्से पर काबू करेंगे ये फूड्स...

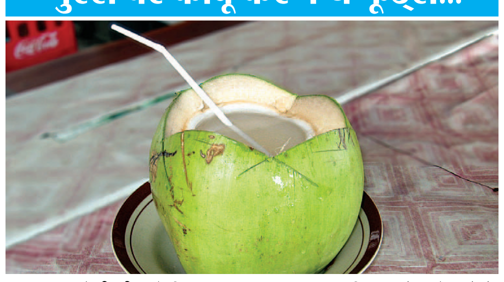

**गुस्सा** एक ऐसी चीज है जिस पर काबू पाना बड़ा मुश्किल होता है। लोगों को समझ में ही नहीं आता कि गुस्से के समय आखिर क्या किया जाए। डॉक्टरों के अनुसार न्यूट्रिएंट्स, मैग्निशियम, विटामिन सी और बी की कमी के चलते लोगों को ज्यादा गुस्सा आता है। ऐसे में कुछ चीजें हैं जो आपके गुस्से पर काबू पाने में मदद करती हैं। नारियल पानी या कोकोनट मिल्क पीने से तुरंत गुस्से पर काबू पाया जा सकता है। इसके अलावा कच्चा नारियल खाने से भी गुस्सा काफी कम होता है। बादाम दिमाग की नसों पर तेजी से काम करती है। ऐसे में गुस्सा आने पर बादाम खाने से उस पर कुछ ही पल में काबू पाया जा सकता है। जब आप किसी बात पर बहुत गुस्सा हो रहे हों और उस पर काबू पाना चाहें तो तुरंत डार्क चॉकलेट खाने से गुस्सा ठंडा हो जाता है। हरी सब्जियों में बहुत अधिक कैल्शियम और मैग्नेशियम होता है जो कि मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और दिमाग के एंग्जाइटी को भी कम करता है। अगर आपको गुस्सा आता है तो तुरंत कोई हरी सब्जी खाएं वो आपके गुस्से को कम करने में मदद करेगी।

# भारत में मिनी अफ्रीका...?

हमारे देश में अफ्रीकी लोगों के खिलाफ हुई हाल की कुछ घटनाओं को छोड़ दें तो पता चलता है कि अफ्रीकियों को भारत से बहुत लगाव है। यहां घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से खासतौर से पढ़ाई के लिए आने वाले कई लोग यहीं बस जाना चाहते हैं। अफ्रीकियों का भारत से यह लगाव आज से नहीं है, अफ्रीकी मूल के कई लोग सदियों से हमारे यहां रह रहे हैं और वे यहीं के नागरिक भी हैं। सदियों से गुजरात में बसे अफ्रीकियों ने तो पूरी तरह से भारतीय लाइफस्टाइल अपना ली है। इतना ही नहीं उन्हें अब सिर्फ गुजराती भाषा ही आती है। देश में कई जगह उनकी संख्या और बसाहट को देखकर लगता है कि हमारे देश में बसता है मिनी अफ्रीका।

**भारत** में बसता है मिनी अफ्रीका। दिल्ली में ही इतने अफ्रीकी हैं कि उनके अपने रेस्तरां, सलून और दुकानें खूब चल रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं को छोड़े तो इससे पहले इनको लेकर कोई विवाद नहीं रहा है। भारत में नए अफ्रीकियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। भारत में घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से लोग पढ़ाई, बिजनेस और मेडिकल सुविधाओं के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उनका भारतीयों और यहां की संस्कृति से खासा लगाव रहा है। दिल्ली के कृष्णा नगर, खिड़की एक्सटेंशन, मालवीय नगर, अर्जुन नगर और राजपुर खुर्द में अफ्रीकी नागरिकों की तादाद अच्छी खासी है। सरकारी आकंड़ों की मानें तो साल 2012 में 40 हजार नाइजीरियाई लोगों ने भारतीय वीजा लिया था और तथ्य यह है कि अभी भी 5000 से 6000 नाइजीरियाई दिल्ली में रह रहे हैं। कई ऐसे हैं जो यहीं बस जाना चाहते हैं। यह तो हुई हाल ही में भारत आने वाले अफ्रीकियों की बात। सच तो यह है कि हमारे यहां सदियों से अफ्रीकी लोग रह रहे हैं। भारतीय इतिहास के अबीसीनीयाई लड़ाके और आधुनिक भारत के अफ्रो इंडियन सदियों से भारत में रह रहे हैं। मूल से अफ्रीकी, राष्ट्रीयता से भारतीय और भाषा से कन्नड़, मराठी और गुजराती। इतनी विविधताओं को अपने में समेटे हैं ये सच्चे भारतीय। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि लाखों अफ्रीकी लोगों ने समुद्र पार कर इधर का रुख किया था, अफ्रीकी-भारतीय लोग सिद्दी या शीदि या सिदी कहलाते हैं, गुलाम के रूप में अफ्रीकी लोगों के बारे में तो शायद सबको जानकारी हो लेकिन भारत में रहने वाले अफ्रीकी लोगों के बारे में लोगों को कम ही जानकारी है सो उनकी ही जानकारी निकालने की कोशिश है यह आलेख।

### तीनों धर्मों के अफ्रीकी

ये लोग भारत की अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में भी हैं और तीनों धर्मों में बंटे हुए भी हैं। यानी अधिसंख्य लोग मुस्लिम हैं, कुछ रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और बहुत कम लोग हिंदू हैं। सबसे मजेदार बात मुगल साम्राज्य में इनका अपना झंडा और मनसबदारी थी, लेकिन अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पाषाणकालीन समय में जमे अफ्रीकी मूल के सेंटीनेल, जारवा, सिर्का, ग्रेट अंडमानी, जांगिल, ओंगे आदि कबीलों से अलग हैं ये लोग। सिद्दी या सिदी भारत और पाकिस्तान का एक जातीय समूह है जिसका मूल अफ्रीका है भारत में ये मुख्यतः गुजरात में रहते हैं कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र में भी इनका अस्तित्व है तथा वहां इन्हे सिद्धि, हब्शी या मकरानी के रूप में जाना जाता है। ये कबीलाई सदस्य हैं जो दक्षिण पूर्व अफ्रीका से संबंध रखती बंटू जनजाति के लोग हैं इनमें से कुछ के पूर्वज व्यापारी, नाविक और भाडे के गुलाम सैनिक कारिंदे थे और बहुतों के पूर्वज दूसरों के सेवक या गिरमिटिया गुलाम थे। आज की तारीख में पाकिस्तान के बलोचिस्तानी क्षेत्र की मकरान पर्वत श्रृंखला और कराची में तथा भारत के कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में संयुक्त रूप से लगभग 70,000-85,000 सिद्दी जनजाति के लोगों की कुल जनसंख्या का अनुमान है।

### ऐतिहासिक तथ्य

यह सिद्ध साबित ऐतिहासिक तथ्य है कि तत्कालीन अरब ,तुर्क और पुर्तगाली व्यापारियों द्वारा भी सिद्दी समुदाय को गुलाम -दास और भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीय उपमहाद्वीप के लिए लाया गया था। सिद्दी नाम के मूल पर परस्पर विरोधी परिकल्पनाएं रही हैं जिनमें से एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सिदी या सिद्धी शब्द साहिबी से निकला है जिसका कारण यह है कि आधुनिक भारत और पाकिस्तान में शब्द साहिब बोला जाता है और इस साहिब शब्द के लिए इसी तरह का उत्तरी अफ्रीका में सम्मान का एक अरबी शब्द भी है। एक दूसरा सिद्धांत यह है कि सिद्दी शब्द अरब जहाजों के कप्तानों के नाम से लिया गया है क्योंकि इन अरबी जहाजों के कप्तानों को सईद या सैय्यद के रूप में जाना जाता था। पहले पहल सिदीयों को भरूच बंदरगाह पर 628 ईस्वी में भारत में लाया गया था,फिर कई अन्य लोगों के समूहों को 712 ईस्वी में भारतीय उपमहाद्वीप के पहले अरब इस्लामी आक्रमणों के साथ लाया गया ,इसमें सैनिक समूह मुहम्मद बिन कासिम के अरब सेना के साथ भाड़े के सैनिकों के रूप में आया था ऐसा इतिहास में भी दस्तावेजी उल्लेख किया गया है। इन सिदी या हब्शी सैनिकों और दासों को जानिस यानी जानिसार अर्थात हुकुम पर जान लुटा देने वाला कहा जाता था। भारत में मुगलों के उदय के पहले तुर्कों के गुलामवंश की दिल्ली सल्तनत काल में जमाल-उद-दीन याकूत नामक सिद्दी हब्शी सुल्तान अल्तुतमिश की शहजादी रजिया सुल्ताना (1205-1240 ई.) का एक करीबी विश्वासपात्र था जो कि एक प्रमुख सिद्दी गुलाम से बना अमीर पद वाला लडाकू मनसबदार रईस था। कुछ सिद्दी समुदाय बारहवीं शताब्दी के बाद जफ्फराबाद, जंजीरा द्वीप पर और वन क्षेत्रों में छोटे सिद्दी समाजों की स्थापना के लिए गुलामी से भाग निकले और ऐसा ही स्थापित एक पूर्व द्वीपीय राज्य जंजीरा हब्शन है।

### मराठों का अफ्रीकी सैन्य गुरु

तेरहवीं सदी में भारत के राजाओं के महल में अबीसीनीयाई, सिद्दी गुलामों को रखने का चलन था। अरब और अफ्रीका से भारत के पुराने व्यापारिक रिश्ते थे ही सो इन्हीं देशों से भारत में ये गुलाम लाए जाते थे। मलिक अंबर , जो भारतीय इतिहास में एक प्रमुख सिद्दी हब्शी व्यक्तित्व है,उसे मराठों के सैन्य गुरु के रूप में भी माना जाता है, और इतिहास ने गहराई से मराठा लोगों के साथ मलिक अंबर सिद्दी हब्शी को संबद्ध किया गया है। मलिक अम्बर का जन्म 1549 और मृत्यु 13 मई 1626 को बताई जाती है। मलिक अम्बर हब्शी गुलाम था। वह तरक्की करके वजीर के पद तक पहुंचा था। उसने पहली बार 1601 ई. में उस समय नाम कमाया, जब उसने मुगल सेना को हरा दिया था। मलिक अम्बर एक अबीसीनियायी था और उसका जन्म इथियोपिया में हुआ था। उसके प्रारम्भिक जीवन की विशेष जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ऐसा अनुमान है कि उसके निर्धन माता-पिता ने उसे बगदाद के गुलाम-बाजार में बेच दिया था। बाद में उसे किसी व्यापारी ने खरीद लिया और उसे दक्षिण भारत ले आया। मलिक अंबर ने काफी बड़ी मराठा सेना इकट्ठी कर ली मराठे तेज गति वाले थे और दुश्मन की रसद काटने में काफी होशियार थे सो मलिक अम्बर ने मराठों को गुरिल्ला युद्ध में भी निपुणता प्रदान कर दी थी यह गुरिल्ला युद्ध प्रणाली दक्कन के मराठों के लिए परम्परागत थी और वे इसमें और भी निपुण हो गए, लेकिन मुगल इससे अपरिचित थे, मराठों की सहायता से मलिक अम्बर ने मुगलों को बरार, अहमदनगर, और बालाघाट में अपनी स्थिति सुदृढ़ करना कठिन कर दिया था।

### आंध्रप्रदेश के सिद्दी

18 वीं सदी में,सिद्दी समुदाय अक्सर आसिफ जाही निजाम की अनियमित सेना के रूप में घुड़सवार सेना गार्ड की सेवा करते थे, जो अरब सिद्दी प्रवासी द्वारा हैदराबाद राज्य में स्थापित किया गया था। आसिफ जाही निजाम रियासत में उन्होंने पुरस्कार के साथ संरक्षण और पारंपरिक मरफ़ा संगीत की जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और सरकारी समारोहों और समारोह के दौरान प्रदर्शन किया, हैदराबाद की सिद्दीयों को पारंपरिक रूप से सिद्दी रिसाला के नाम से जाना जाता है आज भी वे मस्जिद रहमानी के निकट क्षेत्र में रहते हैं।

### कर्नाटक के सिद्दी

कर्नाटक के सिद्दी भी भारत में एक अनुसूचित जनजातीय समूह हैं, इसके सदस्यों को पुर्तगाली व्यापारियों ने दास के रूप में शताब्दियों पहले भारतीय उपमहाद्वीप में लाया गया है ये दक्षिण पूर्व अफ्रीका के बंटू जनजातीय लोग रहे हैं। कर्नाटक में ये सिद्दी येलापुर, हलियाल, अंकोला, जोईडा,मुंडगोड और उत्तर कन्नड़ सिरसी तालुका के आसपास वनों में खेती करते और वन उपज उपजाते हुए रहते है और बेलगाम और धारवाड़ जिले के कालघाटगी के खानपुर में शहरी केंद्रित स्थलों पर रह रहे हैं, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई सिद्दी परिवार पाकिस्तान चले गए और वे वहां सिंध, कराची के क्षेत्रों में बस गये जिनका मुख्य काम रंगरेजी और मछली पकड़ने का है,कर्नाटक के सिद्दी मुख्यतया रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और उनके ही बीच कुछ सिद्दी हिंदू भी हैं।

### सिर्फ गुजराती बोलते हैं ये अफ्रीकी

गुजरात के सौराष्ट्र के तलाणा में हैरत में डालने लोगों की भीड़ दिखाई देगी। दक्षिण अफ्रीका में हब्शी के रूप में पहचाने जाने वाले नीग्रो प्रजाति के लोग गुजरात में लंबे समय से रहते आ रहे हैं। अफ्रीका के नीग्रों की तरह रहने वाली यह प्रजाति शुद्ध रूप से सिर्फ गुजराती भाषा ही जानती है। तलाणा के आसपास के गांवों में ये लोग बसे हुए हैं। लेकिन 'गिर' फारेस्ट के बीचों-बीच 'जंबूर' नामक एक गांव है। इस गांव को गुजरात का अफ्रीका कहा जाता है। इस गांव में आने के बाद आपको बिल्कुल ऐसा ही लगेगा, मानो आप नीग्रो के गांव आ गए हैं। लगभग दो हजार साल पहले 'सीद्दी' भारत आए थे। ऐसा भी कहा जाता है कि इन्हें पानी के जहाजों द्वारा अफ्रीका व अन्य जगहों से लाया गया था। ऐसा भी कहा जाता है कि अरबी और मुगल शासक इन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। इसके अलावा इन लोगों का व्यापार भी होता था। ह्युमन ट्रैफिकिंग का यह व्यवसाय अमेरिका से लेकर यूरोप तक फैला हुआ था। जब मुगलों ने भारत की ओर रुख किया तो अपने साथ इन्हें भी यहां ले आए। गुजरात के इतिहास पर नजर करें तो यह भी पता चलता है कि जूनागढ़ के नवाब ने काफी संख्या में इन्हें खरीदा था। नवाबों व राजाओं के शासन के अंत के बाद ये लोग यहीं बस गए। सौराष्ट्र में बसे सीद्दियों की लाइफस्टाइल अब पूर्ण रूप से गुजराती और भारतीय बन चुकी है। लेकिन कुदरत द्वारा प्रदत्त इनकी शारीरिक बनावट अन्य भारतीयों से इन्हें अलग करती है। सिद्दी गुजरात में आदिवासियों की तरह जीवन व्यतीत करते हैं। इनका मुख्य पेशा खेती-किसानी, लकड़ियां बेचना और गाय-भैंसों का पालन है। सीद्दियों की एक और पहचान इनके 'धमाल' नामक नृत्य से भी है। यह नृत्य बिल्कुल अफ्रीकन नीग्रो की तरह होता है। गुजरात के सिद्दी मुख्यतः मुस्लिम धर्म को मानते हैं। वे यहां पिछले आठ सौ सालों से संत नागरची बाबा की आराधना करते आ रहे हैं। सिद्दी हर रोज शाम को ड्रम बजाते हुए जांबूर गांव के बीचों-बीच स्थित मस्जिद में बंदगी करते हैं। इनके बारे में ऐसा भी कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा इन्हें अपने अंगरक्षक के रूप में रखा करते थे। यह प्रजाति शारीरिक रूप से बहुत मजबूत होती है, इसलिए इनकी नियुक्ति राजाओं के अंगरक्षकों के अलावा सेना में भी की जाती थी। 1572 में जब जलालुद्दीन अकबर गुजरात आया तब वह अपने साथ लगभग 700 हब्शी घुड़सवारों को लाया था। इसके अलावा पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी रहने वाले हब्शी लोगों को लड़ाका माना जाता है।

# सेहत सुधारती है पढ़ने की आदत...

**हमारे** देश की साक्षरता एक तरफ भले ही बढ़ रही हो लेकिन हमारी आज की पीढ़ी में पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति सिरे से खारिज होती जा रही है। आज का युवा अपने विषय के अलावा और किताब को विषयांतर कह कर नकार देता है । वही दूसरी तरफ वह तरह-तरह के स्मार्ट फोन खरीदकर उनके साथ समय व्यतीत कर रहा है। अब टेक्नोलॉजी का जमाना है। लोग लैपटॉप और स्मार्ट फोन में ई बुक पढ़ लेते हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जब विदेशी नागरिक हमारे देश में आते हैं तो उन्हें पर्यटन स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे पर हाथों में किताब लिए सहज देखा जा सकता है। जबकि ठीक उन्हीं जगहों पर ज्यादातर भारतीय मोबाइल में गेम खेलते या फेसबुक या व्हाट्सएप पर लगे हुए दिखाई देते हैं। खास बात यह है कि विदेशी लोग मोबाइल ,लैपटॉप ,फेसबुक ,ट्विटर ,व्हाट्सएप की सीमाओं और संभावनाओं को अच्छी तरह जानते हैं। वे पुस्तक की भी सीमाओं और संभावनाओं को जानते हैं। कहा गया है कि किताबें व्यक्ति की अच्छी दोस्त होती हैं। कुछ लोग इसे शौक के तौर पर पढ़ते है लेकिन कुछ किताबों को पढ़ना बोरिंग समझते हैं और कंप्यूटर व टीवी को ही अपना अच्छा दोस्त मानते हैं लेकिन सच तो यह है कि किताबें हमारे व्यक्तित्व को निखारती ही नहीं बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती हैं। एक शोध से पता चला है जो शौक के लिए पढ़ते हैं उनका स्वास्थ्य ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 33 प्रतिशत ज्यादा बेहतर रहता है।

**दिमाग तेज होना:** किताबें पढ़ने से आदमी की याददाश्त बढ़ती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग ज्यादा तेज होता है। इसके अलावा किताब पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को बढ़ाती है।

**दिमाग फ्रेश होना:** किताबें पढ़ने की आदत से आदमी का दिमाग हमेशा जवां रहता है। जो लोग रचनात्मक कार्यों जैसे पढ़ाई में अधिक वक्त बिताते हैं उनका दिमाग ऐसा न करने वालों की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक जवां रहता है।

### आई क्यू लेवल बढ़ना

जो लोग किताबें अधिक पढ़ते हैं उनका आई-क्यू लेवेल भी अधिक होता है। किताबें व्यक्ति को रचनाशील बनाती हैं जिसके कारण उनकी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ जाती है।

### अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर एक प्रकार की दिमागी बीमारी है। इसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो लोग दिमागी गतिविधियों जैसे-पढ़ाई, चेस खेलना, पजल खेलने में व्यस्त रहते हैं उनमें अल्जाइमर के विकसित होने की संभावना कम होती है।

### तनाव दूर होता है

किताबें व्यक्ति के तनाव के हार्मोन यानी कार्टिसोल के स्तर को कम करती हैं, जिससे तनाव दूर रहता है। अगर आप अपने दिन को खुशनुमा बनाना चाहते हैं तो पढ़ने की आदत इसमें आपकी मदद कर सकती है। यदि आपके पास आज कोई काम नहीं है तो दिन को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छी किताब पढ़िए।

### अच्छी नींद

रात में देर तक टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने से आपकी नींद उड़ सकती है, लेकिन रात में सोने से पहले किताब पढ़ने से आपको अच्छी नींद का आ सकती है। इसलिए रात को सोने से पहले किताब पढ़ना न भूलें।

# दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

**आज** की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

### दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

### व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

बॉलीवुड के किंग

## शाहरुख खान को पार्डो ला कैरियरा से किया जाएगा सम्मानित!

**लोकार्नो** फिल्म फेस्टिवल के 77वें संस्करण में, भारतीय सुपरस्टार और वैश्विक इकन शाहरुख खान को फेस्टिवल के करियर चीवमेंट वार्ड, प्रतिष्ठित पार्डो ला कैरियरा सकोना-लोकार्नो टूरिज्म से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय करियर को एक ट्रिब्यूट देगा, जिसमें विभिन्न विधाओं की 100 से धिक फिल्में शामिल हैं। भारत में किंग खान - बॉलीवुड के बादशाह - के नाम से मशहूर शाहरुख खान भारतीय सिनेमा की जीवंतता को दर्शाने वाले एक नोखे प्रतीक बन गए हैं। अभिनेता को शनिवार, 10 गस्त की शाम को पियाजा ग्रांडे में यह पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लावा, खान के करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म - देवदास (संजय लीला भंसाली, 2002) को फेस्टिवल के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा, और शाहरुख रविवार, 11 गस्त को फोरम सिनेमा में जनता के लिए बातचीत के लिए उपस्थित होंगे। शाहरुख खान की कई फिल्मों को वैश्विक स्तर पर पसंद किया जाता है और इसने उन्हें दुनिया भर के दर्शकों के बीच एक बेहद लोकप्रिय नाम बना दिया है, जिसके कारण उन्हें दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में पने देश ौर पनी कई फिल्मों का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

भारतीय सिनेमा में उनके 30 साल से अधिक के सफर में उनकी सबसे प्रशंसित और ब्रेकाउट फिल्मों में से कुछ रोमांटिक थ्रिलर बाज़ीगर (1993) रही है, जिसमें खान ने बदला लेने की तलाश में एक हत्यारे लेकिन सहानुभूतिपूर्ण एंटी-हीरो की भूमिका निभाई थी। कुछ साल बाद उन्हें एक रोमांटिक ड्रामा, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (1995) ौर समय-सीमाओं के पार प्रेम-कहानी, कुछ कुछ होता है (1998) के दम पर सुपरस्टार का दर्जा दिया गया। साथ ही, इस नई प्रसिद्धि की विशालता ने खान को लग और पने समय से बहुत आगे की भूमिकाएँ निभाने से नहीं रोका, जैसे कि यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित रोमांटिक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर डर (1993) में राहुल, मणिरत्नम द्वारा महाकाव्य दिल से.. (1998) में एक पत्रकार जो एक आतंकवादी से प्यार करता है।

गले दो दशकों में, खान के करियर में भारत के कुछ सबसे प्रमुख निर्देशकों और सितारों के साथ हाई-प्रोफाइल सहयोग शामिल होंगे, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जबरदस्त पहचान मिली। खान को 2007 में ॉर्ड्रे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस और 2014 में फ्रांस सरकार द्वारा लीजन डीऑनर से सम्मानित किया गया था। शाहरुख खान की हालिया रिलीज़ में 2023 में रिलीज़ होने वाली तीन फ़िल्में शामिल हैं, पठान (2023), जवान (2023) और डंकी (2023), जिनमें से सभी बड़ी व्यावसायिक सफलताएँ थीं और वैश्विक दर्शकों से पार सराहना प्राप्त की। खान के पने प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित जवान (2023) ने ब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म के रूप में इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज करा लिया है, जिससे भिनेता की पनी पीढ़ी के सबसे प्रिय भारतीय सितारों में से एक के रूप में स्थिति की पुष्टि होती है।

जिोना ए. नाज़ारो, कलात्मक निर्देशक लोकार्नो में शाहरुख खान जैसे दिग्गज का स्वागत करना एक सपने के सच होने जैसा है! भारतीय सिनेमा में उनके योगदान की समृद्धि और व्यापकता भूतपूर्व है। खान एक ऐसे किंग हैं जिन्होंने अपने दर्शकों से कभी संपर्क नहीं खोया। यह साहसी और साहसी कलाकार हमेशा खुद को चुनौती देने के लिए तैयार रहा है, जबकि दुनिया भर में उसके प्रशंसक उसकी फिल्मों से जो उम्मीद करते हैं, उसके प्रति सच्चा बना रहा है। एक सच्चे लोगों के नायक, परिष्कृत ौर जमीन से जुड़े शाहरुख खान हमारे समय के एक दिग्गज हैं।

### ट्रिब्यूट प्रोग्राम

शाहरुख खान शनिवार, 10 गस्त की शाम को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पियाज़ा ग्रांडे में होंगे। लोकार्नो77 के दौरान उनके करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म दिखाई जाएगी.

पार्डो ला कैरियरा को सकोना-लोकार्नो टूरिज्म के सहयोग से संभव बनाया गया है, जो लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल का गंतव्य भागीदार है, जिसका काम लेक मैगीगोर और लोकार्नो के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता में पर्यटन के विकास और प्रचार को बढ़ावा देना है। झील और पहाड़ों के बीच बसा, लोकार्नो पने फिल्म फेस्टिवल के लिए एक लुभावनी पृष्ठभूमि के रूप में कार्य करता है, जहाँ प्राकृतिक परिदृश्य और सांस्कृतिक उत्सव का तर्संबंध एक शानदार नुभव बनाता है। प्रकृति में स्थापित एकमात्र प्रमुख फिल्म फेस्टिवल के रूप में, दर्शक सकोना-लोकार्नो क्षेत्र के सुंदर परिवेश के खिलाफ 360 ए सिनेमाई नुभव का आनंद ले सकते हैं।

बतौर बाल कलाकार फिल्मी दुनिया में रखे थे कदम

## साउथ में भी है मिर्जापुर की माधुरी भाभी की धमक

लोकप्रिय सीरीज मिर्जापुर का तीसरा सीजन आने वाला है। रिलीज डेट है 5 जुलाई और रिलीज होने का ठिकना है प्राइम वीडियो। ट्रेलर तो पहले ही आ चुका है ौर देखकर यह ंदाजा भी हो गया है कि गला सीजन पिछले दो सीजन से ज्यादा तूफानी होने वाला है। आखिर घायल शेर की वापसी का मामला है। ट्रेलर में कालीन भैया, गुड्डू पंडित के लावा महिलाओं को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। इसी सीरीज की एक पात्र हैं माधुरी भाभी, इसे निभाया है भिनेत्री ईशा तलवार ने। सीरीज में उनकी बोल्डनेस, रुाब ौर भिनय ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है। गले सीजन में भी वह दमदार ंदाज में नजर आएंगी। ईशा तलवार ने मिर्जापुर में माधुरी भाभी के किरदार से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस सीरीज में उनकी शादी कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) से हुई है। ईशा तलवार चुनावी मैदान में सक्रिय भागीदारी करती दिखी हैं। इस सीरीज ने बेशक ईशा को लोकप्रियता के शीर्ष पर पहुंचाया है, लेकिन उनका करियर काफी लंबा है। वह साउथ सिनेमा की भी नामी दाकारा हैं। सबसे दिलचस्प तो उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार की थी। ईशा तलवार हिंदी के लावा मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ईशा तलवार का जन्म 22 दिसंबर 1987 को मुंबई में हुा। ईशा ने महज 10 साल की उम्र में बॉलीवुड फिल्म हमारा दिल ापके पास है (2000) से डेब्यू किया था। हालांकि, बतौर अभिनेत्री उन्होंने पना करियर वर्ष 2012 में मलयालम फिल्म थात्ताथिन मरयात्तू से शुरू किया। इसके बाद उन्हें आई लव मी (2012) में देखा गया था।

इसके बाद ईशा तलवार ने मैजिक लव (2013) के साथ तेलुगु फिल्मों में और थिल्लू मुल्लू (2013) के साथ तमिल फिल्मों में शुरुात की। उन्होंने मलयालम सिनेमा में कई फिल्में की हैं। इसके बाद बॉलीवुड में ईशा ने अच्छा काम किया। वर्ष 2017 में फिल्म ट्यूबलाइट में वह नजर ाईं। फिर 'कालकांडी', 'आर्टिकल 15' और 'गिन्नी वेड्स सनी' जैसी कई फिल्मों और सीरीज में पनी एक्टिंग का लोहा मनवाया।

ईशा ने अपने करियर की शुरुात बतौर मॉडल की थी। वे 40 से ज्यादा विज्ञापनों में काम कर चुकी हैं। इसके लावा वह एक बेहतरीन डांसर भी हैं। ईशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर ईशा के 14 लाख फॉलोर्स हैं। ईशा तलवार काफी आलीशान जिंदगी जीती हैं। अपने फिल्मी करियर में कई चर्चित फिल्मों और सीरीज में काम करते हुए उन्होंने अच्छी-खासी संपत्ति इकट्ठी कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब 26 करोड़ रुपये है।

## सामंथा ने स्तन कैंसर का इलाज करा रही हिना को बताया योद्धा

**तीसरे** चरण के स्तन कैंसर से जूझ रही एक्ट्रेस हिना खान को सामंथा रुथ प्रभु ने योद्धा कहा है। उनके कैंसर की खबर सुनकर परेशान हुई एक्ट्रेस ने कहा कि मैं ापके लिए प्रार्थना कर रही हूं। सामंथा ने हिना का नवीनतम वीडियो पने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। वीडियो में ये रिश्ता क्या कहलाता है की एक्ट्रेस कैंसर डायग्नोसिस के बारे में बात करती नजर ा रही हैं। रील वीडियो में हिना को एक वॉर्ड शो में भाग लेते हुए ौर फिर पनी पहली कीमोथेरेपी के लिए जाते हुए दिखाया गया है। हिना ने वीडियो को कैप्शन दिया कि इस पुरस्कार समारोह में मुझे पने कैंसर के बारे में पता चला, लेकिन मैंने इसे न केवल पने लिए बल्कि हम सभी के लिए सामान्य बनाने का निर्णय लिया। यह वह दिन था, जिसने सब कुछ बदल दिया, यह मेरे जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण चरणों में से एक की शुरुात थी। हिना ने पोस्ट में लिखा कि मैंने इस चुनौती को खुद को फिर से नया रूप देने के वसर के रूप में लेने का फैसला किया है। मैंने पने टूलकिट में सकारात्मकता की भावना को पहले उपकरण के रूप में रखने का फैसला किया है। मैंने पने लिए इस अनुभव को सामान्य बनाने का फैसला किया है। मेरे लिए मेरी कार्य प्रतिबद्धताएं मायने रखती हैं। मेरे लिए मेरी प्रेरणा, जुनून और कला मायने रखती हैं। मैं झुकने से इनकार करती हूं। यह पुरस्कार जो मुझे मेरे पहले कीमो से ठीक पहले मिला, वह केले मेरी प्रेरणा नहीं थी, वास्तव में मैं इस कार्यक्रम में खुद को आश्वस्त करने के लिए शामिल हुई थी कि मैंने पने लिए जो बेंचमार्क सेट किया है, उस पर खरी उतर सकूं। उन्होंने आगे लिखा कि मैंने कार्यक्रम में भाग लिया और पनी पहली कीमो के लिए सीधे स्पताल चली गई। मैं विनम्रतापूर्वक सभी से आग्रह करती हूं कि पहले पने जीवन की चुनौतियों को सामान्य बनाएं, फिर पने लिए लक्ष्य निर्धारित करें और हर तरह से उन पर खरा उतरने की कोशिश करें। चाहे कितना भी मुश्किल क्यों न हो। कभी पीछे न हटें। कभी हार न मानें। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर भी यही वीडियो शेयर किया और लिखा कि आपके लिए प्रार्थना कर रही हूं, हिना खान तुम योद्धा हो।

## फिर पोस्टपोन हुई जय-तब्बू की 'औरों में कहां दम था', अब इस महीने होगा प्रदर्शन

**अजय** देवगन और तब्बू स्टारर फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। वे इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेकरार हैं। हालांकि उन्हें भी इसके लिए ौर इंतजार करना पड़ेगा। फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है। पहले यह फिल्म 5 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, ब इसे ागे बढ़ा दिया गया है। इसकी वजह बॉक्स ॉफिस पर बंपर कलेक्शन कर रही फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' है। इसे देखने के लिए थिएटर्स में भारी संख्या में भीड़ पहुंच रही है। ऐसे में जय की फिल्म को भारी नुकसान हो सकता है। सूत्रों के नुसार 27 जून को रिलीज हुई 'कल्कि' के दूसरे वीकेंड में भी च्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। गर इस शुक्रवार को 'औरों में कहां दम था' रिलीज होती है तो इससे स्क्रीन शेयरिंग की समस्या होगी ौर दोनों फिल्में प्रभावित होंगी। फिल्म एग्जीबिटर को भी नुकसान होगा। ऐसे में बिजनेस के व्यापक हित में फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया है। ब मेकर्स 2 अगस्त को फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी के भी हम रोल हैं। इसके डायरेक्टर व राइटर नीरज पांडे हैं। संगीत एमएम किरवानी ने दिया है।

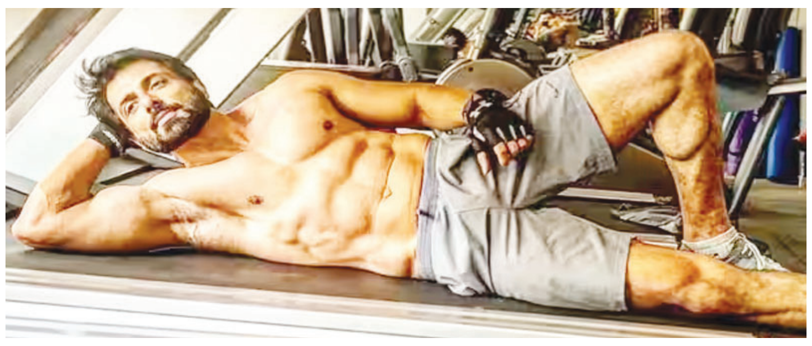

## टीवी देखते हुए एब क्रंचेस, सिट-अप्स व पुश-अप्स करता हूं : सोनू सूद

**एक्टर** सोनू सूद पने काम और एक्टिंग के अलावा अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। उनके 6 पैक्स एब्स ने हर किसी का ध्यान पनी ओर खींचा है। अपनी फिटनेस के पीछे का सीक्रेट बताते हुए उन्होंने खुलासा किया कि वह टीवी देखते हुए एब क्रंचेस, सिट-प्स और पुश-अप्स को पनी रूटीन में शामिल करते हैं। आपने अक्सर सुना होगा कि बेहतरीन बॉडी पाने के लिए सप्लीमेंट्स और नॉनवेज खाने की जरूरत पड़ती है। सोनू सूद ने इस बारे में भी आम मिथकों को दूर किया। उन्होंने कहा, लोगों में क्सर यह गलत धारणा होती है कि अच्छे शरीर के लिए नॉनवेज खाने की जरूरत होती है, लेकिन मैंने सीखा है कि यह हेल्दी डाइट पर ज्यादा निर्भर होता है। स्टार ने हेल्दी लाइफस्टाइल को बनाए रखने के लिए कंट्रोल और बैलेंस डाइट के साथ-साथ पूरे दिन एक्टिव रहने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, टीवी देखते समय भी मैं क्रंचेस, पुश-प्स और सिट-अप्स करके खुद को एक्टिव रखने के तरीके ढूंढ़ लेता हूं। ये सिंपल एक्टिविटीज मुझे एक्टिव रहने में मदद करती हैं।

## सिस्टेंट संग शादी के बंधन में बंधे डायरेक्टर समीर विद्वांस

### बाराती बनकर पहुंचे कार्तिक आर्यन

**फिल्म** इंडस्ट्री में हाल ही में एक और हस्ती शादी के बंधन में बंध गई है। फेमस डायरेक्टर समीर विद्वांस ने भी अपनी सपनों की राजकुमारी संग सात फेरे ले लिए हैं। उनकी शादी 29 जून को हुई है, जिसका खुलासा हाल ही में एक्टर कार्तिक आर्यन ने किया है। साथ ही उन्होंने समीर की वेडिंग फोटोज भी शेयर की हैं। इन फोटोज को देखने के बाद फैंस डायरेक्टर को खूब बधाइयां दे रहे हैं। दरअसल, समीर विद्वांस ने कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का डायरेक्शन किया था। इस फिल्म में उनकी सिस्टेंट डायरेक्टर जुली सोनलकर थी, जिनके साथ ब समीर ने शादी कर ली है। दोनों की शादी 29 जून, 2024 को हुई है और इसी दिन एक साल पहले 'सत्यप्रेम की कथा' फिल्म भी रिलीज हुई थी। ऐसे में कार्तिक आर्यन ने इस दिन की कई खूबसूरत यादें शेयर करते हुए समीर विद्वांस की शादी का भी खुलासा किया। समीर और जुली की शादी में चंदू चैंपियन एक्टर कार्तिक आर्यन बराती बनकर पहुंचे और काफी हैंडसम लगे। शादी ही नहीं, कार्तिक ने कपल की रिसेप्शन पार्टी भी टैंड की, जिसकी कई तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों देखा जा सकता है समीर और जुली दूल्हा-दुल्हन बने बेहद खूबसूरत लग रही हैं। रिसेप्शन पार्टी में भी कपल बेहद प्यारा लग रहा है।

## रिया चक्रवर्ती ने खुद को बताया सबसे बड़ी गोल्ड डिगर

### सुनकर हैरान रह गईं सुष्मिता सेन

**एक्ट्रेस** रिया चक्रवर्ती एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद खूब चर्चा में आई थीं। उन पर एक्टर की मौत का आरोप लगा था और मामले में उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी थी। इतना ही नहीं, उन्हें लोगों की ट्रोलिंग का भी खूब सामना करना पड़ा था। गोल्ड डिगर तक के ताने सुनने पड़े थे। वहीं ब हाल ही रिया ने खुद को ही सबसे बड़ी गोल्ड डिगर बताया है। उनकी ये बात सुन एक्ट्रेस सुष्मिता सेन भी हैरान रह गईं। दरसल, रिया चक्रवर्ती ने हाल ही में पना चैट शो चैप्टर 2 शुरू किया है, जहां सुष्मिता सेन उनके शो की पहली मेहमान बनी। रिया ने पने इस शो का एक प्रोमो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें वह कह रही हैं- आपको पता है कि इस इंडस्ट्री में आपसे बड़ी गोल्ड डिगर है जब सुष्मिता सेन हैरानगी में पूछती हैं, सच इस पर रिया चक्रवर्ती ने खुद का नाम लिया। उन्होंने खुद को सबसे बड़ी गोल्ड डिगर कहा है। वीडियो को शेयर करते हुए रिया चक्रवर्ती ने कैप्शन में लिखा, मैं कल ही 32 साल का हुई हूं और यह बहुत शानदार सफर रहा है।

## शादी के लिए तैयार हैं सुष्मिता बोलीं...

## सही वक्त पर सही इंसान मिल जाए तो शादी भी हो जाएगी!

**सुष्मिता** सेन अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बिंदास रवैया रखती हैं। चाहे बात उनकी डेटिंग लाइफ की हो या शादी की वे खुलकर हर सवाल का जवाब देती हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, देखिए मुझे कभी भी शादी से इनकार नहीं था। मैं शादी करने के लिए तैयार हूं, लेकिन सामाजिक दवाब या किसी दूसरे कारणों की वजह से नहीं। बॉलीवुड की मशहूर भिनेत्री सुष्मिता सेन जो भी करती हैं डंके की चोट पर करती हैं। वे जिंदगी को पने शर्तों पर जीती हैं। सुष्मिता जितनी शानदार भिनेत्री हैं उतनी ही खूबसूरत इंसान भी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे पनी निजी जिंदगी से जुड़े कई सवालों का जवाब देती नजर आईं। उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया है कि वे कब शादी के बंधन में बंधने वाली हैं।

सुष्मिता सेन पनी निजी जिंदगी को लेकर एक बिंदास रवैया रखती हैं। चाहे बात उनकी डेटिंग लाइफ की हो या शादी की वे खुलकर हर सवाल का जवाब देती हैं। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, देखिए मुझे कभी भी शादी से इनकार नहीं था। मैं शादी करने के लिए तैयार हूं, लेकिन सामाजिक दवाब या किसी दूसरे कारणों की वजह से नहीं। मैं शादी तब करूंगी जब मुझे सामने वाला इंसान सही लगेगा ौर वह मेरे शादी के लिए सभी बॉक्स में फिट बैठेगा। सुष्मिता सेन से जब पूछा गया कि क्या वे पने पूर्व-साथियों के साथ दोस्ती का रिश्ता शेयर करती हैं। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, यह थोड़ा जटिल मामला है। कुछ लोग पने एक्स के साथ दोस्ती का रिश्ता रखते हैं, लेकिन फिर मुझे लगता है कि ाप लाइन कहां खीचेंगे। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मेरे कई पूर्व-साथी ाज भी मेरे दोस्त हैं। सुष्मिता सेन पनी निजी जिंदगी को लेकर क्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रणदीप हुड्डा ौर ललित मोदी के संग रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। कहा जा रहा है कि इन दिनों वे एक बार फिर से रोहमन शॉल को डेट कर रही हैं। बीच में दोनों की ब्रेकप की खबरें खूब वायरल हुई थीं। वहीं भिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे पिछले दिनों ार्या में नजर ाई थीं।

-साभार एजेंसी

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009